3 राजधानी
ट्रैक्टर चलाकर संसद पहुंचे राहुल गांधी

6 अभिमत
पुतिन के लिए सिरदर्द बनी चीन से दोस्ती

10 स्पोर्ट्स
अनुभवी शरत कमल तीसरे दौर में

11 विदेश
पीटीआई ने जमाया 25 सीटों पर कब्जा

RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 258
नई दिल्ली, मंगलवार, 27 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

आसान नहीं असुर की भूमिका निभाना : सिद्धार्थ
विविध-12

www.dailypioneer.com

हिंसा में असम के छह पुलिसकर्मियों की मौत

पीएनएस/एजेंसी। गुवाहाटी/आइजोल

- पुलिस अधीक्षक समेत 50 लोग घायल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों से की बात और शांति सुनिश्चित करने को कहा
- दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने लगाए आरोप-प्रत्यारोप

असम-मिजोरम सीमा विवाद ने लिया गंभीर रूप

सोमवार को असम-मिजोरम सीमा पर उपद्रवियों को नियंत्रित करने पहुंची पुलिस

असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद के अचानक बढ़ने से असम पुलिस के कम से कम छह जवानों की मौत हो गई और एक पुलिस अधीक्षक समेत 50 अन्य घायल हो गए। दोनों पक्षों ने हिंसा के लिए एक-दूसरे की पुलिस को जिम्मेदार ठहराया और केंद्र के हस्तक्षेप की मांग की। इस मामले को लेकर असम और मिजोरम के मुख्यमंत्रियों के बीच सार्वजनिक रूप से कहासुनी भी हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने क्रमश: असम और मिजोरम के मुख्यमंत्रियों, हिमंत बिस्वा सरमा और जोरमथांगा से बात की और उनसे विवादित सीमा पर शांति सुनिश्चित करने और सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने का आग्रह किया। असम के बराक घाटी के जिले कछार, करीमगंज और हैलाकांडी मिजोरम के तीन जिलों आइजोल, कोलासिब और मामित के साथ 164 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। एक क्षेत्रीय विवाद के बाद, इस साल अगस्त 2020 और फरवरी में अंतर-राज्यीय सीमा पर झड़पें हुईं।

असम के मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर घोषणा की कि कछार जिले में अंतर-राज्यीय सीमा पर मिजोरम की ओर से 'उपद्रवियों' द्वारा की गई गोलीबारी में असम पुलिस के छह जवान मारे गए। सरमा ने ट्वीट किया, 'मुझे यह सूचित करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि असम-मिजोरम सीमा पर हमारे राज्य की संवैधानिक सीमा की रक्षा करते हुए असम पुलिस के छह बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।' हालांकि, मिजोरम के गृह मंत्री लालचमलियाना ने एक बयान में कहा कि असम के 200 से अधिक पुलिसकर्मियों ने सीआरपीएफ की चौकी पार कर आगजनी, हमले और निहत्थे लोगों पर गोलीबारी की, जिसके बाद मिजोरम पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सीमा पार से उपद्रवियों ने उस समय अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जब दोनों पक्षों के नागरिक अधिकारी मतभेदों को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे थे। अधिकारी ने फोन पर कहा, 'मैं तत्काल यह नहीं बता सकता कि कितने लोग घायल हुए हैं, लेकिन मेरा अनुमान है कि कम से कम 50 कर्मी घायल हुए। गोलीबारी में हमारे एसपी भी घायल हो गए और एक गोली उनके पैर में लगी।' आईपीएस अधिकारी जब फोन पर बात कर रहे थे तब वह जंगल के अंदर छिपे हुए थे और पीछे से गोलीबारी की आवाज सुनाई दे रही थी। शाम के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम और मिजोरम के मुख्यमंत्रियों से दोनों राज्यों के बीच चल रहे सीमा विवाद पर बात की और उनसे विवाद का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने को कहा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा के साथ टेलीफोन पर अलग-अलग बातचीत के दौरान शाह ने उनसे अंतरराज्यीय सीमा पर शांति बनाए रखने को कहा। गृह मंत्री ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि सीमा विवाद को आपसी सहमति से हल करें। दोनों मुख्यमंत्रियों ने गृह मंत्री को आश्वासन दिया है कि शांति सुनिश्चित करने और सीमा मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इसके तुरंत बाद, मिजोरम के गृह मंत्री लालचमलियाना ने अपने बयान में कहा कि शाह के हस्तक्षेप के बाद, असम पुलिस उस जगह से हट गई है और ड्यूटी पोस्ट सीआरपीएफ कर्मियों को वापस सौंप दी गई है। कांग्रेस ने असम-मिजोरम सीमा पर हिंसा को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है कि एक ओर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री ट्विटर पर खुलेआम बहस कर रहे थे, दूसरी ओर तनाव बढ़ रहा था।

पार्टी ने पूछा, 'कल (रविवार को) गृह मंत्री ने अंतरराज्यीय सीमा विवाद के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की थी। उनके बीच क्या हुआ? सीमा विवादों को कम करने के लिए क्या नीतियां अपनाई गईं?' इससे पहले, दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने सोमवार को एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए और एक-दूसरे की पुलिस को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया। दोनों ने केंद्र से मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा से बात की है और उनकी पुलिस शांति बनाए रखेगी। (शेष पेज 9)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री येदियुरप्पा का इस्तीफा

- 78 वर्षीय कद्दावर लिंगायत नेता का स्थान कौन लेगा, अभी यह तय नही, उत्तराधिकारी का चयन होने तक पद पर बने रहेंगे बीएसवाई
- नया नेता चुनने को पार्टी विधायक दल की बैठक जल्द

बेंगलुरु में राज्यपाल को त्यागपत्र सौंपने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते बीएस एदियुरप्पा

दीपक कुमार उप्रेती। नई दिल्ली

चार बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे बीएस येदियुरप्पा के लिए रास्ता बंद हो चुका है। बीएसवाई के नाम से लोकप्रिय येदियुरप्पा ने केंद्रीय भाजपा नेतृत्व से अपनी विदाई के बारे में हुई बातचीत के बाद सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया। पार्टी को अभी यह तय करना है कि 78 वर्षीय कद्दावर लिंगायत नेता का स्थान कौन लेगा। येदियुरप्पा ने प्रदेश के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को राजभवन जाकर अपना इस्तीफा सौंपा। फिलहाल वे अभी कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर पद पर बने रहेंगे। कर्नाटक भाजपा विधायक दल जल्द ही अपने नए नेता के चयन के लिए बैठक करेगा। सूत्रों के मुताबिक भाजपा अन्य राज्यों में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ा रही है लेकिन कर्नाटक में येदियुरप्पा के उत्तराधिकारी के चयन में 2023 में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान रखा जाएगा।

येदियुरप्पा द्वारा राज्यपाल को इस्तीफा सौंपे जाने के तुरंत बाद संसद भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को आपस विचार-विमर्श करते देखा गया। भाजपा महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी अरुण सिंह तथा केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रदेश की राजधानी पहुंचने की उम्मीद है। दोनों नेता केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नए नेता के चयन की प्रक्रिया को देखेंगे। बेटों को उचित राजनीतिक पद देने के लिए हुए समझौते के बाद येदियुरप्पा ने अपनी विदाई को लेकर कई दिनों से चल रही अटकलों को विराम देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। उनके बेटे बीवाई विजयेंद्र पहले से ही भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हैं तथा बीवाई राघवेंद्र सांसद है। इसके अलावा येदियुरप्पा ने अपने खिलाफ लंबित कई अदालती मामलों से 'सुरक्षित रास्ता' दिए जाने की मांग की है। लिंगायत संतों के साथ उनकी लॉबइंग का शीर्ष भाजपा नेताओं से कोई फायदा नहीं मिला, जिन्होंने उन्हें सम्मानजनक विदाई की सलाह दी थी। एक दिन पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने येदियुरप्पा की सराहना करते हुए कर्नाटक में किसी तरह के संकट से इनकार किया था। (शेष पेज 9)

पेगासस विवाद पर विपक्ष का हंगामा, नहीं चली संसद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- किसानों का मुद्दा भी गरमाया, दोनों सदनों में जमकर नारेबाजी और शोरगुल

विपक्ष के हंगामे के चलते सोमवार को भी संसद नहीं चल पाई। विपक्षी सदस्यों ने पेगासस जासूसी विवाद और किसानों के मुद्दे को जमकर शोरगुल और नारेबाजी की। राज्यसभा में आज पांच बार स्थगन के बाद अंतत: सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। आज एक बार फिर प्रश्न काल और शून्य काल हंगामे की भेंट चढ़ गए और नौचालन के लिए सामुद्रिक सहायता विधेयक पर चर्चा नहीं हो सकी। कोई अन्य महत्वपूर्ण विधायी कामकाज भी नहीं हो सका।

काम के नाम पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) संशोधन विधेयक 2012 को वापस लिए जाने संबंधी पेश किए गए प्रस्ताव को ध्वनि मत से स्वीकार कर लिया गया जबकि हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दलहन पर सीमा शुल्क घटाने की अधिसूचना संबंधी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे। इन दोनों के अलावा कुछ अन्य विधायी कामकाज सदन के पटल पर रखे जा सके।

सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित किए जाने से पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चला। पांच बजे सदन की कार्यवाही आरंभ हुई तो पीठासीन अध्यक्ष सस्मित पात्रा ने नौचालन के लिए सामुद्रिक सहायता विधेयक पर चर्चा जारी रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी के सदस्य जुगलसिंह माथुरजी लोखंडवाला का नाम पुकारा। अभी उन्होंने बोलना आरंभ ही किया था कि राष्ट्रीय जनता दल के सदस्य मनोज झा ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि सभापति ने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में मंत्रियों को विपक्षी सदस्यों से संपर्क साधने को कहा था ताकि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके। उन्होंने कहा, ''लेकिन माफी के साथ कहना चाहूंगा कि ऐसा नहीं किया गया।'' (शेष पेज 9)

बीएसएफ के पूर्व डीजी व ईडी अफसर की भी हुई थी निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- द वायर की रिपोर्ट में कई बड़े नामों की जासूसी किए जाने का दावा

पेगासस स्पाइवेयर द्वारा कथित जासूसी की सूची में कुछ और प्रमुख लोगों के नामों का खुलासा हुआ है। इस सूची में तत्कालीन बीएसएफ प्रमुख केके शर्मा, प्रवर्तन निदेशालय के संयुक्त निदेशक राजेश्वर सिंह और उनके परिवार के सदस्य, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व मुख्य सलाहकार वीके जैन, सेना के दो कर्नल और एक रॉ अधिकारी और पीएमओ के एक अवर सचिव शामिल थे। द वायर पोर्टल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव और भाजपा नेता राकेश तिवारी भी इस निगरानी सूची में शामिल हैं। लीक हुए डाटाबेस से यह भी पता चलता है कि तत्कालीन बीएसएफ प्रमुख केके शर्मा के साथ बीएसएफ के पुलिस महानिरीक्षक जगदीश मैथानी भी उसी समय निगरानी में थे। 2जी घोटाला और एयरसेल-मैक्सिस जैसे कई अहम मामलों की जांच करने वाले ईडी अधिकारी राजेश्वर सिंह की तत्कालीन वित्त सचिव हसमुख अधिया से नोकझोंक हुई थी। (शेष पेज 9)

ममता ने किया जांच आयोग का गठन

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

पेगासस विवाद को लेकर केंद्र के साथ टकराव के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को नेताओं, अधिकारियों और पत्रकारों की जासूसी के आरोपों की जांच करने के लिए दो सदस्ईय जांच आयोग की घोषणा की। यह चौंकाने वाला घटनाक्रम तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने से कुछ समय पहले हुआ, जहां वह 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा विरोधी दलों का गठबंधन बनाने के तरीकों का पता लगाने के लिए विपक्षी नेताओं के साथ बातचीत करेंगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ज्योतिर्मय भट्टाचार्य और उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश मदन भीमराव लोकुर आयोग के दो सदस्य हैं। बनर्जी ने कहा, मंत्रिमंडल ने 1952 के जांच आयोग अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए व्यापक रूप से रिपोर्ट की गई अवैध हैकिंग, निगरानी, निगरानी में रखने, पश्चिम बंगाल में विभिन्न व्यक्तियों के मोबाइल फोन की ट्रैकिंग और रिकॉर्डिंग के मामले में जांच आयोग के गठन को आज मंजूरी दी। उन्होंने नई दिल्ली रवाना होने से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, वे इस बात की जांच करेंगे कि इस हैकिंग मामले में कौन शामिल हैं और वे इस अवैध गतिविधि को कैसे कर रहे हैं। (शेष पेज 9)

गंभीर के फाउंडेशन के खिलाफ कार्यवाहियों पर रोक से इंकार

पायनियरसमाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को भाजपा सांसद गौतम गंभीर की फाउंडेशन के खिलाफ कोविड-19 दवाओं की अवैध खरीद और वितरण से जुड़े एक मामले में कार्यवाहियों पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम. आर. शाह की पीठ ने कहा कि लोग दवाओं के लिए चक्कर लगा रहे थे और इस स्थिति में अचानक एक ट्रस्ट कहता है कि हम आपको दवाएं देंगे। पीठ ने याचिका पर विचार करने से इंकार करते हुए कहा, यह सही नहीं है। हम कुछ नहीं कहना चाहते हैं लेकिन हम भी चीजों पर नजर रखते हैं।

न्यायालय ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय से संपर्क करके उचित राहत का आग्रह करे। फाउंडेशन की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कैलाश वासदेव ने औषधि और प्रसाधन कानून के तहत इस मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने का आग्रह किया। पीठ का रुख देखते हुए गंभीर फाउंडेशन के वकील ने याचिका वापस ले ली। दिल्ली सरकार के दवा नियंत्रक ने इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि गौतम गंभीर फाउंडेशन को कोविड-19 रोगियों के लिए फैबीफ्लू दवा के अवैध रूप से भंडारण, खरीद और वितरण का दोषी पाया गया है।

अदालत ने भारी मात्रा में दवाओं की खरीद के तरीके नाखुशी जताई थी और कहा था कि उस खास वक्त में जिन लोगों को वास्तव में दवाओं की जरूरत थी उन्हें दवाएं नहीं मिल पाईं क्योंकि भारी मात्रा में दवाएं क्रिकेटर से नेता बने गंभीर ने हासिल कर लिए थे। अदालत को सूचित किया गया था कि आप विधायक प्रवीण कुमार को भी दवा एवं प्रसाधन कानून के तहत इस तरह के अपराध का दोषी पाया गया है और उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

बाजार

सेंसेक्स	52,852	↓	124	
निफ्टी	15,824	↓	32	
सोना	46,753	↑	169	/10g
चांदी	66,080	↑	396	/kg

क्विक न्यूज

एक अगस्त से दोबारा खुलेगा दिल्ली का चिड़ियाघर

नई दिल्ली। दिल्ली के चिड़ियाघर को तीन महीने बाद आगंतुकों के लिए एक अगस्त से फिर से खोल दिया जाएगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी मे कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान 15 अप्रैल को चिड़ियाघर को बंद कर दिया गया था। इससे पहले कोविड-19 महामारी की पहली लहर और बर्ड फ्लू के कारण चिड़ियाघर एक वर्ष से भी अधिक समय तक बंद रहा था। इस वर्ष एक अप्रैल को चिड़ियाघर को आगंतुकों के लिए दोबारा खोला गया था, लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण उसे दोबारा बंद कर दिया गया था। चिड़ियाघर के निदेशक रमेश पांडे ने कहा, हम एक अगस्त से राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (दिल्ली चिड़ियाघर) को दोबारा खोलने की योजना बना रहे है।

नई दिल्ली में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बलिदानियों को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि देते सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया, नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार

देश में बेरोजगारी की दर बढ़कर 7.14 फीसदी हुई

- एक सप्ताह में 1.16 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जयपुर में सोमवार को शहीद स्मारक पर रोजगार की मांग करते युवक

भारत में बेरोजगारी की दर 25 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह में 7.14 फीसदी हो गई है। जो 18 जुलाई को समाप्त हुए पिछले सप्ताह से 1.16 फीसदी अधिक है। देश के शहरी क्षेत्रों और भीतरी इलाकों में बेरोजगारी बढ़ी है। कोरोना की दूसरी लहर में 13.3 मिलियन (1.33 करोड़) नौकरियों का अतिरिक्त नुकसान हुआ। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले एक सप्ताह में राष्ट्रीय बेरोजगारी दर बढ़कर 7.14 फीसदी हो गई है। जो पिछले सप्ताह राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 5.98 फीसदी थी। जुलाई की शुरुआत से देश के शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 9 फीसदी से नीचे रही जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 8 फीसदी से कम रही।

हालांकि, भारतीय श्रमिक बाजार में बेरोजगारी दर 7 फीसदी से 8 फीसदी से अधिक है जो बाजार में नौकरी के संघर्ष को दर्शाता है। श्रम बाजार पर नज़र रखने वाले सीएमआईई ने दिखाया है कि शहरी बेरोजगारी ग्रामीण से 8.03 फीसदी अधिक है, जो पिछले सप्ताह 7.94 फीसदी थी। ग्रामीण बेरोजगारी दर 6.50 फीसदी है जो पिछले सप्ताह 5.1 फीसदी थी। शहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां काफी हद तक खुलने से बेरोजगारी की दर जुलाई की शुरुआत से 9 फीसदी से नीचे रही है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 8 फीसदी से कम रही है।

जून में मासिक बेरोजगारी दर राष्ट्रीय स्तर पर 9.17 फीसदी, शहरी भारत में 10.07 फीसदी और ग्रामीण भारत में 8.75 फीसदी थी। जुलाई में मानसून की प्रगति के साथ औपचारिक और अनौपचारिक दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों के खुलने से तुलनात्मक रूप से बेहतर स्थिति में योगदान दिया। हालाँकि, देश में महामारी की एक और लहर की चपेट में आने और महामारी के दौरान नौकरी बाजार में कई इकाइयों के बंद होने के बाद से रोजगार के अवसर कम हैं। भारत में कोविड की दूसरी लहर में 13.3 मिलियन (1.33 करोड़) नौकरियों का अतिरिक्त नुकसान हुआ। मार्च 2021 को समाप्त तिमाही में रोजगार 399.7 मिलियन से घटकर जून 2021 को समाप्त तिमाही में 386.4 मिलियन हो गया। इसलिए, पूर्व-कोविड मार्च 2020 तिमाही की तुलना में भारत आज बड़े पैमाने पर 19.6 मिलियन (1.96 करोड़) नौकरियों के नुकसान का सामना कर रहा है।

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में रोड़ा अटकाने वाले किसानों को नोटिस

जवाब नहीं मिलने पर बुधवार को कार्रवाई करेगा प्रशासन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना में रोड़ा अटका रहे 10 किसानों को गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन ने अंतिम नोटिस व चेतावनी दी है। प्रशासन की तरफ से रविवार को आखिरी नोटिस जारी हुआ। प्रशासन अगले 3 दिन इस पर जवाब का इंतजार करेगा। अगर फ्रेट कॉरिडोर में बाधा बन रहे 10 किसानों ने बुधवार तक मुआवजे की प्रक्रिया पूरी नहीं की, तो जिला प्रशासन उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। दादरी के एसडीएम आलोक कुमार ने इस बारे में जानकारी दी।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पूर्वी डेडीकेटिड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना का कार्य तेजी से संचालित हो रहा है। परियोजना से संबंधित जिन ग्रामीणों को विस्थापित किया जा रहा है, उन्हें जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के माध्यम से पूरा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

परियोजना पर चल रहा काम (फाइल फोटो)

इसी क्रम में उप जिलाधिकारी दादरी आलोक कुमार गुप्ता व एसीपी नितिन कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। पूर्वी डेडीकेटड फ्रन्ट कॉरिडोर पंजाब के लुधियाना शहर से प्रारंभ होकर पूर्वी भारत के सूदूर राज्य पश्चिम बंगाल के दानकुनी शहर को जोड़ता है। इसकी लम्बाई लगभग 1856 किमी है। इस परियोजना का निर्माण कार्य विश्व बैंक के सहयोग से किया जा रहा है। इस खुर्जा-दादरी खण्ड का निर्माण कार्य लगभग 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। शेष 5 प्रतिशत कार्य किसानों द्वारा भूमि उपलब्ध नहीं कराये जाने के कारण पूरा नहीं हो पा रहा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ब्लॉक प्रमुखों का हुआ भव्य स्वागत

नोएडा। सोमवार को नोएडा के सर्फाबाद गांव में बदायूं जिला पंचायत अध्यक्ष पति जितेन्द्र यादव, सहसवान ब्लॉक प्रमुख पति विक्रांत यादव, इस्माइलपुर ब्लॉक प्रमुख गजेंद्र यादव एवं सिम्भावली ब्लॉक प्रमुख पति अंकित यादव का विक्रम यादव के निवास पर भव्य स्वागत किया गया।

इस दौरान जितेंद्र यादव ने कहा कि सर्फाबाद गांव के तीन प्रमुख और एक जिला पंचायत अध्यक्ष बने हैं, जिनसे सर्फाबाद गांव और आसपास के क्षेत्र का भी नाम रोशन हुआ है। हम सभी लोग अपने कार्यक्षेत्र में मन और लगन से कार्य करेंगे। स्वागत करने वालों में मुख्य तौर पर सूखा यादव, जगदीश यादव, अमरपाल पहलवान, सुखवीर पहलवान, जंटर यादव, पप्पू यादव, बब्बू यादव, देवेन्द्र यादव, जितेंद्र यादव, सुरेंद्र यदाव, धर्मपाल पहलवान, जगन सिंह, सहित गांव के सेंकडो लोग मौजूद रहे।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारियां तेज

विधायक धीरेंद्र सिंह, पुलिस आयुक्त और यमुना अथॉरिटी के सीईओ ने किया दौरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर में प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहां शिलान्यास करेंगे, वह स्थल निर्धारित कर लिया गया है। इसके लिए सोमवार दोपहर जेवर से भाजपा विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह, गौतमबुद्धनगर के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह और यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुणवीर सिंह ने दौरा किया है। इसी सप्ताह राज्य सरकार के अधिकारी और मेरठ के मंडलायुक्त भी शिलान्यास स्थल का दौरा करने आ रहे हैं। उम्मीद है कि अगस्त में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण शुरू हो जाएगा।

विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि रनहेरा गांव के पास पुलिस चौकी है वहां बड़ा मैदान उपलब्ध है, जिसमें जनसभा का आयोजन किया जा सकता है। पार्किंग की अच्छी व्यवस्था हो सकती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर भी यहां बेहद आसानी से लैंड कर सकते हैं। हेलीकॉप्टर यहां से उड़ान भर सकते हैं। यहीं शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह और यमुना अथॉरिटी के सीईओ अरुणवीर सिंह ने भी स्थल का दौरा कर लिया है।

जल्दी ही मेरठ के मंडलायुक्त सुरेंद्र सिंह और लखनऊ से मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी इस जगह का दौरा करेंगे। उम्मीद है कि अगले एक सप्ताह में शिलान्यास की तारीख निर्धारित कर दी जाएगी।

आपको बता दें कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण शुरू करने के लिए सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। अब केवल प्रधानमंत्री का कार्यक्रम मिलने की देरी है। एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहीत की गई जमीन से गांव का विस्थापन किया जा चुका है। जमीन की रजिस्ट्री कंपनी के नाम की जा चुकी है। यमुना अथॉरिटी ने कंपनी को कब्जा भी दे दिया है। इन गांवों से विस्थापित किए गए किसानों के लिए जेवर के पास टाउनशिप बसाई जा रही है।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शिलान्यास स्थल का स्थलीय निरीक्षण करते विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह, पुलिस कमिश्नर और प्राधिकरण सीईओ अरुणवीर सिंह।

मिली जानकारी के मुताबिक अगस्त के तीसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम मिल जाएगा। मतलब, अगस्त के तीसरे सप्ताह में ही जेवर एयरपोर्ट का शिलान्यास होगा। कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर कम होने के बाद अब नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारी तेज हो गई है।

जल विभाग को लगातार तीसरे साल अधिक मिला राजस्व

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● **प्राधिकरण सीईओ ने जताई खुशी**

नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु महेश्वरी की अगुवाई में अथॉरिटी हर क्षेत्र में लक्ष्य से ज्यादा राजस्व हासिल करने में सफल रही है।

कोरोना वायरस संक्रमण के काल में भी बेहतरीन सेवाएं देकर प्राधिकरण के जल विभाग ने निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा राजस्व हासिल किया है। लगातार पिछले तीन वित्तीय वर्ष में प्राधिकरण को ज्यादा रकम मिली है। सीईओ ने कहा कि प्राधिकरण इसी तरह शहर के लोगों की सेवा करता रहेगा।

सीईओ ने कहा, नोएडा प्राधिकरण ने त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराते हुए राजस्व प्राप्ति में भी उपलब्धि हासिल की है। कोरोना काल के दौरान भी विभाग ने निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराईं। ये विभाग की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि पिछले 3 वित्तीय वर्षों से तय लक्ष्य से ज्यादा राजस्व की प्राप्ति हुई।

दस साल बाद पकड़ा गया पत्नी का हत्यारा

गिरफ्तारी के लिए 50 हजार रुपए का इनाम किया था घोषित

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **उड़ीसा में भेष बदलकर रह रहा था**

पत्नी की हत्या के आरोप में पिछले एक दशक से फरार चल रहे मनोज नामक युवक को पुलिस ने उड़ीसा से गिरफ्तार कर लिया है। मनोज उड़ीसा के एक मंदिर में भेष बदलकर पुजारी के रूप में रह रहा था। पड़ताल के बाद पुलिस सुरागाशी करते हुए उड़ीसा पहुंच गई और वहां स्थानीय पुलिस की मदद से इस शातिर को दबोच लिया।

सोमवार सुबह मनोज को पुलिस सुरक्षा के बीच गाजियाबाद लाया गया। आपको बता दें कि 29 सितंबर 2012 को इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित वसुंधरा कॉलोनी में रहने वाली गीता नामक युवती की मनोज ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इन दोनों ने 2007 में प्रेम विवाह किया था। हत्या के बाद मनोज फरार हो गया था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए कुर्की आदि की भी कार्यवाही की थी, लेकिन उसका कुछ नहीं पता चला। उसके बाद पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 50 हजार का इनाम भी घोषित किया हुआ था।

मनोज ने पुलिस हिरासत में पत्रकारों को बताया कि 2007 में उसने गीता नामक युवती से विवाह किया था। 2010 से गीता और उसके बीच मनमुटाव हो गया था जिसके चलते वह अलग रहने लगी थी और घरों में काम करके अपना जीवन निर्वाह कर रही थी। यह सब उसे पसंद नहीं आया और उसने उसे मौत के घाट उतारने का फैसला किया।

नगर पुलिस अधीक्षक द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मनोज को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश कर दिया है। जहां उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम को पुलिस उपमहानिरीक्षक अमित पाठक ने 5000 का इनाम देने की घोषणा की है।

प्रेसवार्ता में आरोपी के बारे में जानकारी देते नगर पुलिस अधीक्षक द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह।

एक साथ 5 चिताएं जलती देख आंखे हुई नम

नोएडा। रामपुर जिले में सड़क हादसे का शिकार हुए आछेपुर गांव निवासी 5 लोगों के शव पोस्टमार्टम के बाद रविवार सुबह गांव पहुंचे। जहां परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम संस्कार के मौके पर गांव के श्मशान में एक साथ पांच लोगों की चिताएं जलती देख हर किसी की आंखे नम हो गईं।

उधर मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के आछेपुर गांव निवासी धीरज की बहराइच निवासी रिंकी से दो दिन पहले ही शादी हुई थी और वह अपने परिवार वालों के साथ दुल्हन को विदा कराकर गांव लौट रहा था। इसी दौरान उनकी इको कार रामपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

संक्षिप्त समाचार

ला रेसिडेंसीया सोसाइटी में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को लोगों के साथ सुनते राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर।

सांसद ने लोगों के साथ सुनी पीएम की मन की बात

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित बिसरख मंडल के बूथ संख्या-20 की ला रेसिडेंसीया सोसाइटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर उपस्थिति हुए। इस दौरान सांसद नागर ने मंडल अध्यक्ष रवि भदौरिया, जिला महामंत्री मनोज गर्ग, मंडल उपाध्यक्ष दिनेश बेनीवाल, देवराज नागर व अन्य पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना है। मीडिया प्रभारी आशीष दुबे ने बताया कि इस कार्यक्रम के बाद सांसद ने लोगों को स्थानीय मुद्दों के अलावा प्रदेश स्तर पर भाजपा सरकार द्वारा किए विकास कार्यों पर भी चर्चा की। इसके बाद वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष सचिन शर्मा, मंडल मंत्री अश्वनी पटेल, कपिल भाटी, आनंद कुमार, उपेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए भाजपा कार्यकर्ता।

शालीमार गार्डन में ईद मिलन समारोह आयोजित

गाजियाबाद। राज्य अल्पसंख्यक आयोग उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अशफाक सैफी ने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है और अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा का पूरा ध्यान रख रही है। यह बात उन्होंने शालीमार गार्डन में आयोजित ईद मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल अल्पसंख्यक समुदाय को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें अल्पसंख्यक समुदाय का समर्थन मिल सके। सैफी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का सपना है कि मुस्लिम समाज के एक हाथ में कंप्यूटर और दूसरे हाथ में कुरान होनी चाहिए। यही सपना योगी सरकार साकार करना चाहती है। इस अवसर पर अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य सरदार एसपी सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, अमर चौधरी, अली हसन अल्वी, फुलवार सैफी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

ग्रैंड अजनारा हेरिटेज चुनाव में विवेक सिंह बने अध्यक्ष

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 74 स्थित ग्रैंड अजनारा हेरिटेज सोसाइटी में हुए रेजीडेट वेलफेयर चुनाव में विवेक नारायण सिंह अध्यक्ष के रूप में विजयी हुए। अन्य दूसरे पदों पर एससी सक्सेना उपाध्यक्ष, राजेश हांडू महासचिव, राजेश दास ट्रेजरार के पद पर जीत हासिल की। इसके अलावा एक्जक्यूटिव सदस्य के तौर पर एके सामन्ता, एसपी शर्मा, दुर्गेश्वर कुमार, आशीष भट्टाचार्य, रूपा कुमारी शर्मा विजयी रहीं।

महानगर में बम-बम भोले के उद्घोष से गूंज उठे शिवालय

प्रसिद्ध दुधेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए रात 12 बजे से लगी भक्तों की कतार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर भारत के प्रमुख सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर पर सावन के पहले सोमवार को बड़ी संख्या में लोगों ने जलाभिषेक किया और देश में सुख-शांति की कामना की। प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करते हुए शिव भक्तों ने भगवान शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।

भक्तों की सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, वहीं गाजियाबाद के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मंदिर का निरीक्षण करते रहे।

दूधेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए मंदिर के बाहर कतार में खड़े श्रद्धालू।

दूधेश्वर नाथ मंदिर के महंत नारायण गिरी ने बताया कि भक्तों की आस्था कोरोना वायरस पर भारी पड़ रही है। वहीं कोरोना की गाइडलाइन का पालन करते हुए मंदिर में आने से पहले मास्क लगाना अनिवार्य है। भक्तों को सैनिटाइज करने के लिए सैनिटाइजर टनल बनाया गया है। उन्होंने बताया कि बीती रात 12:00 बजे से ही जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थी। इसके अलावा जिले के मोदीनगर, मुरादनगर, लोनी आदि इलाकों में भी शिवालयों पर बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। शिवालयों पर जगह-जगह बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात थी ताकि किसी भी प्रकार की कोई बदअमनी न हो।

हालांकि इस बार कावड़ यात्रा पर प्रतिबंध के कारण शिवालयों पर ज्यादा भीड़ नहीं थी ,लेकिन स्थानीय स्तर पर शिवभक्त अपने घरों से गंगाजल लाकर शिवालयों पर जलाभिषेक कर रहे हैं।

सुंदर भाटी गिरोह के 2 सदस्यों की 1.90 करोड़ की संपत्ति कुर्क

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना बीटा-2 और थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी गैंग के सदस्यों नवीन भाटी और उसके भाई प्रवीण भाटी की करीब 1.90 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है।

अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) विशाल पांडे ने बताया कि विशेष न्यायालय पुलिस आयुक्त के आदेशानुसार धारा 14(1) गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियुक्त नवीन कुमार भाटी और प्रवीण कुमार भाटी की संपत्ति कुर्क की गई। पुलिस ने दोनों भाइयों के ग्रेटर नोएडा की गोल्फ गार्डेनिया सोसायटी में स्थित दो फ्लैटों (फ्लैट संख्या ए- 602 और ए-502) को कुर्क किया है। दोनों फ्लैटों की कीमत करीब एक करोड़ 90 लाख रुपए है।

पुलिस के अनुसार नवीन कुमार भाटी और प्रवीण कुमार भाटी दोनों भाई सिंहराज भाटी के भतीजे एवं सुन्दर भाटी गैंग के सक्रिय सदस्य है। एडीसीपी ने बताया कि दोनों भाइयों के द्वारा यह संपत्ति अपराध के रास्ते अवैध धन अर्जित करके खरीदी गई थी।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

नोएडा। युवा क्रान्ति सेना के सदस्यों द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सेक्टर 37 स्थित शहीद स्मारक पर कोरोना से बचाव के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों की याद में दो मिनट का मौन रखकर और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष रोहित यादव ने कहा की करगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद नायकों के सम्मान में मनाया जाता है, जो मातृ भूमि की सेवा करते हुए शहीद हो गए थे। वहीं अविनाश सिंह ने कहा की हमारी भारतीय सेना के जवानों की बहादुरी हमें हर दिन प्रेरणा देती है।

फाइनेंसर की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मुख्यालय से लगभग 14 किलोमीटर दूर मुरादनगर इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच में हुई मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगी है जबकि उसके दो अन्य साथी भागने में कामयाब हो गए। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

खास बात यह है कि 13 जुलाई की रात्रि में बदमाश अंकित और उसके साथियों ने ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के कर्मचारी ऋषि पाल को घर में घुसकर उसे गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था, जबकि इस हादसे में सुमित

नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका अभी भी इलाज चल रहा है। ऋषि पाल नौकरी करने के अलावा फाइनेंस का भी काम करता था। पुलिस अधीक्षक देहात ईरज राजा ने बताया कि सोमवार को पुलिस दिल्ली मेरठ रोड पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो लोगों को पुलिस ने रोकने का इशारा किया, लेकिन पुलिस को देखकर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान अंकित नामक एक बदमाश को गोली लगी जबकि उसके अन्य 2 साथी मोनू व गुड्डू भागने में कामयाब हो गए। एसपी ने बताया कि अंकित की निशानदेही पर पुलिस ने एक पिस्टल और 12 गोलियां बरामद की हैं। इसके अलावा मोदीनगर से लूटी गई एक बाइक भी बरामद हुई है।

गिरी मार्केट में लगी आग के दौरान बिल्डिंग से उठती लपटें।

लोनी की गिरी मार्केट में लगी आग, लाखों का सामान राख

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **हादसे के दौरान बाजार में अफरातफरी**

लोनी थाना क्षेत्र के गिरी मार्केट में सोमवार दोपहर अचानक आग लग गई। आग लगने से पूरी मार्किट में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया जिसमें आग ने मार्किट के एक कपड़े के शोरूम को लपेटे में ले लिया। हालांकि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग में कई लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है

जिला अग्निशमन अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि दोपहर को लोनी के मेन मार्केट में गिरी मार्केट के एक व्यवसायिक कांपलेक्स स्थित कपड़े के शोरूम में अचानक आग लग गई। शुरू में लोगों ने खुद ही आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। तब लोगों ने फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी। इस दौरान पूरी मार्केट में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

सूचना के तत्काल बाद मौके पर तीन गाड़ियां अग्निशमन विभाग ने भेजी और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारी ने बताया कि इस दौरान पूरी मार्केट में धुआं ही धुआं हो गया था और लाखों रुपए का माल जलकर राख हो गया है ।

मां ने डांटा तो नाराज होकर घर से चला गया छात्र

तीन राज्यों की पुलिस ने मिलकर ऋषिकेश से किया बरामद, परिजनों को सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली सूरजपुर क्षेत्र की मुंशी कॉलोनी निवासी अमन सारस्वत 18 जुलाई को घर से बिना बताए कहीं चला गया था। अमन 12वीं का छात्र है। परिजन की शिकायत पर पुलिस ने लापता छात्र को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस ने बताया कि मां की डांट से नाराज होकर बेटा घर से बिना बताए उत्तराखण्ड चला गया था। कोतवाली सूरजपुर क्षेत्र की मुंशी कॉलोनी में रहने वाले व्यापारी योगेश सारस्वत ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 18 जुलाई को सुबह करीब 11:30 बजे उनका बेटा

अमन सारस्वत 16 वर्ष घर से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। बेटे को खोजने के दौरान उन्हें पता चला कि उनका बेटा घर से ब्रीजा कार और 2 लाख रुपये नकद लेकर गया है। पीड़ित पिता की शिकायत पर सूरजपुर पुलिस ने छात्र की तलाश शुरू की तो उसे अमन का मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिला जिस पर पुलिस ने सर्विलांस की मदद से उसे खोजने का प्रयास शुरू किया। इस दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि अमन के एक अन्य मोबाइल की लोकेशन उत्तराखंड के ऋषिकेश में मिली है। इस पर पुलिस ने उत्तराखंड पुलिस और हिमाचल पुलिस को जानाकरी देकर अलर्ट कर दिया। इस पर उत्तराखण्ड और हिमाचल के साथ ही यूपी पुलिस अमन को खोजने में लग गई। 24 जुलाई की रात तीन राज्यों की पुलिस ने मिलकर छात्र को उत्तराखण्ड के ऋषिकेश से सकुशल बरामद कर लिया।

पूछताछ में छात्र ने बताया कि मां की डांट से क्षुब्ध होकर वह से चला गया था और उत्तराखंड में इधर उधर घूम रहा था। फिलहाल बेटे के मिल जाने पर योगेश सारस्वत और उनकी पत्नी ने उत्तराखण्ड और हिमाचल के साथ ही सूरजपुर पुलिस को धन्यवाद दिया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 27 जुलाई 2021

किसान संसद में दिखा आधी आबादी का दम

जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन, मॉडल गुल पनाग भी समर्थन में पहुंची

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जंतर मंतर पर किसान संसद में आधी आबादी ने दिखाया अपना दम। उन्होंने यह दिखा दिया कि वो अपने घर के साथ देश की संसद भी चला सकती हैं। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन को और धार देने के लिए किसान संसद को पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व दूसरे प्रदेशों से आईं करीब 200 महिलाओं ने संचालित किया।

इस अवसर पर महिला किसानों ने नारेबाजी कर कृषि कानूनों को रद्द किये जाने की मांग की। इस बीच किसानों के हक के लिए लंबे समय से लड़ाई लड़ने वाली फिल्म अभिनेत्री व सामाजिक कार्यकर्ता गुल पनाग भी किसानों के बीच पहुंचीं। उन्होंने कहा कि जो तीन कृषि कानून सरकार ने लागू किए हैं। वह गलत ढंग से लागू किए गए हैं।

जंतर-मंतर पर आयोजित किसान संसद में पंजाब, हरियाणा और देश के अन्य प्रदेशों से जुटी महिलाएं। फोटो : रंजन डिमरी

किसान संसद में सोमवार को आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम पर ध्यान केंद्रित किया गया । किसानों ने एक ऐसा कानून बनाने की मांग की जो न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देता हो । महिलाओं के किसान संसद का संचालन राजनेता एवं वक्ता सुभाषिनी अली ने की। इसकी शुरूआत राष्ट्रगान से की गई। इसके बाद पिछले आठ महीने से जारी आंदोलन में मृत किसानों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। अली ने कहा कि आज के संसद में महिलाओं की शक्ति दिखेगी।

ट्रैक्टर चलाकर संसद गेट तक पहुंचे राहुल गांधी

● कई नेता लिए गए हिरासत में, वाहन जब्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में सोमवार को ट्रैक्टर चलाकर संसद भवन परिसर के गेट तक पहुंचे जिसके बाद पुलिस ने पार्टी के कुछ नेताओं को हिरासत में ले लिया।

राहुल गांधी जो ट्रैक्टर चला रहे थे उस पर उनके साथ राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा, प्रताप सिंह बाजवा और पार्टी के कुछ अन्य सांसद बैठे थे। इस ट्रैक्टर के आगे एक बैनर भी लगा था जिस पर ''किसान विरोधी तीनों काले कृषि कानून वापस लो - वापस लो'' लिखा हुआ था।

तीनों कृषि कानून वापस लिए जाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के प्रति समर्थन जताने वाले राहुल गांधी ने कहा कि दो-तीन बड़े उद्योगपतियों के लिए ये कानून लाए गए हैं। यह बात पूरा देश जानता है। इन कानूनों को वापस लेना पड़ेगा।

संसद भवन के गेट पर ट्रैक्टर लेकर पहुंचे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी।

कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी के साथ मौजूद पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला, पार्टी के राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा, भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी. वी. और कई अन्य नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। राहुल गांधी ऐसे समय पर कृषि कानूनों के विरोध में ट्रैक्टर चलाकर संसद भवन परिसर के नजदीक पहुंचे, जब किसान जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

संक्रमण के 39 नये मामले सामने आए, एक की मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार कम हो रहे हैं। सोमवार को 39 नये मामले सामने आये। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गयी। संक्रमण दर भी घटर 0.07 फीसदी पर आ गई है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नये मामले सामने आने के साथ ही शहर में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 14,35,949 हो गयी है जिनमें से 14.10 लाख से अधिक मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। इस बीच अब तक महामारी के कारण 25,044 लोगों की मौत हो चुकी है। गत रविवार को संक्रमण के 66 नये मामले सामने आये थे और संक्रमण दर 0.09 प्रतिशत थी। रविवार को दो लोगों की संक्रमण के कारण मौत हुयी थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 537 मरीजों का इलाज चल रहा है। जिनमें से 162 घर में पृथक-वास में हैं। कंटेनमेंट जोन की संख्या 305 है।

दिल्ली महिला आयोग की रिपोर्ट

कोरोना की दूसरी लहर में 791 औरतें हुईं विधवा

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और सामाजिक कल्याण विभाग को रिपोर्ट भेजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डीसीडब्ल्यू ने कोविड-19 महामारी के कारण विधवा हो चुकी 791 महिलाओं की पहचान की है और उनके पुनर्वास के लिए दिल्ली सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी है।

आयोग ने पुनर्वास प्रक्रिया में सरकार की मदद करने के लिए इन सभी महिलाओं का सामाजिक सर्वेक्षण भी किया है। डीसीडब्ल्यू द्वारा अपने महिला पंचायत नेटवर्क के जरिए जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण किया गया। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री कोविड-19 परिवार आर्थिक सहायता योजना शुरू की है, जिसके तहत उन लोगों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी, जिन्होंने कोरोना वायरस के कारण परिवार के किसी सदस्य को खो दिया। अगर व्यक्ति परिवार का अकेला कमाने वाला था तो इस योजना के तहत प्रति माह 2,500 रुपये अतिरिक्त पेंशन का भी प्रावधान किया गया है।

डीसीडब्ल्यू द्वारा किए गए सामाजिक सर्वेक्षण से चिन्हित महिलाओं की इस योजना तक पहुंच बढ़ेगी। आयोग अब भी महिलाओं की पहचान कर रहा है, जो कोविड-19 महामारी के दौरान विधवा हो गई थीं और सरकार को अतिरिक्त सूची सौंपेगी। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक 774 (791 महिलाओं में से 97.85 फीसदी) को कम से कम एक बच्चा है जबकि 360 महिलाओं के तीन से पांच बच्चे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 791 महिलाओं में से 721 गृहिणियां हैं, जबकि बाकी घरेलू कामगार, मजदूर, छोटे व्यवसाय की मालिक और निजी और सरकारी कर्मचारियों के रूप में काम करती हैं। डीसीडब्ल्यू प्रमुख ने कहा, हमने अपनी महिला पंचायत टीम को घर-घर जाकर उन महिलाओं की पहचान करने के लिए कहा, जो विधवा हो गईं।

डीयू में पीजी कोर्स के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने सोमवार को स्नातकोत्तर कोर्स में 20 हजार सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरु हो गई है। पंद्रह मिनट के अंदर 4500 से अधिक अभ्यर्थियों ने इसके नामांकन वेबसाइट को देखा। एमफिल और पीएचडी के लिए पंजीकरण प्रक्रिया की शुरुआत सोमवार को हुई। पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 21 अगस्त है।

नामांकन समिति के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा 15 मिनट के अंदर नामांकन पोर्टल को 4500 से अधिक लोगों ने देखा। कुछ मिनट के अंदर 500 से अधिक सवाल पूछे गए। स्नातक कोर्सों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया भी शुरू हुई।

सौ फीसदी क्षमता से दौड़ी मेट्रो, स्टेशनों पर दिखी लंबी कतारें

भीड़ के कारण लोगों को ट्रेन पकड़ने में हुई देरी

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर लगातार थम रही है। इसे देखते हुए मेट्रो के सभी रूट पर ट्रेनें सुबह से सौ फीसद बैठने की क्षमता के साथ रफ्तार भरना शुरू कर दी है। लेकिन यात्रियों के खड़े होकर यात्रा करने पर अब भी पाबंदी जारी हैं।

बावजूद इसके ट्रेनों में काफी लोग खड़े दिखे। यानी अब सभी सीटों पर लोग बैठकर यात्रा कर सकते हैं। इससे कुछ हद तक लोगों को राहत जरूर मिली है, लेकिन यात्रियों की समस्या अब भी पहले की तरह ही बरकरार है। उन्हें मेट्रो स्टेशनों के बाहर काफी देर तक प्रवेश के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। इसके चलते लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में विलंब हुआ। सोमवार सुबह इसका नजारा भी देखने को मिला। इस बीच राहत की बात यह है कि मेट्रो में एंट्री के लिए अलग-अलग स्टेशनों पर कुल 16 गेट और दिए हैं।

हाथ को आया, पर मुंह ना लगा कहावत कई बार सुनी होगी। कुछ ऐसी ही स्थिति इस वक्त दिल्ली मेट्रो में सफर करने वाले मुसाफिरों के साथ देखने को मिल रही है। सोशल मीडिया समेत अन्य माध्यमों के जरिए

राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के बाहर कतार में खड़े यात्री। फोटो : रंजन डिमरी

लोगों ने मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों की क्षमता बढ़ाने की मांग, एंट्री के लिए वेटिंग खत्म करने की मांग। पिछले कई महीनों से चल रही थी। डीडीएमए और डीएमआरसी की तरफ से यात्रियों की यह मांग अब मान तो ली गई, लेकिन स्थिति जस की तस ही नजर आई। दरअसल, डीडीएमए और डीएमआरसी ने गत शनिवार को ऐलान किया था कि मेट्रो ट्रेनें 100 प्रतिशत क्षमता के साथ चलेगी। ऐसे में मेट्रो में रोजाना सफर करने वाले पैसेंजर्स में खुशी थी क्योंकि उन्हें लग रहा था कि अब एंट्री के लिए घंटों लाइन में इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

हंसराज कॉलेज के स्थापना दिवस एवं कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल।

कारगिल विजय व कॉलेज स्थापना दिवस पर पौधरोपण

नई दिल्ली। हंसराज कॉलेज के स्थापना दिवस एवं कारगिल विजय दिवस के अवसर पर अग्रवंश संस्था द्वारा कॉलेज परिसर में 100 से अधिक पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष एवं हंसराज महाविद्यालय के पूर्व छात्र रामनिवास गोयल ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हम सभी को पौधे लगाने चाहिए। इस अवसर पर अग्रवंश संस्था की अध्यक्ष अनीता मुकीम, विधायक अखिलेश त्रिपाठी, विधायक राजेश गुप्ता, महेंद्र गोयल, प्राचार्य प्रो. रमा और अग्रवंश के पदाधिकारी व कॉलेज के शिक्षक मौजूद थे।

न्यू महाराष्ट्र सदन में आग की सूचना के बाद पहुंची दमकल की गाड़ियां।

न्यू महाराष्ट्र सदन में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में केजी मार्ग स्थित न्यू महाराष्ट्र सदन में सोमवार सुबह आग लग गई। दिल्ली दमकल सेवा के अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की अभी कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें सुबह नौ बजकर चार मिनट पर आग लगने की जानकारी देने के लिए फोन आया, जिसके बाद दमकल विभाग की चार गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गई। सुबह करीब सवा नौ बजे ही आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि 'एयर कंडीशनिंग सिस्टम' में शॉट-सर्किट की वजह से आग लगने का संदेह है। न्यू महाराष्ट्र सदन के एक अधिकारी ने बताया कि पहली मंजिल पर गवर्नर सुइट में आग लगी थी और उस पर 15 मिनट में काबू पा लिया गया।

कैट ने एमेजॉन, फ्लिपकार्ट की जांच की मांग की

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सोमवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उपभोक्ता मामलो के मंत्री पीयूष गोयल को भेजे एक पत्र में कहा है की देश के ई कॉमर्स व्यापार में व्यापत विसंगतियों को दूर करने हेतु ई कॉमर्स नियमों को तुरंत जारी किया जाए। कैट ने गोयल से यह भी आग्रह किया है की कर्नाटक हाईकोर्ट द्वारा हाल ही में अमेज़न एवं फ्लिपकार्ट द्वारा दायर याचिका जिसमें सीसीआई द्वारा जांच पर रोक लगाने की मांग की गई थी , उसको खारिज कर दिया है ऐसे में गोयल सीसीआई को कांच तुरंत शुरू करने का निर्देश दें। कैट ने कहा कि अब जब कि ई- कॉमर्स नियमों के मसौदे पर हितधारकों से सभी सुझाव प्राप्त हो गए हैं इसलिए अब बिना किसी और विलम्ब के केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को उक्त सुझावों पर विचार कर तुरंत ई-कॉमर्स नियमों को अधिसूचित करना चाहिए ताकि भारत में ई-कॉमर्स व्यवसाय को सही तरीके से चलाया जा सके जिससे न केवल छोटे व्यापारी बल्कि देश के आम उपभोक्ता भी उसका पूर्ण लाभ उठा सकें।

मंदिर से कलश चोरी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी में एक मंदिर से पीतल के नौ कलश चोरी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मंदिर के शिखर पर लगे कलश चोरी होने की सूचना पुलिस को शनिवार को मिली। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में सागर और साहिल नामक दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों की उम्र 23 वर्ष बताई जा रही है और दोनों सुल्तानपुरी में ही रहते हैं।

पुलिस ने बताया कि दोनों को शराब की लत है और शराब खरीदने

के लिए ही दोनों ने चोरी की। दोनों आरोपियों के खिलाफ राज पार्क पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 379 (चोरी) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त परविंदर सिंह ने कहा कि आरोपियों को रविवार को शनि बाजार रोड से उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे कलश बेचने जा रहे थे।

मवेशी चोरी वाले पांच को दबोचा

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका इलाके में सोमवार सुबह मुठभेड़ के बाद राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से मवेशी चोरी करने में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार रोके जाने पर आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग की। यह जानकारी पुलिस ने दी।

आरोपियों की पहचान मेरठ के रहने वाले एजाज, इरशाद, इस्माईल, सजत और नबिया के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 12 जनवरी को पुलिस को मुख्य नजफगढ़ छावला रोड से भैंस चोरी की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि अज्ञात लोगों ने देखभाल करने वाले को रस्सी से बांधकर चार भैंसें चुरा ली हैं।

आप सरकार की अपील, श्रमिक कराएं पंजीकरण

दिल्ली बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड में होगा रजिस्ट्रेशन

● सरकार ने अब तक 47996 निर्माण श्रमिकों को दिए पांच-पांच हजार सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार ने निर्माण श्रमिकों से खुद को दिल्ली बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड में पंजीकरण कराने की अपील की है ताकि वे दिल्ली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसके लिए उन्हें बोर्ड में रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है। राज्य सरकार ने अब तक 47996 निर्माण श्रमिकों को 5-5 हजार रुपये कोरोना राहत राशि के तहत दे चुकी है।

उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण पहला लॉकडाउन लगाया गया था उस दौरान उनकी सरकार मार्च 2020 में बोर्ड के साथ पंजीकृत सभी 39600 श्रमिकों को राहत संवितरण देने वाली देश की पहली सरकारों में से एक थी। श्रम विभाग द्वारा नवंबर 2020 में श्रम कार्यालयों में निरीक्षण और सामूहिक पंजीकरण अभियान चलाए गए हैं। इन निरीक्षणों और पंजीकरण अभियानों के आधार पर श्रम विभाग में कई सुधार किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप, 8 महीने के भीतर निर्माण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की संख्या बढ़कर लगभग 3 लाख हो गई है।

इसके अलावा निर्माण श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में भी सुधार किया गया है। अब रजिस्ट्रेशन और वेरिफिकेशन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। पहले श्रमिकों को अपना आवेदन जमा करने के लिए घंटों लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था।

पीएम मोदी से मिले हरियाणा के राज्यपाल

राज्य में संचालित विकास व कल्याणकारी योजना पर की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सोमवार को नई दिल्ली में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात कर हरियाणा में संचालित विकासकारी एवं जनकल्याण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। हरियाणा के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने के बाद राज्यपाल दत्तोत्रय की प्रधानमंत्री जी से पहली मुलाकात थी।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कृषि विकास और किसान कल्याण से सम्बन्धित योजनाएं हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाई जानी चाहिए। ताकि देश के किसान आर्थिक रूप से और ज्यादा सुदृढ़ हो। किसानों को जैविक खेती की ओर आकर्षित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से प्रोत्साहित कर किसानों में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा लोगों को 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' में शामिल करना चाहिए। इस योजना में कोरोना मरीज भी शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत मरीज का 5 लाख तक का मुफ्त ईलाज किया जा रहा है। यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रान्तिकारी कदम है।

मोदी ने कहा कि देश में 'ई-स्वरोजगार पोर्टल' और 'प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना' की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि देश में 'अंत्योदय अन्न योजना' शुरू की गई है। इस योजना से देश में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले व्यक्ति को कम पैसे में पूरे महीने का राशन उपलब्ध करवाया जाएगा। अब इस योजना के अन्तर्गत विकलांग व्यक्तियों को भी लाभार्थी बनाया गया है।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करते हुए हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

आयु खत्म कर चुकी डीटीसी में सफर जोखिम भरा : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार ने आज आम आदमी की ज़िंदगी को ही दांव पर लगा दिया है। राज्य परिवहन प्राधिकरण ने डीटीसी की उन सभी बसों को भी अगले तीन साल तक चलने की इजाजत दे दी है जिन्हें उनकी तकनीकी उम्र पूरी हो जाने के कारण हटा लिया जाना चाहिए था। यह आरोप दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने लगाया है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम के पास कुल 3760 बसे हैं जिनमें से 99 प्रतिशत बसें इतनी पुरानी हो चुकी है कि उन्हें सेवा से बाहर हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि केजरीवाल अब आम जनता को उन बसों में सफर करने को मजबूर कर रहे हैं जो न केवल अपनी सड़क पर चलने की मियाद पूरी कर चुकी है बल्कि अगर कोई हादसा हो जाता है तो गैर कानूनी तौर पर चलने से बीमा कम्पनी भी यात्री की राहत राशि देने से इंकार कर सकती है।

इस तरह लाखों लोगों को उम्रदराज बसों में चढ़ने को मजबूर कर केजरीवाल किसका भला करने में लगे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल को आम जनता की नहीं बसों की खरीद और उनके रखरखाव से मिलने वाली कटमनी की ज्यादा फिक्र है।

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में की प्रार्थना

कोरोना प्रोटोकॉल के तहत श्रद्धालुओं ने की पूजा, मंदिर में फल-फूल चढ़ाने को नहीं मिली अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

श्रावण मास का शिवभक्तों को हर साल बेसब्री से इंतजार रहता है। इस महीने जहां एक ओर रिमझिम बारिश की फुहार पड़ती हैं। वहीं दूसरी ओर भगवान शिव की कृपा। सावन का महीना भगवान शिव का प्रिय महीना है। ऐसी मान्यता है कि सावन में भगवान शिव की पूजन-अर्चन करने से सभी मनोकानाएं पूरी होती हैं।

इस साल सावन का पावन महीना 25 जुलाई से शुरू होकर 22 अगस्त तक रहेगा। इस महीने में शिवभक्त सोमवार व्रत, रूद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा और मंत्र जाप से भगवान शिव को प्रसन्न करने की कोशिश

करते हैं। लेकिन इस साल शिव पूजन में कोरोना प्रोटोकॉल का भी विशेष ध्यान रखना होगा।

सावन के पहले सोमवार यानी कि 26 जुलाई को शिवमंदिरों में शिवभक्तों की सुबह से ही शिवालयों पर श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। महिला-पुरुष, बच्चे सभी अपनी आस्था की अंजुली में संजोए जल की धार बाबा विश्वनाथ को समर्पित करने के लिए मंदिरों में पहुंचे। दक्षिणी दिल्ली के पुल प्रहलाद पुर में स्थित विश्वकर्मा मंदिर में सावन के पहले सोमवार को श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर में पहुंचे. हालांकि इस बार भगवान के दर्शन और मंदिर में व्यवस्थाएं अलग हैं। कोविड-19 महामारी को देखते हुए मंदिर में श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़ नहीं लगने दी गई। इसके अलावा सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए ही मंदिर में श्रद्धालुओं को प्रवेश की अनुमति दी गई।

मंदिर में प्रवेश के साथ ही श्रद्धालुओं को फल फूल का चढ़ावा मंदिर में लेकर आने की अनुमति नहीं है। शिवालय में केवल शिवलिंग पर जलाभिषेक करने की अनुमति है।

सावन के पहले सोमवार को शिवलिंग पर किया जलाभिषेक

गुरुग्राम में सावन माह के पहले सोमवार को पूजा करते श्रद्धालु।

सोहना में सावन माह के पहले सोमवार को भगवान शिव के मंदिर में जलाभिषेक करती महिलाएं।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भोले शंकर को समर्पित सावन माह का शुभारंभ हो गया है। सावन माह के पहले सोमवार को जहां श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर अपने ईष्ट देव भगवान शिव का जलाभिषेक कर आराधना भी की।

कोरोना महामारी के कारण अधिकांश श्रद्धालुओं ने अपने घरों में ही भगवान शिव की आराधना कर मनोकामना पूरी करने की प्रार्थना भी की। हालांकि कोरोना के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए मंदिरों, शिवालयों व आश्रमों में श्रद्धालुओं को सीमित संख्या में जाने की अनुमति जिला प्रशासन ने दी हुई है। शहर के घंटेश्वर, सिद्धेश्वर, भूतेश्वर, गुफावाला मंदिर, सेक्टर-4 स्थित श्रीकृष्ण, श्रीराम मंदिर, सूर्य विहार के मां वैष्णो देवी मंदिर, प्रकाशपुरी आश्रम आदि में श्रद्धालु भी आराधना करने के लिए सीमित संख्या में पहुंचे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि भगवान शिव ही अकेले ऐसे देव हैं जो साकार और निराकार दोनो ही हैं। भगवान शिव के न तो आस्था हो सकती है और न ही पार्वती के बिना श्रद्धा। ये तीनों लोकों के अधिष्ठाता हैं। युवतियों ने

सावन माह के पहले सोमवार पर की भगवान शिव की गई आराधना

शहर के शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने को उमड़े शिव भक्त

भी सुयोग्य वर पाने के लिए बड़ी संख्या में श्रावण माह के सोमवार का व्रत रखा और भगवान शिव की आराधना की। शिवपुराण में उल्लेख है कि भगवान शिव स्वयं ही जल हैं, इसलिए जल व दूध से ही उनका अभिषेक किया जाता है। बताया जाता है कि इसी सावन माह में ही समुद्र मंथन किया गया था। समुद्र मंथन के बाद जो हलाहल विष निकला था, उसे भगवान शंकर ने कंठ में समाहित कर सृष्टि की रक्षा की थी।

वहीं दूसरी ओर सोहना में भी सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव के मंदिरों में भक्तों ने जलाभिषेक किया। सुबह चार बजे से ही शिव भक्तों ने मंदिरों में जाना शुरू कर दिया था। शहर के अंदर स्थित 10 से 12 शिव मंदिरों में सावन माह के पहले सोमवार को जलाभिषेक करने भक्तों का पूरे दिन तांता लगा रहा। शहर के बालूदा मार्ग, पलवल मार्ग, दुर्गा कॉलोनी, त्रिपतकॉलोनी, सैनी धर्मशाला, गर्म पानी का शिव कुंड, अनुमान बगीची, फ्रेंड्स कॉलोनी, शिव कॉलोनी, डिफेंस कॉलोनी आदि में स्थित भगवान शिव के मंदिरों में जलाभिषेक के लिए एक दिन पहले ही पुजारियों ने तैयारियां कर ली थी। इसके साथ नगर परिषद के गांव रायसीना, खाईका, बालूदा, जखोपुर, सोहना ढाणी आदि में भी भक्तों ने शिव के मंदिरों में जाकर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। त्रिपत कॉलोनी के वरिष्ठ नागरिक रामचन्द्र सैनी ने बताया कि सुबह चार बजे से ही भक्तों ने जलाभिषेक करने शुरू कर दिया था क्यों कि उन्हें शहर से बाहर ड्यूटी पर जाना था। जलाभिषेक करने वालों का तांता दोपहर तक लगा रहा। मेहनत चमनपुरी ने बताया कि भगवान शिव को भांग, धतूरा का भोग चढ़ाया गया।

निगम पार्षदों के बताए कार्यों को प्राथमिकता से करें : विधायक

मेयर और विधायक ने ली निगम पार्षद और अधिकारियों की बैठक

नकारा और कोताही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कठोर कार्रवाई

गुरुग्राम के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में निगम पार्षदों एवं अधिकारियों की बैठक लेते विधायक सुधीर सिंगला, मेयर मधु आजाद।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मेयर मधु आजाद व विधायक सुधीर सिंगला ने सोमवार को स्थानीय लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में जोन-1 व जोन-2 क्षेत्र के निगम पार्षदों एवं अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक की।

बैठक में निगम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे निगम पार्षदों द्वारा बताए गए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करना सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को सुविधा हो।

मेयर मधु आजाद ने स्पष्ट रूप से कहा कि निगम पार्षद जनता के प्रतिनिधि हैं। इनके द्वारा जनता से जुड़े मुद्दे एवं कार्य ही अधिकारियों के समक्ष रखे जाते हैं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही ना करें तथा प्राथमिकता के आधार पर इन कार्यों को करें। उन्होंने कहा कि काम नहीं करने वाले एवं कार्य में कोताही बरतने वाले अधिकारियों के लिए गुरुग्राम में कोई जगह नहीं है तथा इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार को लिखा जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मेयर मधु आजाद ने कहा कि अधिकारी जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को भलीभांति समझ लें। वार्ड की जनता अपने कार्यों के बारे में निगम पार्षदों को कहती है तथा निगम पार्षद द्वारा जनता से जुड़े कार्यों की ही मांग अधिकारियों से की जाती है। अधिकारी जब भी किसी वार्ड में निरीक्षण करने जाएं, तो संबंधित निगम पार्षद को इसकी पूर्व सूचना दें तथा अगर निगम पार्षद के लिए संभव हो तो उसे साथ अवश्य लें।

उन्होंने कहा कि निगम पार्षद को अपने-अपने वार्ड की भौगोलिक जानकारी अधिक होती है, इसलिए अधिकारी जब भी किसी क्षेत्र की कोई योजना तैयार करें, ताकि निगम पाषज़्दों को इसमें जरूर शामिल करें। विधायक सुधीर सिंगला ने भी अधिकारियों से कहा कि वे गुरुग्राम के बेहतर विकास की ओर ध्यान दें तथा आमजन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करें। अधिकारियों को चाहिए कि वे जनप्रतिनिधियों द्वारा बताए गए कार्यों को प्राथमिकता दें।

आयुध डिपो के प्रतिबंधित क्षेत्र की अवैध कॉलोनियों में चला पीला पंजा

गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर के पीछे अवैध निर्माण गिराती जेसीबी।

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के क्षेत्र में अवैध कॉलोनाईजेशन के खिलाफ सोमवार को बड़ी कार्रवाई की गई। आयुध डिपो के प्रतिबंधित दायरे में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी पर पीला पंजा चला।

सहायक अभियंता (इनफोर्समेंट) सुनील कुमार, कनिष्ठ अभियंता प्रदीप कुमार की टीम सोमवार को जेसीबी एवं पुलिस बल लेकर आयुध डिपो के प्रतिबंधित दायरे में शीतला माता मंदिर के पीछे लगभग दो एकड़ में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी में पहुंचे। टीम ने जेसीबी की मदद से यहां पर रोड नेटवर्क, टीन शैड, डीपीसी स्तर के निर्माणों तथा चारदीवारियों को धराशायी कर दिया। हालांकि कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध करने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रण में रखा।

सहायक अभियंता ने विरोध करने वालों को समझाया कि न्यायालय द्वारा इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए निर्माण पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। न्यायालय के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है।

नागरिक अस्पताल से सैकड़ों नागरिक बिना वैक्सीनेशन के बैरंग लौटे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नागरिक अस्पताल में कोविड वैक्सीन का टीका लगवाने के लिए सैकड़ों लोग बिना वैक्सीनेशन कराए ही घर बैरंग लौटने को विवश हो गए। सोमवार को पहली डोज के लिए मात्र 100 टोकन दिए गए।

क्षेत्रवासी टोकन की संख्या एक दिन में कम से कम 300 व अधिक से अधिक 400 किए जाने की मांग कर रहे हैं। नागरिक अस्पताल में छह दिन के बाद कोविड वैक्सीन सुरक्षा टीका लगवाने के लिए टोकन वितरण किए गए। टोकन लगने वालों की संख्या 250 से 300 के

क्षेत्रवासियों ने हर दिन 400 टोकन दिए जाने की मांग उठाई

लगभग थी। जिसमें से मात्र 100 को ही टोकन मिला। 200 के लगभग नागरिक बैरंग अपने घरों को चले गए। जिन्हें एक से दो घंटा तक लाइन में लगना पड़ा। वैक्सीन का टीका लगवाने से पहले टोकन लेना होता है। जिसके लिए सुबह 6 बजे से लोगों ने टोकन लेने के लिए नागरिक अस्पताल में आकर लाइन में ढाई से तीन घंटा खड़ा होना पड़ा। लाइन में लगने वालों में पुरुष,

सोहना के नागरिक अस्पताल में कोविड वैक्सीन के लिए टोकन की लाइन के लिए लगी लाइन।

महिलाएं व युवाओं की संख्या बराबर थी।

45 से कम उम्र की महिलाओं को भी लाइनों में अधिक देर तक खड़ा न हो सकने पर बैठ-बैठकर आगे बढ़ना पड़ा। दो से तीन घंटा का समय लाइन बैठकर, खड़े होकर पूरा करना पड़ा। शहर निवासी सुरेन्द्र का कहना है कि पहली व दूसरी डोज की संख्या बढ़ाई जाए। आज युवाओं को लाइन में लग कर अपना कीमती समय बरबाद करना पड़ रहा है। टोकन लेने के लिए दो से तीन दिन तक लाइन में लगना पड़ रहा है। सोनू का कहना है कि युवाओं को रोजगार बहुत ही मुश्किल से मिल रहा है। रोजगार पर लगे युवाओं को अवकाश नहीं मिलता है। अवकाश करने पर उन्हे नौकरी से हाथ धोना तक पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि टोकन लेने वालों की संख्या से ज्यादा निराश लौटने वालों की है।

जितना डोज मिल रही हैं उतनी लग रही हैं

नागरिक अस्पताल के कार्यवाहक एसएमओ डा. प्रवीण यादव ने बताया कि जिनता डोज उच्चाधिकारियों के आदेश पर मिल रहे है। वे उन्हे लगाने का कार्य कर रहे हैं। अधिक डोज मिलने पर अधिक लोगों को उसका लाभ मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

चोरों ने अलग-अलग जगह से छह वाहनों पर किया हाथ साफ

पलवल। चोर अलग-अलग थाना क्षेत्र से दो कार, तीन बाइक व एक स्कूटी को चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार चोर न्यू कालोनी निवासी विजय की सेंट्रो कार व हरीश वधवा की ईको कार को कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत घर के बाहर से चोरी कर ले गए। इसी प्रकार अलावलपुर गांव निवासी बलजीत की बाइक को शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिविल अस्पताल से, मोती कालोनी निवासी राजीव कत्याल की स्कूटी को कालोनी से ही, मोहन नगर निवासी रोहताश सिंह की बाइक को आगरा चौक स्थित एचडीएफसी बैंक के समीप से व आलापुर गांव निवासी मनी रंजन की बाइक को हाईवे स्थित ट्रेफिक थाने के समीप से चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हुआ युवक

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र से 25 वर्षीय युवक रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गया। पुलिस ने युवक की पीड़िता बहन की शिकायत पर गुमशुदी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी प्रदीप के अनुसार प्रकाश कालोनी निवासी सीमा ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका भाई महावीर बीती 17 जुलाई को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चला गया। जिसको काफी तलाश किया गया, लेकिन उसका अब तक कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट कर धमकाने के आरोप में सात आरोपी किए नामजद

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक परिवार पर लाठी-डंडा व लोहे की रोड से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच अधिकारी सतपाल के अनुसार अलावलपुर गांव निवासी सुरेंद्र ने शिकायत दर्ज कराई है कि गांव निवासी सोरन, बच्चू, बच्चू की पत्नी, श्याम, लक्ष्मण, राजेश व विजय ने 23 जुलाई की शाम 5 बजे आपसी कहासुनी के बाद लाठी-डंडा व लोहे की रोड से परिवार पर हमला कर दिया। जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है।

चोरीशुदा बाइक समेत एक युवक काबू दूसरा हुआ फरार

पलवल। शहर थाना पुलिस ने एक युवक को चोरीशुदा बाइक सहित गिरफ्तार किया है, जबकि आरोपी का दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बस स्टैंड पुलिस चौकी इंचार्ज एसआई जयकिशन ने बताया कि मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि दो युवक चोरीशुदा बाइक को लेकर बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। सोहना रोड की तरफ से मीनार गेट की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही रेलवे रोड़ पर नाकाबंदी की गई। कुछ देर बाद एक बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए जिनको रुकने का इशारा किया गया तो सामने पुलिस को देख दोनों युवक बाइक को वापस मोड़ कर भागने लगे। जल्दबाजी में भागते समय बाइक असंतुलित होकर गिर गई। जिनमें से एक युवक को काबू कर लिया गया, जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर गलियों से होता हुआ भागने में कामयाब हो गया। काबू किए गए युवक ने पूछताछ में अपना नाम राजू चौहान व भागने वाले अपने साथी का नाम सुधीर निवासी गढ़ी मोहल्ला रेसरी वार्ड नंबर-233 तहसील खैर जिला अलीगढ़ बताया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

भोंडसी थाना क्षेत्र में बाइक चोरों का मचा आतंक

सोहना। बाइक चोरों का आतंक अब शहर के साथ-साथ ग्रामीण आंचल में भी बढ़ता जा रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र में घरों से बाहर खड़ी बाइकें चोरी होने से लोग आतंकित हो रहे हैं। भोंडसी थाना क्षेत्र में बाइक चोरों का आतंक दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। बाइक चोर घर, दुकान व लॉज के बाहर खड़ी बाइकों को पलक झपकते ही चोरी कर ले जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले तीन लोगों की दो दिन बाइकें चोरी हो गईं। 22 जुलाई को धुनेला में स्थित सेंट्रल पार्क में नौकरी करने वाले राजबीर सिंह की बाइक चोरी हो गई। इसी दिन भोंडसी में स्थित पीजी में रहने वाले मूलरुप से उत्तर प्रदेश निवासी प्रदीप कुमार पुत्र राम निवास की बाइक चोरी हो गई। प्रदीप ने बताया कि उसने 21 की सायं बाइक को पीजी के बाहर खड़ा किया था। 22 जुलाई की सुबह उठकर देखा तो उसकी बाइक मौके से गायब थी। पलवल निवासी हरकेश पुत्र मामचंद ने भोंडसी थाना में बाइक चोरी का मामला दर्ज कराया है। हरकेश ने बताया कि उसने सेंट्रल पार्क में बाइक को खड़ा करके अपना काम करने लगा। छुट्टी के समय सायं छह बजे वह बाइक के पास आया तो वहां से गायब थी।

मंडी में सफाई न होने पर ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस दिया

सोहना। मार्केट कमेटी ने अनाज मंडी में सफाई व्यवस्था सही न होने पर ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस मिलने के बाद अनाज मंडी में लगे कूड़े के ढेरों का सफाया हो गया है लेकिन ठेकेदार ने मार्केट कमेटी विभाग को नोटिस का जबाव नहीं दिया है। अनाज व सब्जी मंडी में सफाई व्यवस्था सही न होने के कारण मार्केट कमेटी विभाग ने शनिवार को कारण बताओ नोटिस ठेकेदार को दे दिया था। जिसमें ठेकेदार को सात दिन के अंदर नोटिस का जबाव मांगा है। मार्केट कमेटी द्वारा सफाई ठेकेदार को नोटिस दिए जाने के बाद अनाज व सब्जी मंडी में कूडे के ढेरों का सफाया हो गया है। रविवार को ठेकेदार द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए कूड़े के ढेरों का सफाया किया गया। मार्केट कमेटी के सचिव कृष्ण कुमार ने बताया कि ठेकेदार द्वारा नोटिस का जवाब सोमवार तक नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। जल्द ही दूसरा नोटिस दे दिया जाएगा।

चूहड़पुर के ग्रामीणों को पांच दिन बाद मिली पेयजल आपूर्ति

एन. रोहिल्ला। सोहना

गांव चूहड़पुर के निवासियों को पांच दिन के बाद पीने के पानी की सप्लाई मिल सकी है। बिजली व ट्यबवेल के स्टार्टर में तकनीकी खराबी के कारण पेयजल सप्लाई ठप पड़ी हुई थी। जिसकी शिकायत एक युवक ने ट्वीटर पर उपायुक्त समेत प्रदेश के मुख्यमंत्री को थी।

गांव चूहड़पुर में पिछले पांच दिन से पेयजल सप्लाई ठप होने से ग्रामीण पीने के पानी की एक-एक बूंद को तरस रहे थे। ग्रामीण गांव में लगे निजी सबमर्सिबलों से पीने का पानी भर रहे थे। पानी दूसरे घरों से लाने की मजबूरी के कारण यहां के निवासी भीष्म और अन्य लोग गर्मी के मौसम में एक समय ही स्नान कर रहे थे। मवेशियों को पानी पिलाने के लिए सिर मटके रखकर ला रहे थे। यहां के निवासी व गांव का चौकीदार बिजेन्द्र ने बताया कि निवर्तमान सरपंच राजबीर के पास ट्यूवबेल की चाबी रहती है। पांच दिन से लगा ताला एक बार भी नहीं खुला है। जिसको खोलने व पानी सप्लाई करने की मांग ग्रामीण राजबीर से करते रहे हैं।

रविवार को पांच दिन के बाद पेयजल की मिली आपूर्ति से पानी भरते ग्रामीण। इनसेट में सोहना के गांव चूहड़पुर में बोरवेल के स्टार्टर पर पांच दिन लटका ताला।

ट्विटर पर की शिकायत

पांच दिन तक पेयजल सप्लाई ठीक न होने से परेशान यहां के निवासी योगेश कुमार ने उपायुक्त व प्रदेश के मुख्यमंत्री को ट्वीट करके गांव में छाया पेयजल संकट की शिकायत दर्ज कराई। योगेश ने ट्वीट करके बताया कि गांव के लोग गर्मी के मौसम में पानी को कैसे तरस रहे हैं।

तकनीकी खराबी से परेशानी

निवर्तमान सरपंच राजबीर ने बताया कि ट्यूबवेल कनेक्शन का फ्यूज खराब होने तथा स्टार्टर खराब होने के कारण गांव में पेयजल सप्लाई ठप बनी हुई थी। पिछले दिनों हुई बारिश से आई टू फेश लाइट से ट्यबवेल का स्टार्टर खराब हो गया था। अब उसे ठीक करा दिया गया है। रविवार की शाम को गांव में पेयजल सप्लाई दे दी गई।

कलाकार गीतों, भजनों व रागनियों से कर रहे जल संरक्षण का आह्वान

गुरुग्राम। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा के महानिदेशक डा. अमित अग्रवाल के आदेशानुसार एवं उपायुक्त डा. यश गर्ग के मार्गदर्शन में जिला में आजादी अमृत महोत्सव तथा जल संरक्षण को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विभागीय प्रचार अमले द्वारा सोमवार को जिला के 10 से अधिक गांवों में गीतों, भजनों व रागनियों के माध्यम से वीर शहीदों की गौरव गाथा व देश की आजादी में उनके योगदान तथा प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत करवाया गया।

कलाकारों द्वारा ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि ज्ञात अज्ञात महान क्रांतिकारियों व शहीदों के बलिदान की बदौलत हमने आजादी हासिल की है। युवा देश के वीर शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लें और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में भूमिका निभाएं। अगर बच्चे सभ्य व सुसंस्कारी होंगे तो सभ्य समाज व सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।

मिली-जुली हैं भारत-नेपाल की संस्कृतियां: इंद्रेश कुमार

देश की एकता, अखंडता बनाए रखना है जरूरी

गुरुग्राम पहुंचे भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार

गुरुग्राम में नेपाली संस्कृति अंतरराष्ट्रीय परिषद की ओर से आयोजित चतुर्थ भानु सम्मान पुरस्कार समारोह में अग्रणी लोगों को सम्मानित करने के बाद खड़े आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संरक्षक माननीय इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत और नेपाल हिंदू धर्म एवं बौद्ध धर्म के संदर्भ में समान संबंध साझा करते हैं। बुद्ध का जन्मस्थान लुम्बिनी नेपाल में है और उनका निर्वाण स्थान कुशीनगर भारत में स्थित है। यह बात उन्होंने सोमवार को यहां नेपाली संस्कृति अंतरराष्ट्रीय परिषद की ओर से आयोजित चतुर्थ भानु सम्मान पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1950 की भारत-नेपाल शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के बीच मौजूद विशेष संबंधों का आधार है। भारत-नेपाल की खुली सीमा दोनों देशों के संबंधों की विशिष्टता है, जिससे दोनों देशों के लोगों को आवागमन में सुगमता रहती है। दोनों देशों के बीच 1850 किलोमीटर से अधिक लंबी सांझा सीमा है, जिससे भारत के पांच राज्य-सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड जुड़े हैं। भारत और नेपाल के बीच सीमा को लेकर कोई बड़ा विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता बनाए रखना जरूरी है। इसके लिए हर भारतीय को काम करना चाहिए। सबसे पहले हमारी लिए हमारा राष्ट्र होना चाहिए। यह बात उन्होंने सोमवार को यहां नेपाली संस्कृति अंतरराष्ट्रीय परिषद की ओर से आयोजित चतुर्थ भानु सम्मान पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कही। माननीय इंद्रेश कुमार ने आगे कहा कि राष्ट्र के सम्मान में हम सबको अपना अहम योगदान देना चाहिए। हम अपनी भावी पीढ़ियों को जीवन में कामयाबी के साथ राष्ट्र भक्ति भी सिखाएं। श्री इंद्रेश कुमार ने ओलंपिक में गये खिलाड़ियों के विजयी होने की कामना की। उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी दूसरे को हराने के लिए नहीं, बल्कि खुद जीतने के लिए खेलता है। यह खिलाड़ी का गुण होता है। उन्होंने मेडल जीतने वाली खिलाड़ी चानू को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने देश का सम्मान बढ़ाया है।

इस अवसर पर गुड़गांव के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम शहर में भी पूरा भारत बसता है। हर राज्य के लोग यहां पर किसी न किसी संस्थान, कंपनी में काम करते हैं। इसलिए यहां पर कई संस्कृतियों का मिश्रण है। सभी में इतनी एकता, भाईचारा है कि यहां शांति के साथ उद्योग-धंधे चल रहे हैं। आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार विधायक सुधीर सिंगला के आवास पर भी पहुंचे। इस दौरान उनका परिवारजनों, कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर मंच के राष्ट्रीय मंत्री प्रमोद गोयल व मंच के प्रांत अध्यक्ष अमित गोयल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, झारखंड यूनिवर्सिटी के कुलपति डा. एमके वाजपेयी, सम्मानित अतिथि नेपाल संस्कृति परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष अशोक चौरसिया, अति विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता डा. विजय जौली एवं गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला रहे।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड का 10वीं और 12वीं परिणाम शत प्रतिशत

10वीं में 7207 और 12वीं में 6128 बच्चे हुए पास : ऋतु चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश भर में दसवीं और 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें जिले में सभी विधार्थी पास हो गए है। लेकिन दोपहर साढ़े तीन बजे के बाद आए परीक्षा परिणाम के कारण कुछ छात्र-छात्राएं बहुत दुखी नजर आए। ऐसा ही शहर में जगह-जगह देखने को मिला। जहां आधे से ज्यादा छात्र खुश नजर आए तो कुछ परीक्षा परिणाम साइट पर न आने से उदास नजर आए। परीक्षा परिणाम देखने कैफे में पहुंचे कुछ छात्रों का जब परीक्षा परिणाम नहीं आया, तो वह घर पहुंचकर रोने लगे।

सब पास, चिंता न करें

जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी ने बताया कि दसवीं कक्षा में जिले में 7207 और 12वीं कक्षा में 6128 विद्यार्थी थे। जिसमें सब पास हो गए है। कोरोना महामारी के बीच इस बार सभी का परीक्षा

परिणाम बेहतर होने के कारण बच्चे खुश हैं। वहीं उन्होंने कहा कि जिन बच्चो का परीक्षा परीणाम नहीं आया है, उनका अगले दिन आ जाएगा। शाम तक बच्चे जिले में कैफे में अपने परिणाम देख रहे थे, जिसके कारण साइट में दिक्कतें आ गई होंगी।

परेशान हो गए छात्र

जिले में दोपहर तीन बजे के बाद जब परीक्षा परिणाम आया तो कैफे और मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटॉप आदि के माध्यम से हजारों छात्र परीक्षा परिणाम देखने में जुट गए। ऐसे में कुछ विद्यार्थियों को अपना परीक्षा परिणाम साइट पर नजर नहीं आया। जिस पर उनके चेहरे की खुशी मायुसी में बदल गई। जिस पर छात्रों ने अपने घरों में रोना शुरू कर दिया। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी को पास बताते हुए उन्होंने अगले दिन रिजल्ट देखने की बात कही है।

मुस्कान ने किया टॉप

डबुआ कॉलोनी स्थित शांति विद्या निकेतन हाई स्कूल में पढ़ने वाली मुस्कान ने 500 में से 500 अंक लेकर अपने स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन किया है। मुस्कान के पिता मुकेश चौरासिया और माता अमृता चौरासिया ने कहा कि यह बड़ी ही खुशी की बात है कि मुस्कान की मेहनत रंग लाई। उन्होंने बताया कि मुस्कान ने लगातार पढ़ाई की थी। परीक्षा न होने का उन्हें काफी दुख था, लेकिन परीक्षा परिणाम को देखकर वह खुश है।

पशु चिकित्सालय पर गोवंशों के शव नहर में फेंके जाने का आरोप

पशु अस्पताल का दावा, बदनाम करने का किया जा रहा है प्रयास

कविता। फरीदाबाद

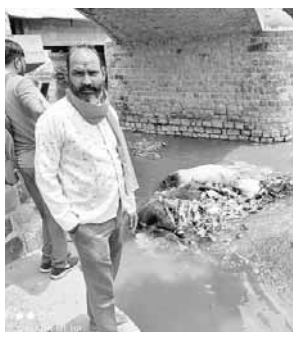

हाल में शुरू हुए पशु चिकित्सालय पर नारायणी माता गो संरक्षण सोसायटी द्वारा मृत गोवंश को नहर या सुनसान जगह फेंके जाने का आरोप लगाया है। सोसायटी के सदस्य महेश ने पशु चिकित्सालय के ट्रैक्टर का पीछा करते हुए तिगांव पुल के पास एक कच्ची और पक्की नहर के बीच कच्चे रास्ते से दो मृत गोवंश के शवों को नहर में डालते हुए रंगे हाथों पकड़ा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची थाना सदर पुलिस ने मृतक गोवंश को मौके पर ही दफन करवाया। नारायणी माता गो संरक्षण सोसायटी के संचालक महेश की शिकायत पर जांच शुरू कर दी। वहीं दूसरी तरफ पशु चिकित्सालय को आर्थिक मदद दे रही अंशु गुप्ता ने कहा कि महेश अस्पताल को बदनाम कर रहे हैं।

ये है पूरा मामला

नारायणी माता गो संरक्षण सोसायटी के सदस्य महेश ने बताया कि वह रविवार दोपहर दो बजे नीमका गांव में खुले नए पशु चिकित्सालय में अपनी एम्बुलेंस में एक घायल गोवंश को लेकर गए थे। उसे छोड़कर वापस निकले तो देखा कि एक ट्रैक्टर-ट्राली में दो मृत गोवंश नजर आए। उन्होंने ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा शुरू कर दिया। ट्रैक्टर मृत गोवंश को लेकर तिगांव पुल के पास दो नहरों के बीच बने कच्चे रास्ते पर पहुंचा। चालक और उनके साथियों ने गोवंश को नहर में फेंकना शुरू कर दिया। इसे देखते ही उन्होंने 112 पर फोन किया और तुरंत पुलिस आ गई। ट्रैक्टर सवारों ने पुलिस को बताया कि वे नीमका गांव के पशु चिकित्सालय से उन्हें मृत पशुओं को नहर में डालने को भेजा है। पुलिस और सोसायटी के सदस्यों ने वीडियो बनाई और गोवंश के शवों को दफन कराया। जिसके बाद पुलिस को लिखित शिकायत दे दी।

शिकायर्ता का आरोप

नारायणी माता गो संरक्षण सोसायटी के सदस्य महेश ने कहा कि गोवंश के नाम पर जिले में गोरखधंध चल रहा है। अस्पताल में घायल और बीमार गोवंश को लाया जाता है। लेकिन उनका सही तरीके से इलाज नहीं किया। जब वह शरीर पूरा कर लेती हैं तो उन्हें नहर में फेंक दिया जाता है। ऐसे लोगों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

अस्पताल का कथन

अंशु गुप्ता ने बताया कि वे देव प्रोजेक्ट के तहत इस पशु चिकित्सालय की आर्थिक मदद कर रही है। पैंट्री में उनके पास महेश नाम का व्यक्ति काम करता था। वह यहां पूरा काम संभालना चाहता है। वह हम पर दबाब बना रहा है। इसी के चलते वह अस्पताल को बदनाम कर रहा है। ऐसे लोग देव प्रोजेक्ट में मुसीबते खड़ी न करें तो हम पशुओं के दर्द का निवारण करते हुए उन्हें बेहतर इलाज उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रहे हैं। इस विषय में उपायुक्त से बात कर रहे हैं।

भगवान भोलेनाथ पर चढाया श्रद्धालुओं ने जल

फरीदाबाद। सावन का महीना प्रारंभ होते ही भगवान शिव के भक्तों की भीड़ मंदिरों में लगने लग जाती है। ऐसा ही कुछ सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में देखने को मिला। मंदिरों में श्रद्धालुओं ने लम्बी लाइनों में लगकर भगवान शिव की पूजा अर्चना की। सैनिक कालोनी का शिव मंदिर हो या राजीव कालोनी स्थित प्राचीन शिव मंदिर हर जगह भीड़ देखने को मिली।

जानकारी के मुताबिक सावन के महीने के पहले सोमवार को मंदिरों में लोगों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने सुख शांति और समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना की। इस बारे में प्राचीन शिव मंदिर के महंत आचार्य सर्वेश पांडे ने सभी उपस्थित भक्तों को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर सामूहिक रूप से हवन यज्ञ कर विश्व शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की गई। इस अवसर पर विशेष रूप से सेक्टर 23 से पधारे हुए आरके दुबे, जो निरंतर समाज सेवा में लगे रहते हैं। उन्होंने बताया कि सावन भगवान शिव का सबसे प्रिय माह होता है। मंदिरों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की लंबी लाइने नजर आई। वहीं कोरोना संक्रमण को देखते हुए शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए श्रद्धालु नजर आए। उन्होंने भगवान शिव का जल धारा, बिल्व पत्र और दूध-दही से अभिषेक किया। उनका कहना था कि सावन माह में की गई शिव उपासना बहुत ही फलदायी होती है और इसका फल बहुत जल्दी मिलता है।

बुखार-सिर दर्द को न करें नजरअंदाज : डॉ. गुप्ता

फरीदाबाद। ब्रेन में हुई टीबी को लेकर लोगों को जागरूक होने की खास आवश्यकता है। नीलम चौक स्थित एस्कोर्ट फोर्टिस अस्पताल के न्यूरोलॉजी डायरेक्टर डॉ. रोहित गुप्ता के अनुसार फेफड़ों की टीबी का यदि सही समय पर इलाज न कराया जाए तो यह ब्रेन और स्पाइन तक पहुंच सकती है।

ब्रेन और स्पाइन में टीबी होने की वजह से मरीज को पैरेलिसिस हो सकता है और वह कोमा में भी जा सकता है। इसके साथ ही लंबे समय तक होने वाले बुखार और सिर दर्द को इग्नोर नहीं करना चाहिए। इसकी जांच जरूर कराएं। डॉ. रोहित ने बताया कि यह एक संक्रमित बीमारी है और हाईजीन पर ध्यान न देने से भी टीबी की बीमारी होती है। जिन लोगों की इम्यूनिटी पावर कमजोर होती है, उन्हें यह बीमारी जल्दी होती है। यह खून के जरिए शरीर के किसी भी अंग पर हमला कर सकती है। इसलिए इलाज को बीच में न छोड़ें। छह महीने से 18 महीने तक पूरा इलाज करवाएं। इस बीमारी में फेफड़े में हुआ संक्रमण धीरे-धीरे दिमाग तक पहुंच जाता है। सेलेब्रासपाइनल फ्लूड के खत्म होने से भी ब्लाकेज होते हैं। यह दिमाग को खून और पानी देने वाली नसों को प्रभावित करता है। इससे दिमाग की नसों में ब्लॉकेज हो जाता है। लोग टीबी की वजह से आई कमजोरी या टीबी मानकर इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इसलिए टीबी की बीमारी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि टीबी के साथ न्यूरो संबंधी जांच करके मरीज का इलाज शुरू कर दिया जाए तो यह बीमारी ठीक हो जाती है। इसमें नसों को खोलने वाली, खून को पतला रखने वाली और संक्रमण रोकने वाली दवाएं दी जाती हैं। टीबी की बीमारी में लंबे समय तक बुखार के साथ-साथ सिरदर्द भी रहता है।

न करें अनदेखा : डॉ. रोहित गुप्ता ने बताया कि लंबे समय तक बुखार और सिर में दर्द हो तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं। दिमागी बुखार को सबसे पहले डायग्नोस करें। रीढ़ की हड्डी से पानी निकालकर इसकी जांच करवाई जाती है।

वैक्सीनेशन केन्द्रों पर उड़ रहीं सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

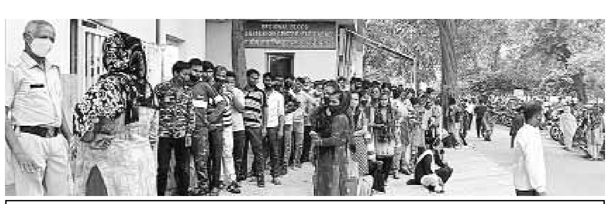

जिले में दो दिनो बाद वैक्सीनेशन केन्द्रों पर कोरोना से बचाव का टीका लगाया गया। जिसके कारण सरकारी सेंटरों के बाहर भीड़ देखने को मिली। इस भीड़ के बीच सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती नजर आई। जिले में बने निजी और सरकारी केन्द्रों पर 11,356 लोगों ने टीका लगवाया।

जिले में सोमवार को तीन हेल्थ केयर वर्कर, दो फ्रंट लाइन वर्करों के अलावा 18 प्लस आयुवर्ग में 7638 और 45 में 3713 लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लगाया। निजी केन्द्रों पर 1886 लोगों ने टीके लगवाये। वहीं जिले में मंगलवार को 12 सरकारी और सात निजी केन्द्रों पर टीकाकरण होगा। जिले के सरकारी केन्द्र बीके अस्पताल, बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल, खेड़ी कला, एफआरयू एक सेक्टर-30, एफआरयू दो सेक्टर-3, पन्हेडा, कौराली, मोहना, तिगांव, छायंसा, दयालपुर, फतेहपुर बिल्लौच में टीके लगाये जाऐंगे। सात निजी केन्द्रों में क्यूआरजी, एशियन, फोर्टिज, सर्वोदय सेक्टर-आठ, सेक्टर-19, मेट्रो हॉस्पीटल, शांति देवी मैमोरियल हॉस्पीटल, एशियन सेक्टर-88 में टीके लगाए जाऐंगे।

रही भीड़

सरकारी केन्द्रों पर दो दिनों बाद टीकाकरण की बात सुनकर लोगों की भीड़ पहुंच गई। लोगों की भीड़ के बीच सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां जमकर उड़ाई गई। इस दौरान पुलिस ने लोगों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन लोग नहीं माने। कुछ देर डिस्टेंस रखने के बाद बार-बार एकत्रित हो रहे थे। ऐसे में यहां कोरोना के एक बार फिर से बढ़ने की संभावना बन रही है।

कोरोना: एक पॉजिटिव मरीज मिलने से आंकड़ा 99766

फरीदाबाद। जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा समाप्त ही नहीं हो रहा है। सोमवार को जिले में एक पॉजिटिव मरीज इंदिरा कॉम्प्लेक्स कालोनी से सामने आया। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 99766 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ देखा जाए तो फिलहाल जिले में 16 मरीज एक्टिव है। जिसमें दो मरीज अस्पताल में भर्ती है और 14 होम आईसोलेशन में रह रहे है। इनमें दो मरीज ऑक्सीजन पर बताए गए हैं। जिले में राहत की बात यह रही कि एक मरीज ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 99.27 प्रतिशत पर पहुंच गया।

ये हैं आंकड़े

जिले में कुल जांच	: 991431
अब तक पॉजिटिव	: 99766
अब तक नेगेटिव	: 891012
रिपोर्ट आनी शेष	: 653
ऑक्सीजन पर है	: 2
अब तक मौत	: 716
ऑक्सीजन पर है	: 2
अब तक ठीक	: 99034

एसएटी मूल्यांकन परीक्षाएं शुरू

फरीदाबाद। जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी ने कहा कि कक्षा तीसरी से 12वीं तक के स्कूली विद्यार्थियों के लिए स्टूडेंट असेस्मेंट टेस्ट को लेकर डेटशीट जारी कर दी है। ये परीक्षाएं आज सोमवार से शुरू होकर आगामी 13 अगस्त तक होंगी। इन परीक्षाओं से विद्यार्थियों का मूल्यांकन तय किया जाएगा। पहली व दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों का टेस्ट मौखिक रूप से और तीसरी से 12वीं कक्षा की मूल्यांकन परीक्षा अवसर एप पर ऑनलाइन और बचे हुए ऑप्शनल सब्जेक्ट व डेटशीट में कवर नहीं हुए विषयों की परीक्षाएं ऑफलाइन होंगी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा तीसरी से 12वीं तक के स्टूडेंट्स 26 जुलाई से 13 अगस्त तक मूल्यांकन परीक्षा दे सकेंगे। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने डेट शीट जारी कर दी है। पहली और दूसरी क्लास के विद्यार्थियों का टेस्ट मोबाइल या अन्य माध्यम से मौखिक ही लिया जाएगा। यह परीक्षा 10 अंकों की होगी। उन्होंने आगे बताया कि वहीं छठी से 12वीं कक्षा की मूल्यांकन परीक्षा स्कूल स्तर पर ऑफलाइन आयोजित की जाएगी।

नगर निगम में शामिल गांव का रिकॉर्ड ऑनलाइन करें : डॉ. मित्तल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम आयुक्त डॉ. गरिमा मित्तल ने कहा कि सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार जिला फरीदाबाद के नगर निगम में 24 नए गांव शामिल किए गए हैं। इन गांवों मे कुल कितनी भूमि है। कितने रास्ते हैं और किस भूमि पर क्या निर्माण किया गया है। इसका पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन करना सुनिश्चित करें।

नगर निगम आयुक्त डॉ गरिमा मित्तल लघु सचिवालय में आयोजित बैठक में प्रशासिक और विभिन्न विभागों के अधिकारियों यह दिशा निर्देश दे रही थी। उन्होंने प्रशासनिक, जिला विकास एवं पंचायत विभाग सहित बैठक से संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जो 24 गांव एमसीएफ में शामिल किए गए हैं। उन गांवों में लगे चौकीदार, सफाई कर्मचारी और ट्यूबवेल ऑपरेटर तथा अन्य कर्मचारियों को सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार उन्हें एमसीएफ में समायोजित किया जाना है। इसलिए यह रिकॉर्ड पूरा करना सुनिश्चित करें।

एमसीएफ कमिश्नर डॉ. गरिमा मित्तल ने कहा कि इसके अलावा सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार इन गांवों का नगर निगम में परिसीमन करके उन्हें वार्ड बंदी में शामिल किया जाएगा। इसके लिए सभी गांव के परिवारों का पूरा विवरण ऑनलाइन किया जाना सुनिश्चित करें। इसमें सामान्य वर्ग जनसंख्या, पिछड़ा वर्ग जनसंख्या और अनुसूचित जाति जनसंख्या का पूरा विवरण गांव वाइज अलग-अलग ऑनलाइन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के अधिकारी टीमें लगाकर घर-घर जाकर सर्वे कराएं।

कारगिल के अमर शहीदों को शत-शत नमन : मिश्रा

पूर्व सैनिकों ने कारगिल शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पूर्व सैनिकों ने कारगिल शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीदों की वीरांगनाओं को पारितोषिक और बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत गीत प्रस्तुत किए गए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्रा ने बतौर मुख्य वक्ता अपने संबोधन में कहा कि कारगिल के अमर शहीदों पर हमें गर्व है।

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में 12 सेक्टर फरीदाबाद में वार मेमोरियल पर भूतपूर्व सैनिकों के द्वारा कारगिल में शहीद हुए और सभी शहीद जो जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए शहादत दी उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ब्रिगेडियर सेतिया, तिगांव विधायक राजेश नागर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। विधायक राजेश नागर ने कहा कि हमारे सैनिक देश का गर्व और गौरव हैं। राष्ट्र के सच्चे प्रहरियों के कारण ही हम सभी आजादी की सांस ले पाते हैं। आज उनके शौर्य को उनके बलिदान को शत शत नमन करने का दिन हैं।

कार्यक्रम अध्यक्ष ब्रिगेडियर एस.एन सेतिया, मुख्य अतिथि विधायक राजेश नागर, मुख्यवक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख गंगाशंकर मिश्रा, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं अधिवक्ता राजकुमार शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन करतार सिंह ने किया। इस अवसर पर सम्मिलित होने वाले सदस्य विंग कमांडर हरिचंद मान, विंग कमांडर सत्येंद्र दुग्गल, लेफ्टिनेंट राजेंद्र सिंह, कमांडर ओमप्रकाश, कमांडर बीएम त्यागी, सूबेदार सतीश नागर, सूबेदार कर्मचंद, हवलदार तेजी,ओ उदय सिंह, सूबेदार करमचंद, उदयवीर, सतबीर, रामफल, सूबेदार तेजपाल, हवलदार करतार सिंह सहित जिला सैनिक बोर्ड के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्टार ऑफ द वीक चुने गए मोती और नवीन

फरीदाबाद। जिला शिक्षा विभाग में एक बेहतरीन पहल की गई है। जो कर्मचारी अपने काम को बेहतर ढंग से व पारदर्शिता से करेगा, उसे स्टार ऑफ द वीक घोषित किया जाएगा और उसका नाम बोर्ड पर लिखा जाएगा। पिछले सप्ताह के स्टार असिस्टेंट मोती सागर व नवीन चौधरी को घोषित किया गया है। शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी ने बताया कि सीएम विंडो, पीएम पोर्टल और सोशल मिडिया का काम डिप्टी डीईओ आनंद सिंह की देखरेख में हो रहा है। इनके अधीन असिस्टेंट मोती सागर और कर्मचारी नवीन कार्य कर रहे हैं। डिप्टी डीईओ के मार्गदर्शन में दोनों ने पिछले सप्ताह सीएम विंडो, पीएम पोर्टल और सोशल मिडिया से संबंधी कोई भी शिकायत नहीं छोड़ी। सभी शिकायतों का निवारण किया गया है। नवीन तकनीकी मामले में बेहतर कार्य करते हैं। शिक्षा अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह ही स्टार ऑफ द वीक शुरू किया, जिसमें उक्त दोनों ने उम्दा कार्य किया है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा ने एक पौधा शहीद के नाम लगाया

फरीदाबाद। कारगिल विजय दिवस के मौके पर अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने सेक्टर-12 स्थित अपने कार्यालय पर एक पौधा शहीद के नाम से लगाया। सुरेन्द्र शर्मा बबली ने कहा कि कारगिल विजय दिवस वो दिन जब भारत की सेना ने पाकिस्तान को खदेड़ भगाया, और टाइगर हिल पर तिरंगा लहराया। उन्होंने कहा कि 1999 में कारगिल-द्रास सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठियों से भारतीय क्षेत्रों को वापस लेने के लिए भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय शुरू किया था। कारगिल युद्ध में सैनिकों द्वारा किए गए बलिदान को याद करने के लिए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। सुरेन्द्र शर्मा बबली ने कहा कि युद्ध में भारत के 527 सैनिक शहीद हुए। उन्होंने कहा कि वीर सैनिकों की याद में ही हमने एक पौधा शहीद के नाम लगाया है जो हमेशा देश पर मर मिटने वाले सैनिकों की याद दिलाता रहेगा और युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करता रहेगा। चिम्मनलाल, संजय शर्मा, हरीश पाराशर एडवोकेट, कृष्ण पाराशर एडवोकेट, कर्ण पाराशर इंजिनियर, चन्द्रशेखर, रामजीलाल, रामानुज, योगेश, आशीष, रवि, नवीन सहित अन्य उपस्थित रहे।

दवा निर्माताओं ने रखी अपनी समस्याएं

फरीदाबाद। सेक्टर-17 में प्रोग्रेसिव आयुष मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन की ओर से आयुष हरियाणा लाइसेंसिंग अथारिटी डा.दिलीप मिश्रा के स्वागत में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। मौके पर दवा निर्माताओं ने अपनी समस्याएं रखी। कार्यक्रम में आयुर्वेद के क्षेत्र में सराहनीय कार्य लोगों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। डॉ. दिलीप मिश्रा ने कहा कि कोरोना में आयुर्वेद का योगदान रहा है। आयुर्वेद में कई दवाएं ऐसी हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर व्यक्ति को शारीरिक रूप से मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि सभी दवा निर्माता सरकार द्वारा निर्धारित मानकों को अवश्य पूरा। दवाओं की पैकिंग पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों में दवा हाथों से पैक की जाती है, वह ग्लव्स और सिर पर कैप अवश्य लगाएं और साफ-सफाई का विशेष ध्यान दें। इस दौरान पवन भाटिया, गुलशन कुमार, भरत यादव सहित 36 दवा निर्माता कंपनी के प्रतिनिधि शामिल थे।

262वां तेरापंथ स्थापना दिवस और शपथ ग्रहण समारोह

फरीदाबाद। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद फरीदाबाद के सत्र 2021-22 के नव मनोनीत अध्यक्ष राजेश जैन ने सभा अध्यक्ष रोशन बोरड़ से शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम जैन संस्कार विधि से संपादित किया। स्थानीय तेयुप अध्यक्ष राजेश जैन ने सत्र 2021-22 की नव गठित पूरी कार्यसमिति टीम की घोषणा करते हुए सभी को शपथ दिलाई। तेयुप अध्यक्ष राजेश जैन ने किशोर मंडल संयोजक दिव्यांश नाहटा व सदस्यों को शपथ दिलाई। मुकेश जैन को उपाध्यक्ष प्रथम, विवेक बैद को उपाध्यक्ष द्वितीय, विनीत बैद को मंत्री, जितेंद्र लुनिया को सह मंत्री प्रथम, गौरव आंचलिया को सह मंत्री द्वितीय, लोकेश चोपड़ा को कोषाध्यक्ष व आदित्य बांठिया को संगठन मंत्री के रूप में चयनित किया। अध्यक्ष राजेश जैन ने बताया कि संगठन अभातेयुप द्वारा निर्देशित सेवा, संस्कार और संगठन के कार्यों को पूर्ण समर्पण के साथ करने हेतु दृढ़ संकल्पित है। अभातेयुप रक्तदान के क्षेत्र में विश्व व्यापी पहचान रखती है, तेयुप फरीदाबाद, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स, इंडिया बुक को रिकार्ड्स आदि में अपना नाम दर्ज कराने वाली अभातेयुप की शाखा परिषद है और रक्तदान के क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर भी विशिष्ट कार्य होता है। परिषद लोगों का मरणोपरांत नेत्रदान कराने का प्रयास करती है और इस क्षेत्र में भी अच्छा कार्य करने हेतु परिषद संकल्पित है। कार्यक्रम में सभा,महिला मंडल, अणुव्रत समिति, सभी संस्थाओं के पदाधिकारी व समाज के श्रावकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच संचालन व आभार ज्ञापन विनीत बैद ने किया।

भारतमाता के शूरवीर सपूतों को जेआरसी ने दी श्रद्धांजलि

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रास, सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड और गाइडस ने प्राचार्य व ब्रिगेड प्रभारी रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में कारगिल विजय दिवस की बाइसवीं वर्षगांठ पर भारतीय सेना के जवानों को बारंबार नमन करते हुए और शहीद हुए पांच सौ सत्ताइस जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। जेआरसी और एसजेएबी प्रभारी प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने बताया कि भारतीय सेना द्वारा कारगिल युद्ध की पराक्रम गाथा अमिट रहेगी कि किस प्रकार से पाकिस्तान द्वारा धोखे से किए गए वार और ऊंचाई पर होने बाद भी भारतीय सेना के बहादुर जवानों ने अपनी जान पर खेल कर पाकिस्तानी सेना को धूल चटाते हुए भागने पर मजबूर कर दिया। हर भारतीय को अपने बहादुर सैनिकों पर गर्व करने का अधिकार है। रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने देश पर सर्वस्व न्योछावर करने वाले जवानों के जीवन से सीख लेने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा और एक्टिविटीज कॉर्डिनेटर गणित प्राध्यापिका डॉक्टर जसनीत कौर ने छात्राओं नेहा, संध्या और ताबिंदा द्वारा कारगिल युद्ध पर बनाए गए पोस्टर्स की सराहना की। उन्होंने भारत माता के शूरवीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए और श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारतमाता अपने शूरवीरों की सदैव ऋणी रहेगी।

मंत्री मूलचंद शर्मा ने शोकाकुल परिजनों को दी सांत्वना

फरीदाबाद। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा भाजपा फरीदाबाद के जिला उपाध्यक्ष पंडित लखमीचंद भारद्वाज की दादी इमरती देवी के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे। उनके पैतृक गांव महमदपुर पृथला पहुंचे। शोकाकुल परिवार और गांव वासियों को को सांत्वना दी। इमरती देवी 97 वर्ष की आयु में स्वर्ग सिधार गई। वो अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गई हैं। यहां पहुंच कर कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचन्द शर्मा ने लखमी चंद भारद्वाज व उनके परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए कहा कि आपकी दादी और हमारी प्रेरणा स्त्रोत इमरती देवी को देवाज्ञा होने पर हम सब गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। दुख के अवसर पर हम सभी आपके परिवार के साथ है और दिवंगत आत्मा को शान्ती प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

दस्तावेज के नाम पर छात्रों की जेब पर कैंची बर्दाश्त नहीं

फरीदाबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने पंडित जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय में छात्र हितों की मांग की। मांग को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। जिला मीडिया प्रभारी रवि पाण्डेय ने बताया की विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता निरंतर ही छात्र हित के मुद्दे हों या राष्ट्रहित के मुद्दे के लिए संघर्ष करते रहते हैं। अध्यक्ष कंचन डागर ने कहा एमडीयू द्वारा दस्तावेज के नाम पर महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों की जेब पर कैंची चलाए जा रही है। अभाविप के कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एमके गुप्ता को एमडीयू कुलपति, यूनिवर्सिटी, शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों से दस्तावेज जमा कराने के नाम पर छात्रों से अवैध वसूली की जा रही है। जब की फीस 400 रुपये प्रति वर्ष महाविद्यालय छात्रों से फीस के नाम पर लिया जाता है। छात्र संघ सचिव गोतम वत्स ने कहा महाविद्यालय की लापरवाही की वजह से छात्रों की जीत पर 5000 रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। करोना काल में वैसे ही आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। विद्यार्थी परिषद मांग करती है कि जल्द से जल्द अपने इस तुगलकी फरमान को वापस लिया जाए। छात्र नेता आदित्य मौर्य ने कहा जिन विद्यार्थियों के रिजल्ट अभी जारी नहीं किए हैं उनके रिजल्ट तुरंत जारी किए जाएं। गायत्री राठौर, दीपक भारद्वाज, अंशुल वशिष्ठ, सुमित, दीपक, अभिषेक, मोहित, सागर, अमन, शुभम आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 27 जुलाई, 2021

कोविड की तीसरी लहर

लापरवाही से बचें

सभी संकेत मिल रहे हैं कि कोविड-19 की तीसरी लहर आने वाली है। ऐसे में भारत को सुरक्षा बनाए रखनी चाहिए। कोविड-19 की दूसरी लहर के 25 जून से घटने की उम्मीद है, पर राहत की यह बात कुल मामलों की संख्या या महामारी-विरोधी रणनीतिकारों के प्रेक्षणों में नहीं दिखती है। राष्ट्रीय स्तर पर नए मामले 39,000 से अधिक हैं और उनकी संख्या बढ़ रही है। इसके साथ ही उच्चाधिकार प्राप्त रणनीतिक समूह ने सरकार से कह दिया है कि रोज आने वाले मामले 50,000 से अधिक हो सकते हैं। क्या सरकार को इसे तीसरी लहर की चेतावनी की तरह लेना चाहिए? पहली बार रणनीतिकारों ने प्रारम्भिक चेतावनी जल्दी दे दी है। पहली बार देश की कोविड-रोधी नीति का संचालन प्रशासन के बजाय सीधे वैज्ञानिक कर रहे हैं। इस परिवर्तन से दो संदेश जाते हैं। पहला, दूसरी लहर देश में काफी कमजोर हो गई है और यह मुख्यत: दो राज्यों-केरल व महाराष्ट्र तक सीमित है। दूसरा, 50,000 मामलों की सीमा पार होने का अर्थ चिकित्सा ढांचे पर दबाव बढ़ने की शुरुआत होगा। ऐसे में रणनीतिकार सुरक्षित रूप से अनुमान लगा रहे हैं कि भविष्य में लहर के शिखर पर रोज चार-पांच लाख मामले आएंगे तथा नए मामलों की सीमा लगभग दस गुना है। इससे केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों को स्पष्ट तस्वीर मिल जानी चाहिए कि अगले दो महीनों में उनको अतिरिक्त ढांचा किस तरह संगठित करना है।

ब्रिटेन के उदारहण पर गौर किया जा सकता है कि उसने नई स्थिति से निपटने के लिए क्या किया जब नए मामलों की संख्या 50,000 पार कर

गई। वर्तमान समय में पाजिटिव टेस्ट वालों की संख्या खतरनाक रूप से बढ़ रही है। जुलाई के दूसरे सप्ताह में लगभग 6,50,000 लोग पाजिटिव पाए गए हैं। अस्पतालों में भर्ती लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। इसके बावजूद सरकार ने सभी नियंत्रणों में ढील दी है। अब सोशल डिस्टेंसिंग अनिवार्य नहीं रह गई है तथा कानून द्वारा फेस मास्क पहनना जरूरी नहीं रह गया है तथा लोगों के बड़े समूहों से प्रतिबंध हटा लिया गया है। पूर्ण अनलाक के लिए ब्रिटिश सरकार की आलोचना हो रही है, पर सरकार को संभवत: दो स्रोतों से विश्वास है। पहला, ब्रिटेन में 46 मिलियन से अधिक लोग या वयस्कों के 87.6 प्रतिशत को टीके की पहली खूराक मिल चुकी है तथा 35.5 मिलियन या 67.5 प्रतिशत का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। टीकाकरण की उच्च संख्या तथा संक्रमित व बिना टीका लगे लोगों में एंटीबाडी की उपस्थिति से संक्रमण की गंभीरता और अस्पताल में भर्ती की आवश्यकता कम होती है तथा मौत की संभावना घटती है। दूसरा, हजारों लोग एनएचएस कोविड एप का प्रयोग कर हर दिन एलर्ट के अनुसार स्वयं पृथक्कृत रहते हैं तथा पाजिटिव होने की स्थिति में दूसरों को सतर्क करते हैं कि उनके संपर्क में न आएं। उच्च स्तरीय टीकाकृत होने के कारण ब्रिटेन ने स्वयं को सुरक्षा प्रोटोकालों से अलग किया है, भले ही मामले बढ़ रहे हैं। भारत में टीकाकरण का स्तर कम है, प्रोटोकालों का उल्लंघन अधिक होता है तथा मामले बढ़ रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि टीकाकरण और सुरक्षा उपायों के प्रति लापरवाही के कारण वैश्विक महामारी की तीसरी लहर आना अवश्यंभावी है। ऐसे में टीकाकरण को गति देने के साथ सुरक्षा उपायों का कठोरता से पालन जरूरी है और भारतीय रणनीतिकारों को इस पर अवश्य जोर देना चाहिए।

पुतिन के लिए सिरदर्द बनी चीन से दोस्ती

1969 में, चीन ने साइबेरिया की उससुरी नदी पर कुछ द्वीपों का अधिग्रहण किया। अब, इसने पूरे साइबेरिया को अपने क्षेत्र के रूप में दावा करना शुरू कर दिया है।

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं प्रख्यात स्तम्भकार हैं)

पिछले महीने के अंत में, रूस और चीन ने अपनी मित्रता संधि को और पांच वर्षों के लिए नवीनीकृत किया। ऐसा लगता है कि कॉमरेड पुतिन चीन से संभावित खतरे को नज़रअंदाज़ कर एक खतरनाक गलती कर रहे हैं। वह केवल 17 वर्ष का था जब सोवियत संघ ने रूस के साइबेरिया (स्लीपिंग लैंड) में स्थित उससुरी नदी के पार सात महीने का मिनी-युद्ध लड़ा। बीजिंग की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी थी, यह कोई नहीं जानता, लेकिन सोवियत को हमलावर को एक निहित परमाणु खतरा बताना पड़ा। चेहरा बचाने के लिए, माओ ज़ेडॉन्ग ने अपने प्रीमियर झोउ एन लाई के माध्यम से पीपुल्स वॉर की धमकी दी, जिसका अर्थ था कि सैकड़ों-हजारों चीनी सैनिक सोवियत टैंकों को झुका देंगे, जैसा कि उन्होंने 1951-52 में कोरियाई युद्ध में अमेरिकियों के साथ किया था। चीनी नेता की सुविधा का विश्वास मशीन पर मनुष्य की श्रेष्ठता थी। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने सोवियत सैनिकों पर घात लगाकर उससुरी के द्वीपों में से एक पर युद्ध के अपने विचार का प्रदर्शन किया।

अंत में, चीन ने नदी पर काफी कुछ द्वीप प्राप्त किए, जो सोवियत संघ के लिए एक नुकसान थे। तार्किक रूप से, अधिक संघर्ष आगे है। चीन 1969 की तुलना में बहुत बड़ी परमाणु शक्ति है। उसकी महत्वाकांक्षाएं बढ़ी हैं और वर्तमान संकेतों से, वह एक महाशक्ति बनना चाहता है। हमें यह याद रखना होगा कि साइबेरिया एक विरल आबादी के साथ 13 मिलियन वर्ग किमी से अधिक है, जबकि चीन लोगों के साथ उबल रहा है लेकिन कृषि योग्य भूमि की कमी है। संयोग से, येलो जाइंट ने न केवल उससुरी बल्कि अमूर और अर्गुन नदियों के बीच में कई सौ द्वीप प्राप्त किए। चीन को यह लाभ और यूएसएसआर द्वारा नुकसान दशकों की कठोर वार्ता के बाद हुआ जो 2004 में समाप्त हो गया।

जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के गर्म होने के साथ, साइबेरिया अधिक मेहमाननवाज बन सकता है। आज पूरे क्षेत्र को सर्दियों में बहुत कम तापमान के कारण शत्रुतापूर्ण माना जाता है। ग्लोबल वार्मिंग के साथ, साइबेरिया के चीन के कब्जे के लिए आकर्षक बनने की संभावना है। यह क्षेत्र कोयला, प्राकृतिक गैस, हीरे, लौह अयस्क, सोना और एल्यूमीनियम में समृद्ध है। साइबेरिया पर जबरन कब्जा करने वाले चीन के संभावित परिदृश्य को अब काल्पनिक या काल्पनिक के रूप में नहीं देखा जा सकता है। एक पश्चिमी स्तंभकार पैट्रिक प्रिंस्टन ने हमें सूचित किया कि एक चीनी पोर्टल जिंजी टुटियाओ ने एक लेख प्रकाशित किया, जिसके लेखक साइबेरिया को चीनी भूमि कहते हैं।

चीनी मीडिया नियमित रूप से रूसी शासक व्लादिमीर पुतिन की प्रशंसा करता है और वह कितनी चतुराई से पश्चिम को उसके स्थान पर रखता है। बस, बीजिंग के दृष्टिकोण से, रूस न केवल एक अच्छा दोस्त है, बल्कि एक उत्कृष्ट संभावित पुरस्कार भी है। दुनिया भर में कोई भी देश ऐसा नहीं है जो हमेशा मित्रवत हो या, इसके विपरीत, हमेशा एक-दूसरे के प्रति शत्रुतापूर्ण हो। अतीत में, मंगोलों द्वारा साइबेरिया पर विजय प्राप्त की गई थी और इसलिए, वास्तव में, चीनी क्षेत्र है। यह तेजी से चीन का परहेज बनता जा रहा है।

द न्यू यॉर्क टाइम्स के कॉलम ''व्हाई चाइना रिक्लेम्स साइबेरिया'' में जो बर्गेस एक कठोर परिदृश्य पेश करते हैं- एक भूमि के बिना लोगों के लिए लोगों के बिना भूमि, बर्गेस कहते हैं। भूमि उतनी ही संसाधन संपन्न और लोग-गरीब है जितना कि चीन इसके विपरीत है। उस तर्क का वजन क्रेमलिन को डराना चाहिए। प्यार की तरह, एक सीमा तभी वास्तविक होती है जब दोनों पक्ष उस पर विश्वास करते हैं। और चीन-रूसी सीमा के दोनों ओर, यह विश्वास डगमगा रहा है। साइबेरिया - रूस का एशियाई भाग, यूराल पर्वत के पूर्व में - विशाल है। यह रूस के भूमि द्रव्यमान का तीन-चौथाई हिस्सा लेता है, जो पूरे अमेरिका और भारत के बराबर है।

सीमा के दक्षिण में 1.35 अरब चीनी लोग रूस के 144 मिलियन लगभग 10 से 1 से अधिक हैं। यह विसंगति साइबेरिया के लिए और भी अधिक है, मुश्किल से 38 मिलियन लोगों का घर है, और विशेष रूप से सीमा क्षेत्र, जहां केवल छह मिलियन रूसी 90 से अधिक का सामना करते हैं। मिलियन चीनी। उस सीमा के पार अंतर्विवाह, व्यापार और निवेश के साथ, साइबेरियाई लोगों ने महसूस किया है कि, बेहतर या बदतर के लिए, बीजिंग मास्को की तुलना में बहुत करीब है। भूमि पहले से ही चीन को ''दुनिया का कारखाना'' प्रदान कर रही है, इसके अधिकांश कच्चे माल, विशेष रूप से तेल, गैस और लकड़ी के साथ। तेजी से, साइबेरिया में चीनी स्वामित्व वाली फैक्ट्रियों ने तैयार माल का मंथन किया जैसे कि यह क्षेत्र पहले से ही मध्य साम्राज्य की अर्थव्यवस्था का हिस्सा था। बीजिंग रूस की अपनी रणनीति का उपयोग कर सकता है- विवादित क्षेत्रों में सहानुभूति रखने वालों को पासपोर्ट सौंपें, और फिर अपने नागरिकों की रक्षा के लिए सैन्य रूप से आगे बढ़ें। यदि बीजिंग साइबेरिया को बलपूर्वक लेने का विकल्प चुनता है, तो मास्को इसे रोकने का एकमात्र तरीका परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता है।

इस साल 20 मई को प्रेस के साथ एक बैठक में, पुतिन ने थोड़ी रंगीन भाषा का इस्तेमाल करते हुए, साइबेरिया के एक टुकड़े को भी काटने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के दांत तोड़ने की धमकी दी। वह निश्चित रूप से अमेरिका या पश्चिम के बारे में नहीं सोच रहा होगा। चीनी तानाशाह शी जिनपिंग ने पिछले साल ही पुतिन को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया था।

लेकिन तमाम अच्छे-अच्छे बयानबाजी के बावजूद, चीन-रूस संबंधों की वास्तविकता उथली है। अमेरिका और मित्र देश क्वाड जैसे सामान्य मूल्यों या संरचनाओं के एक समूह के करीब आ गए हैं। रूस और चीन के मामले में दूर-दूर तक तुलनीय कुछ भी नहीं है; इस साझेदारी में, जो बिना किसी वास्तविक राजनीतिक एकीकरण के विशुद्ध रूप से लेन-देन है, रूस बहुत कनिष्ठ भागीदार है, चीन के साथ भौगोलिक रूप से विशाल, संसाधन-समृद्ध लेकिन कम आबादी वाले यूरेशियन पड़ोसी की नजर है।

निजता पर हमला है पेगासस मामला

प्रियंका चतुर्वेदी
(लेखिका राज्यसभा सदस्य हैं)

पिछले सप्ताह न्यूजब्रेक इंटरनेशनल के सनसनीखेज खुलासे से पता चला कि इस्राइली जासूसी साफ्टवेयर पेगासस के माध्यम से 300 से अधिक भारतीयों की जासूसी हो रही है। इस साफ्टवेयर में फोन को हैक कर उसकी फाइलों, दस्तावेजों, वायस कार्ड तथा हैक व्यक्ति के वीडियो तक पहुंचने की क्षमता है। इस सूची में पत्रकार, विपक्षी नेता, एक्टिविस्ट व कैबिनेट मंत्री तक शामिल हैं। अधिकांश नाम अवस्थापना-विरोधी हैं और उनकी जांच की कहानियों ने सरकार की अनेक विफलतायें उजागर की हैं। पेगासस प्रकरण ने एक बार फिर निजता की अवधारणा तथा इस बात पर सवाल उठाए हैं कि राज्य किस सीमा तक निजता अधिकारों में हस्तक्षेप कर सकता है। भारत में जासूसी का इतिहास नया नहीं है, पर पहली बार रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा में प्रयोग होने वाली संवेदनशील तकनीक का प्रयोग अनैतिक रूप से सरकार-विरोधी लोगों के संप्रेषणों तक पहुंचने के लिए हो रहा है। इस मामले का बचाव करने वाला कोई भी व्यक्ति लोगों के मूलाधिकारों को नुकसान पहुंचाने के खतरनाक रास्ते पर चलेगा।

यह विवाद सामने आने के बाद से ही आईटी मंत्री का एकमात्र बचाव यह है कि लोगों की निजता को सुरक्षा देने का कानून है तथा सरकारों द्वारा इसका पालन जरूरी है। भारत में निगरानी दो कानूनों-टेलीग्राफ एक्ट व इन्फार्मेशन टेक्नोलोजी एक्ट के अंतर्गत की जा सकती है। टेलीग्राफएक्ट का संबंध आडियो काल रिकार्ड और उनको पकड़ने से है, आईटी एक्ट का संबंध सभी इलेक्ट्रानिक संप्रेषण से है। लेकिन दोनों कानूनों में कमियां हैं और केन्द्र द्वारा इनको दूर करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। इनके द्वारा विपक्षी स्वरों की निगरानी होती है और उनको खामोश करने का प्रयास किया जाता है। भारत लोकतांत्रिक देश है और जनता लोकतंत्र के केंद्र में होती है। पेगासस जैसी घटनायें नागरिकों के मूलाधिकारों में हस्तक्षेप हैं। हालांकि, संविधान में निजता के अधिकार का उल्लेख नहीं है, पर यह संविधान के विभिन्न प्राविधानों में अंतर्निहित है।

2017 में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वसम्मत फैसले में माना है कि निजता का अधिकार मूलाधिकार है, जबकि केन्द्र सरकार ने इसके विपरीत राय रखी थी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निजता का अधिकार अंतर्निहित है। पुट्टास्वामी फैसले के अनुसार, 'किसी व्यक्ति को अपने पर्सनल डेटा पर नियंत्रण का अधिकार है और इस पर तथा अपने जीवन पर नियंत्रण का अर्थ उसके जीवन तथा इंटरनेट पर उसके अस्तित्व पर नियंत्रण होगा।' निगरानी के मुद्दे में निजता की अनुपस्थिति स्वतंत्रता व गरिमा के आदर्शों में हस्तक्षेप है जिनकी कल्पना भारतीय संविधान ने की है और इससे देश के नागरिक के विकास में बाधा आती है। डिजिटल संप्रेषण के इस युग में 'शून्य निगरानी' का अर्थ निजता के अधिकार से जुड़ा है। पेगासस आरोप हमारे उन लोकतांत्रिक आदर्शों का हनन करते हैं जिन पर हमारा देश आधारित है। इससे देश की संप्रभुता खतरे में पड़ती हे तथा यह देश के लिए गंभीर चिन्ता का विषय है क्योंकि यहां नागरिकों के डेटा व निजता की रक्षा के लिए जवाबदेह संस्थागत ढांचा उपलब्ध नहीं है। विश्वसनीय, संप्रभु व जवाबदेह ढांचे की अनुपस्थिति ने पूरे देश को ऐसे साइबर खुलासों की दया पर छोड़ दिया है। जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा पारदर्शिता लाने वाला पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल अनेक विसंगतियों से भरा है और अभी स्थाई समिति उसकी जांच कर रही है। भारत में तेजी से डिजिटल संप्रेषण व बिजनेस बढ़ा है तथा स्मार्टफोन अब विशिष्टता के बजाय जरूरत बन गए हैं। कोविड-19 के कारण डिजिटलीकरण प्रक्रिया और तेज हुई है। सारी चीजें उंगलियों पर उपलब्ध होने के कारण संप्रभु राष्ट्र के लिए जरूरी हो गया है कि वह एक उपयुक्त संस्थागत ढांचा तैयार करे।

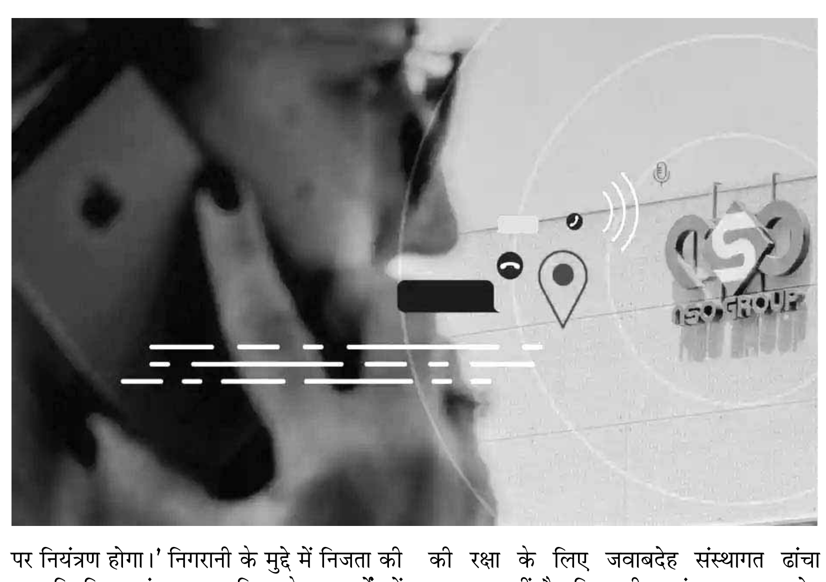

डिजिटल भारत में वर्ष 2025 तक 900 मिलियन इंटरनेट के सक्रिय प्रयोगकर्ता होंगे, लेकिन वह साइबर युद्ध के खतरे से परेशान है जिनका संचालन दूसरे देश कर सकते हैं। इसलिए व्यावहारिक है कि सरकार कठोर डेटा संरक्षण तथा निजता कानून बनाए तथा इनकी सुरक्षा के लिए एक ढांचा तैयार करे ताकि जनता के अधिकारों की सुरक्षा हो सके। स्मार्टफोन प्रयोग करने वालों की संख्या बढ़ने के साथ भारत में डेटा संरक्षण नीति होनी चाहिए। व्यवस्था में कमियों के कारण इस मुद्दे पर कोई जवाबदेही नहीं है कि डिजिटल डेटा का स्वामी कौन है। इस मामले में बिग बास जैसे रियलिटी शो पर गौर किया जा सकता है जहां हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है तथा आप इससे दूर नहीं हो सकते हैं।

डेटा में हस्तक्षेप का अर्थ लोगों से उनकी निजता और गरिमा छीनना हो सकता है। निगरानी में अनेक विपक्षी नेताओं के शामिल होने के कारण यह मामला राजनीतिक हो गया है और मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसद में रोज हंगामा हो रहा है। पारदर्शिता के हित में सरकार को इन आरोपों पर गौर करना चाहिए, पर वह इनको पूरी तरह खारिज करने में लगी है और अब तक उसने इसे भारत-विरोधी षडयंत्र बताया है। विभिन्न देशों द्वारा जासूसी मामले की जांच के बाद यह दृष्टिकोण हास्यास्पद लगता है। फ्रांस ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं तथा इस्राइल ने एक वरिष्ठ अंतर-मंत्रालयी समूह इस पर गौर करने के लिए बनाया है। लेकिन भारत सरकार अपनी स्थिति का बचाव कर रही है। प्रशासन में सीज़र की पत्नी का सिद्धान्त लागू होता है कि शासन करने वाला संदेह से परे होना चाहिए। लेकिन सरकार लगातार भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। यह विवाद नीतिगत ढांचे की अनुपस्थिति के कारण है जिसका लाभ सत्तारूढ़ लोग उठा सकते हैं। संवैधानिक मानकों के प्रति यह लापरवाही ठीक नहीं है, भले ही सत्ता में चाहे जो हो। अनेक लोगों का मानना है कि संविधान में लिखित उनकी स्वतंत्रतायें एक-एक कर छीनी जा रही हैं। यह समय इस मुद्दे पर बोलने, अपने अधिकारों की सुरक्षा करने तथा अपने दायित्वों के पालन का है। सरकार अपनी जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ सकती है तथा झूठ बोल कर जवाबदेही से बचने का प्रयास नहीं कर सकती है। सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता किसी के पास स्थाई नहीं होती है और उसे लोकतांत्रिक मानकों तथा संवैधानिक प्राविधानों का पालन करना चाहिए। देश के लोगों को यह अनुभव नहीं होने देना चाहिए कि उनके मूलाधिकार छीने जा रहे हैं। ऐसे अवसर पर खामोश रहने वालों के लिए बेंजामिन फ्रेंकलिन ने कहा था, 'जो लोग थोड़ी अस्थाई सुरक्षा के लिए आवयश्क स्वतंत्रता छोड़ देते हैं, उनको सुरक्षा या स्वतंत्रता नहीं मिलनी चाहिए।'

आप की बात

बच्चों की वैक्सीन

देश दुनिया में कोरोना महामारी ने लोगों को बर्बादी की राह पर लाकर छोड़ दिया। कोरोना की दूसरी लहर इतनी घातक सिद्ध हुई कि कही अपने कही रिश्ते मौत के आगोश में हमेशा हमेशा के लिए गहरी नींद सो गए। व अश्को के आंसुओ के सैलाब बह निकले। अब कोरोना की तीसरी लहर की संभावना व बच्चों की वैक्सीन की उम्मीद ये दोनों का तुलनात्मक विश्लेषण की सकारात्मक गवाही समय ही दे सकता है। परन्तु एम्स निदेशक डॉ गुलेरिया जी ने कहा कि कोवेक्सीन का परीक्षण अंतिम चरण में है । अगर सब कुछ ठीक रहा तो देश मे सितंबर तक बच्चों के लिए भी कोरोना रोधी वैक्सीन उपलब्ध हो जाएगी। निश्चित यह उम्मीद उन माता पिता की चिंता की लकीरों को रोकेगी जो अपने बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कोरोना की तीसरी लहर को लेकर चिंतित है। वर्तमान हालात पर नजर डाले तो कोरोना की रफ्तार नगण्य सी हो गई। व चिंताजनक हालात नही है। परन्तु आमजन व भीड़तंत्र के दृश्यों को देखा जाए तो लापरवाही का आलम व कोविड नियमो की अनदेखी तीसरी लहर को आमंत्रण की मौन स्वीकृति देती नजर आ रही है। समझ से परे लगता है कि लोग कोरोना को हल्के में लेकर पुन: लापरवाही बरतने लगे।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

देश की बात

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकाशवाणी से मनकी बात कार्यक्रम की79कड़ी में लोगो से आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत महोत्सव मनाने की अपील किया। गांधीजी ने अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन चलाया।आज भारत जोड़ो आंदोलन चलाने की जरूरत है। स्वदेशी उत्पादों का अधिकाधिक प्रयोग और स्थानीय उत्पादों को खरीदने की ओर आमजन का ध्यान होना चाहिये। प्रधानमंत्री के माई गाव पोर्टल पर युवाओं द्वारा अधिक सुझाव भेजे गए। प्रधानमंत्री ने देश मे राष्ट्रवाद की भावना बढ़ाने के लिये याद करो कुर्बानी, अमृत महोत्सव महापुरुषों के नाम पर अनेक कार्यक्रम शुरू किये। लेकिन बढ़ती हुई महंगाई पर रोक, बेरोजगारी समस्या, आतंकवाद, अराजकता, भ्रष्टाचार और लचर प्रशासनतन्त्र के कारण कराहते देश की ओर ध्यान देने की जरूरत है। कोरोना महामारी से त्रस्त देश मे सरकार द्वारा हर सम्भव लोगों को सहायता उपलब्ध कराने का भागीरथी प्रयास किया गया। लेकिन प्रशासनतन्त्र ने सरकार का अपेक्षित सहयोग नही किया। अमृत महोत्सव देश के प्रशासनतन्त्र और प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय, जवाबदेह बनाकर ही सफल हो सकता है।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

हरित ऊर्जा की ओर

कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न आर्थिक और सामाजिक व्यवधान विनाशकारी साबित हुए हैं। लाखों उद्यमों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। महामारी के कारण अनौपचारिक अर्थव्यवस्था से सम्बद्ध कर्मी विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश समाज सुरक्षा और गुणवत्ता पूर्व स्वास्थ्य देखभाल पहुंच की कमी से प्रभावित हैं और अर्थव्यवस्था में उत्पादक आस्तियों और मांग तक अपनी पहुंच काफी कम है। भारत को वी आकार की रिकवरी की आवश्यकता है और इसके लिए एक वृहत मांग प्रोत्साहन दिया जाना काफी महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में एक हरित प्रोत्साहन आवश्यक है जो की मांग उत्पन्न करने वाली प्रदूषण की समस्या को संबोधित करने और हरित ऊर्जा की ओर ट्रांजिशन या अवस्थान्तर में तेजी लाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है। बताते चलें कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का बहुत अधिक प्रभाव मिला है जैसे कि जीडीपी विकास दर पर, ऑटोमोबाइल उद्योग पर, फार्मास्युटिकल्स पर, और विनिर्माण और अन्य क्षेत्रों पर।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

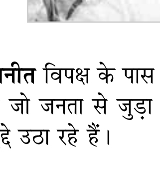

मैं भारत के लिए पहला पदक जीतकर बहुत प्रसन्न हूं। मैं सिर्फ मणिपुर की ही नहीं सारे देश की हूं।

–**एसएम चानू**
ओलम्पिक रजत पदक विजेता

कांग्रेसनीत विपक्ष के पास उठाने को ऐसा कोई मुद्दा नहीं है जो जनता से जुड़ा हो। इसीलिए वे स्नूपगेट जैसे मुद्दे उठा रहे हैं।

– **जेपी नड्डा**
भाजपा अध्यक्ष

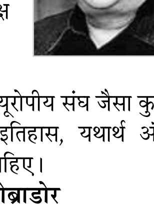

लातिनी अमेरिकी राज्यों को यूरोपीय संघ जैसा कुछ करना चाहिए मगर हमारे इतिहास, यथार्थ और अस्मिताओं से जुड़ा रहना चाहिए।

–**एएमएल ओब्राडोर**
मैक्सिको के राष्ट्रपति

कोरोना अभी खत्म नहीं, प्रोटोकॉल का पालन करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। थोड़ी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। इसके साथ ही सीएम ने कोविड संक्रमण से बचाव और उपचार के सम्बन्ध में ट्रेस, टेस्ट एण्ड ट्रीट की नीति को प्रभावी ढंग से लागू रखने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को अपने सरकारी आवास पर में कोविड.19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि अलीगढ़, बदायूं, बस्ती, बहराइच, एटा, फतेहपुर, हमीरपुर, हाथरस, कासगंज, महोबा और श्रावस्ती में कोविड का एक भी मरीज नहीं है। यह सभी जनपद कोरोना संक्रमण से मुक्त हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण के सम्बन्ध में विशेषज्ञों के भविष्य के आकलनों के दृष्टिगत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर सम्पन्न किया जाए। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मेडिकल कॉलेजों में पीडियाट्रिक आईसीयू के निर्माण की कार्यवाही पूरी गति से संचालित है। मेडिकल कॉलेजों में अब तक 6,522 से अधिक पीकू आइसोलेशन बेड तथा स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में लगभग 3,000 पीकू-आइसोलेशन बेड स्थापित किये जा चुके हैं। राज्य में ब्लैक फंगस के मरीजों को दवा की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में 549 ऑक्सीजन संयंत्रों के निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई हैं। इनमें से 234 ऑक्सीजन संयंत्र स्थापना के पश्चात क्रियाशील हो गये हैं। मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण के सम्बन्ध में भविष्य के आकलनों के दृष्टिगत बड़ी संख्या में कोरोना वैक्सीनेशन कराये जाने पर बल देते हुए कहा कि कोरोना वैक्सीन की निरन्तर एवं पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कोरोना टीकाकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जाए। टीकाकरण का कार्य निर्बाध एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए। कोविड वैक्सीनेशन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि गत दिवस तक प्रदेश में 4 करोड़ 44 लाख 12 हजार 776 वैक्सीन डोज दी जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर हेल्थ एटीएम की स्थापना की जाए, जिसमें एक प्रशिक्षित पैरामेडिक्स की तैनाती भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में कई औद्योगिक समूह तथा सामाजिक संस्थाएं प्रदेश में योगदान देना चाहती हैं। इनका उपयोग हेल्थ एटीएम की स्थापना में किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 9 जनपदों में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों के अवशेष कार्य को तेजी से पूरा किया जाए।

घर पहुंचने से पहले ही हो गया समस्या का समाधान

- जनता दर्शन कार्यक्रम में सीएम योगी से गोंडा की विमला ने लगाई थी रास्ते की गुहार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राह बिना बहुत दिक्कत होत रहल। चारों तरफ से घेर दिहले रहलअ। कौनो राहि नाहि देखाइत रहल कि का करीं। ई हमरे खरतिन सपना जइसन हवे। ओहर बाबा से मिलली, ऐहर राहि मिल गईल। मुख्यमंत्री योगी जी कै बहुत बहुत धन्यवाद। जब तक हमार जिनगी रही, उन कर गुणगान करअब। जिनगी भर करअब बाबा कै गुणगान। यह भाव हैं गोंडा जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र की ग्राम खोखिया निवासी विमला देवी के। वह आज सुबह जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिली थीं। सीएम योगी को दिए प्रार्थना पत्र में उन्होंने कहा था कि उनका घर पुरानी आबादी में है और कुछ लोगों ने जबरन दबंगई के बल पर दीवार खड़ी कर रास्ते को पूरी तरह से बंद कर दिया है, जिससे उनका आने जाने का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है।

इस बारे में एसडीएम ने रास्ते को खाली कराने आदेश दिया था, लेकिन रास्ता खाली नहीं हुआ। उनकी समस्या पर सीएम योगी ने उन्हें समाधान कराने का आश्वासन दिया था। विमला लखनऊ से अपने घर तक पहुंचतीं, इससे पहले ही जिला प्रशासन ने उन्हें आठ फिट का रास्ता दिला दिया। इस बारे में जब उनसे बात की गई, तो उन्होंने बताया कि हम घर पहुंचै वाला हईं, लेकिन फोन आ गईल बा कि राहि मिल गईल। बाबा बहुत बड़ा किरपा कइलें।

नागरिक-सरकार सहभागिता का बड़ा प्लेटफॉर्म होगा माई गव

- केंद्रीय संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया प्लेटफार्म का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार सरकार-नागरिक सहभागिता के राष्ट्रीय मंच माई गव पर उपलब्ध हो गई है। योगी सरकार की इस अभिनव प्रयास के बाद सरकारी नीति तय करने में रायशुमारी करनी हो या फिर जनहित के कार्यक्रमों का फीडबैक, युवाओं के इनोवेटिव आइडिया लेना हो अथवा किसी मुद्दे पर चर्चा-विमर्श, यूपी में इन विषयों के लिए लोगों के पास एक और मंच उपलब्ध हो गया है।

सोमवार को केंद्रीय संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माई गव प्लेटफर्म का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा संचालित शासन की एक व्यवस्था है। वर्ष 2014 के पहले सरकार में जनभागीदारी नगण्य थी। आमजन की भावनाओं, विचारों के लिए कोई स्थान नहीं था लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार बनने के मात्र दो माह के भीतर जुलाई में माईगव प्लेटफार्म की शुरुआत की गई। प्रधानमंत्री ने तकनीक के माध्यम से लोकतंत्र की जिन भावनाओं को साकार रूप प्रदान करने के लिए जिस कार्य का शुभारंभ किया थाए आज सात वर्ष में उसने सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया है। सीएम ने कहा कि कोरोना कालखंड में हम लोगों ने तकनीक के उपयोग को महसूस किया कि कैसे एक साथ करोड़ों लोगों तक पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचा सकते हैं। अस्सी हजार से अधिक फेयर प्राइस शॉप में ई.पॉश मशीन लगाकर उसे सरकार के पोर्टल से जोड़ा। आज 15 करोड़ से अधिक लोगों को पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम का लाभ दे रहे हैं। पहले से अधिक मात्रा में लोगों को खाद्यान्न वितरित हो रहा है और हर इसके माध्यम से 1ए200 करोड़ तक की बचत भी कर रही है। सीएम योगी ने माईगव मंच के माध्यम से युवाओं के इनोवेटिव विचारों को प्रोत्साहन देनेए नीतियों पर चर्चा करने आदि विषयों के अच्छे परिणाम की सराहना करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के इस मंच से जुड़ने को प्रदेशवासियों के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम में केंद्रीय संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि माईगव डिजिटल डेमोक्रेसी की दिशा में एक कदम है। बीते सात वर्षों में इस प्लेटफार्म ने जनता के विचारों को सरकार की नीतियों का आधार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज इसके सात वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, ऐसे खास मौके पर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश का इस मंच पर आगमन होना, इसकी सफलता को और विस्तार देने वाला होगा।

इससे पहले, माईगव के सीईओ अभिषेक सिंह ने माईगव के सात वर्षों के सफर का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और 15वें राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश के शामिल होने पर राज्य सरकार के प्रति आभार जताया। वर्चुअल माध्यम से सम्पन्न इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने आभार ज्ञापन किया।

समाज के हर वर्ग को भाजपा से जोड़ने का काम करना हैः स्वतंत्र देव

- निचले स्तर तक संगठनात्कक इकाईयों का गठन अगस्त तक पूरा होगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

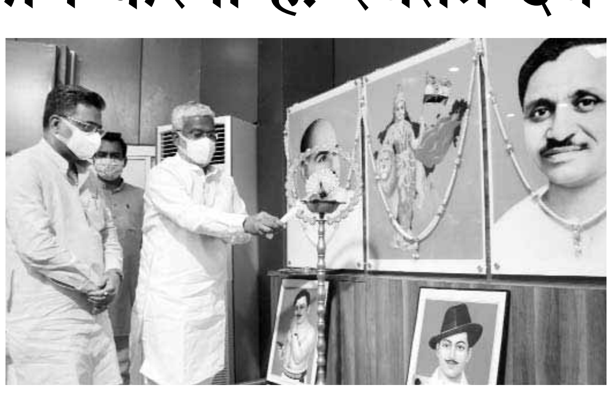

बीजेपी के प्रकोष्ठों व विभागों के नवनियुक्त सयोंजकों, सहसंयोजकों की बैठक में पार्टी के प्रकोष्ठों विभागों के कार्यो पर चर्चा के साथ ही निचले स्तर तक विभागों प्रकोष्ठों की संगठनात्मक इकाईयों का गठन अगस्त में पूर्ण करने का निर्णय लिया गया।

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए विभागों-प्रकोष्ठों के नवनियुक्त संयोजकों और सह संयोजकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संगठन कों सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी, सर्वग्राही बनाते हुए समाज के हर वर्ग को भाजपा से जोड़ने का काम करना है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी-योगी नेतृत्व में राज्य की भाजपा सरकार ने गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गो के कल्याण के लिए योजनाऐं बनाकर कार्य किया है। सरकार में दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योंदय का स्वपन साकार हो रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने नवनियुक्त संयोजकों-सह संयोजकों का आहवान किया कि वे अपने अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करते हुए अभी से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाये। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है। विपक्ष आज मुद्दा विहीन है इसीलिए वह झूठ और भ्रम के सहारे लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है।

कृषि कानूनों के खिलाफ होगी मुजफ्फरनगर में किसानों की महारैली

- लखनऊ को भी घेरने की दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ आठ माह से आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर में महारैली और उत्तर प्रदेश राज्य के सभी मंडल मुख्यालयों पर महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की है। मोर्चा ने उत्तर प्रदेश में अपने आंदोलन के लिए चार चरणों की रणनीति बनाई है। किसान नेताओं ने दिल्ली की तरह लखनऊ को भी चारों तरफ से घेरने की चेतावनी दी है।

यहां प्रेस क्लब में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले आयोजित पत्रकार वार्ता में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत, जय किसान आंदोलन के प्रोफेसर योगेंद्र यादव, राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के शिवकुमार कक्का जी, जगजीत सिंह दल्लेवाल और डॉक्टर आशीष मित्तल समेत कई नेताओं ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों के कार्यक्रमों का विरोध और उनके नेताओं का बहिष्कार करने के ऐलान के साथ आंदोलन के अगले कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। राकेश टिकैत ने कहा, अब लखनऊ को भी दिल्ली की तरह बनाया जाएगा और जिस तरह दिल्ली में चारों तरफ के रास्ते सील हैं, ऐसे ही लखनऊ के चारों तरफ के रास्ते किसानों द्वारा सील किए जाएंगे। हम इसकी तैयारी करेंगे। टिकैत ने कहा, तीन किसान विरोधी कानूनों को रद्द करने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर चल रहा ऐतिहासिक किसान आंदोलन आठ माह पूरे कर चुका है। इन आठ महीनों में किसानों के आत्मसम्मान और एकता का प्रतीक बना यह आंदोलन अब किसान ही नहीं देश के सभी संघर्षशील वर्गों का लोकतंत्र बचाने और देश बचाने का आंदोलन बन चुका है।

एटीएस को अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों से लैस करने के लिए डीजीपी ने मांगा प्रस्ताव

- पुलिस प्रमुख ने नवनिर्मित आउटडोर जिम का किया लोकार्पण किया संवाद व सुनीं समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पुलिस महकमे से संबंधित सभी यूनिटों की कार्यप्रणाली के बारे में बारी बारी जानकारी हासिल कर रहे डीजीपी मुकुल गोयल ने सोमवार को आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के अमौसी स्थित मुख्यालय का निरीक्षण किया।

इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक-पुलिस महानिदेशक के जीएसओ रवि जोसेफ लोक्कू ,आईजी एटीएस डॉ जीके गोस्वामी भी साथ रहे। डीजीपी ने एटीएस परिसर में नवनिर्मित आउटडोर जिम का लोकार्पण किया। इस दौरान आईजी एटीएस द्वारा एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। जिसमे एटीएस की आतंरिक संरचना, कार्य कौशल, तकनीकी दक्षता एवं विशिष्ट उपकरणों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस अवसर पर स्पेशल पुलिस ऑपरेशन टीम के जवानों द्वारा प्रशिक्षण के विभिन्न आयामों का सूक्ष्म प्रदर्शन किया गया। डीजीपी द्वारा जवानों का हौसला बढ़ाते हुए सभी अधिकारियों व कार्मिकों के साथ सैनिक सम्मलेन कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनसे संवाद भी किया। डीजीपी द्वारा एटीएस परिसर में वृक्षारोपण किया गया। प्रभारी एटीएस ने निकट भविष्य की योजनाओं के विषय में अवगत कराया।

लम्बित प्रकरणों के निस्तारण में न हो विलम्बः सीएस

लखनऊ। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के लम्बित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रकरणों के निस्तारण में प्रक्रियात्मक विलम्ब न हो। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण के प्रकरणों को निर्धारित समयसारिणी के अनुसार निस्तारित किया जाये ताकि निर्माण कार्य टाइम लाइन के अनुसार पूरे किये जा सकें और प्रोजेक्ट के पूरा होने में किसी भी प्रकार का विलम्ब न हो। कपितय प्रकरण न्यायालयों में विचाराधीन होने के कारण हो रहे विलम्ब पर उन्होंने प्रभावी पैरवी कर उक्त प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कराने के निर्देश दिए। बैठक का संचालन करते हुए प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग नितिन रमेश गोकर्ण ने बताया कि कॉरीडोर के अन्तर्गत 56 आरओबी बनाये जाने हैं जिनमें से 17 का निर्माण पूरा हो गया है तथा 39 पर कार्य चल रहा है। भूमि अधिग्रहण आदि के 19 इश्यूज हैं जिन पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर का 1058 किमी हिस्सा प्रदेश से गुजर रहा है।

अपने घोषणा पत्र की भी उपेक्षा कर रही है भाजपाः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि जबसे भाजपा सरकार सत्ता में आई है किसानों की दशा बिगड़ती गई है। खेती के काम आने वाली हर चीज मंहगी हो गई है और किसान के उत्पाद की लागत का डेढ़ गुना दिलाने तथा 2022 तक किसान की आय दुगनी करने के वादे सिर्फ वादे बनकर रह गए हैं। भाजपा अपने संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) की भी उपेक्षा कर रही है। वादों का न निभाना भ्रष्टाचार से कम नहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि डीजल, बिजली, खाद, बीज, कीटनाशक सबके दाम आसमान छू रहे हैं। धान की खेती की लागत 40 प्रतिशत बढ़ गई है। ट्रैक्टर से खेती की जुताई भी डेढ़ गुना मंहगी है। पहले से अब मजदूरी भी ज्यादा मंहगी हो गई है। कोरोना संकट, बेरोजगारी, महंगे परिवहन से सबसे ज्यादा छोटे किसान परेशान हुए हैं। उत्तर प्रदेश में बिजली की दरें सबसे महंगी है। गन्ना किसानों की हालत बहुत खराब है। भाजपा सरकार ने गन्ना किसानों की घोर उपेक्षा की है। भाजपा सरकार के पांच वर्ष होने को है लेकिन गन्ने की कीमत में एक रूपया की भी वृद्धि नहीं की गई है। चीनी मिल मालिक पूरी तरह अपनी मनमानी पर उतर आए हैं। 12 हजार करोड़ रूपए से ज्यादा किसानों का बकाया है। सत्ता में आने के 14 दिनों के अंदर ही बकाया भुगतान का भाजपा सरकार ने वादा किया था। यह किसानों के साथ अन्याय है।

कांग्रेस के नक्शे कदम पर चल रही भाजपाः मायावती

लखनऊ। शिक्षामित्रों के मानदेय बढ़ाये जाने की संभावना को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इसे चुनावी राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के नक्शेकदम पर चल रही है। सोमवार को ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि अगर यह खबर सही है कि यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ सकता है तो यह काफी विलम्ब से उठाया गया कदम है, यह कार्य बहुत पहले हो जाना चाहिये था। जबकि चुनाव के नजदीक ऐसे फैसले करना कांग्रेसी कल्चर रहा है जिसपर अब भाजपा भी चल रही है। जनता यह सब समझती है। उन्होंने आगे कहा कि जबकि बीएसपी की कार्यशैली ऐसी संकीर्ण चुनावी सोच से हमेशा अलग व पाक साफ रही है। इसी कारण सन् 2007 में सरकार बनते ही हमने अपरकास्ट की भर्ती पर लगी रोक को तुरन्त हटाया।

कारपोरेट जगत की समर्थक भाजपा सरकार के एजेंडे में कभी नहीं रहा किसानः लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहां है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब-जब प्रदेश और केन्द्र में आई हमेशा से कारपोरेट जगत की समर्थक रही है किसान कभी इनके एजेंडे में नही रहा है। उन्होंने कहा कि काले कृषि कानून आने के पहले मंडियां बनाना शुरू हो गई थी। स्पष्ट है कि कारपोरेट के दबाव में यह कानून ले आया जा रहा था। जहां किसानों का हित न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी रूप देने में होता वहीं ऐसा न करके बिना किसानों के सलाह के वह कानून थोपे गये जिससे किसान सड़क पर आ गए। उन्होंने आगे कहा कि किसानों की शहादत का भी यह सरकार उपहास उड़ा रही है इनके जिम्मेदार मंत्री किसानों को अपशब्दों से नवाजते है, जो इस सरकार की मानसिकता दर्शाता है। किसानों के हित के लिए एमएसपी को कानूनी दर्जा दिलाने के लिए तीनों कानूनों के रद्द करने के लिए हम संघर्ष करते रहेंगें। सरकार के पास किसानों के शहादत का कोई रिकार्ड नहीं है इतनी असंवेदनशीलता इस सरकार को बहुत भारी पड़ेगी। लल्लू ने कहा कि किसानों के हित में आवश्यक वस्तु अधिनियम जो किसानों को सुरक्षित करता थाए कालाबाजारी से रोकता था उसे कारपोरेट के इशारे पर समाप्त करने का प्रावधान लाया गया। खाद्य पदार्थ तेल, आलू, प्याज, दाल, तिलहन को आवश्यक वस्तु मानते हुए कालाबाजारी से रोका जाता था।

सपा जांच कमेटी आज गोरखपुर में पीड़ित परिवार से मिलेगी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर 6 सदस्यीय जांच कमेटी 27 जुलाई 2021 को जनपद गोरखपुर पहुचंकर ग्राम उनवली के पूर्व प्रधान अनिल कन्नौजिया के छोटे भाई अनीस कन्नौजिया ग्राम पंचायत अधिकारी की गोपालपुर चौराहे पर दिनदहाड़े हत्या की जांच करेगी और पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना देगी। समाजवादी पार्टी की जांच कमेटी में सन्तोष यादव सदस्य विधान परिषद, श्रीपति आजाद पूर्व विधायक महाराजगंज, डॉ राम करन निर्मल प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी उत्तर प्रदेश, रामभुआल निषाद पूर्व मंत्री , अवधेश यादव पूर्व प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश एवं कृष्ण कुमार त्रिपाठी पूर्व महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी गोरखपुर शामिल हैं।

साइबर क्राइम के अब तक 528 मुकदमे दर्ज, 385 गिरफ्तार

- साइबर अपराध के मामलों में हो रही है प्रभावी कार्रवाईः अवनीश अवस्थी
- पांच करोड़ 63 लाख 47 हजार रुपए से अधिक की हो चुकी है बरामदगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा है कि साइबर अपराध के मामलों में उत्तर प्रदेश में प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर खोले गये परिक्षेत्रीय साइबर क्राइम थानों द्वारा अब तक कुल 385 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर इनसे 5 करोड़ 63 लाख 47 हजार रुपए से अधिक की बरामदगी की गयी है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के परिक्षेत्रीय साइबर क्राइम थानों में अब तक कुल 528 अभियोग पंजीकृत किये गये हैं, जिनमें से 126 अभियोगों का अनावरण करते हुये उक्त कार्यवाही की गयी है तथा शेष पर कार्यवाही प्रगति पर है। महिलाओं के साथ घटित होने वाले साइबर अपराधों की शिकायत पर सुगमता से कार्यवाही हेतु प्रत्येक साइबर थाने में महिला साइबर क्राइम सेल भी संचालित कराया जा रहा है। प्रदेश के सभी परिक्षेत्रीय साइबर थानों को पर्याप्त उपकरणों एवं संसाधनों की व्यवस्था की गयी है। शासन द्वारा नये साइबर थानों को और अधिक सुदृढ़ करने एवं डाटा सम्बन्धी कार्यो आदि के लिये और बेहतर परिणाम हेतु 32 करोड़ 80 लाख रुपए की धनराशि दी गयी है। इस धनराशि से सभी साइबर थानों के साइबर लैब हेतु डाटाबेस मैनेजमेंट, फारेन्सिक टूल्स, डेटा एनेलिसिस साफ्टवेयर, डेटा एक्सट्रैक्शन साफ्टवेयर आदि की व्यवस्था किये जाने के प्रयास किये गये हैं। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रदेश में अब तक एनसीसीआरपी पोर्टल पर कुल 49779 शिकायतें एवं एमएचए से कुल 21512 टिप लाइन शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनका निस्तारण सम्बन्धित जनपदों एवं साइबर क्राइम थानों द्वारा कराया जा रहा है। साइबर क्राइम मुख्यालय द्वारा अब तक कुल 12547 संदिग्ध मोबाइल नम्बरों को बंद किये जाने हेतु रिपोर्ट किया गया है। साइबर क्राइम के अन्वेषण के सम्बन्ध में संचालित लैब में अब तक कुल 1363 राजपत्रित, अराजपत्रित पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह भी उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में स्थापित साइबर थाना लखनऊ व गौतमबुद्धनगर के अलावा सभी 16 परिक्षेत्रीय स्तर पर एक एक साइबर क्राइम थाने क्रमशः आगरा, अलीगढ़, प्रयागराज, चित्रकूटधाम, बरेली, मुरादाबाद, गोरखपुर, बस्ती, देवीपाटन, कानपुर, झांसी, अयोध्या, सहारनपुर, आजमगढ़, मिर्जापुर व वाराणसी की स्थापना की गयी है। शासन द्वारा इन थानों को सुचारू रूप से संचालित किये जाने हेतु 384 पदों का सृजन भी किया गया है। साइबर क्राइम थानों के नियंत्रण एवं राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण हेतु अपर पुलिस महानिदेशक के निर्देशन में सिग्नेचर बिल्डिंग में साइबर क्राइम मुख्यालय पर साइबर क्राइम सेल संचालित किया जा रहा है।

अपर पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम राम कुमार ने बताया कि साइबर अपराधियों द्वारा पीड़ित व्यक्तियों के बैंक खाते से धोखाधड़ी कर निकाली गयी धनराशि को यथाशीघ्र अपराधियों के खातों में फ्रीज कराकर पीड़ित को वापस कराने के लिए टोल फ्री नम्बर.155260 संचालित किया गया है, जो चौबीसों घण्टें क्रियाशील है।

नवनिर्वाचित प्रधानों के संबंधी उसी गांव में नहीं हो सकेंगे ग्राम रोजगार सेवक

लखनऊ। ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता लाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने जिन ग्राम पंचायतों में नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों के निकटस्थ परिवारीजन ग्राम रोजगार सेवक के पद पर तैनात हैं, वहां नये ग्राम रोजगार सेवक का चयन करने का निर्णय लिया है। पुराने ग्राम रोजगार सेवक के अनुभव का लाभ प्राप्त किये जाने हेतु निकट के ग्राम पंचायत की सहमति पर सम्बंधित ग्राम पंचायत में की जा सकेगी। ग्राम्य विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की तरफसे इस बाबत सभी जिलाधिकारियों तथा जिला कार्यक्रम समन्वयकों को निर्देश जारी कर दिये गए हैं। जारी आदेश के मुताबिक आपसी सहमति से दो ग्राम पंचायतें अपने ग्राम रोजगार सेवकों का परस्पर स्थानान्तरण जनपद स्तरीय अधिकारी को प्रस्ताव भेज कर, प्रस्ताव की सहमति प्राप्त करने के पश्चात कर सकती हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2021 संपादित हुए हैं। प्रदेश में कतिपय ग्राम पंचायतों में नव निर्वाचित ग्राम प्रधानो के निकटस्थ परिवारजन मनरेगा योजना के तहत ग्राम रोजगार सेवक के पर पर भी तैनात हैं। जिससे विभागीय कार्यों की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ ही योजना के उद्देश्यों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना है।

सांसद आदर्श ग्राम योजना में चयनित गांवों में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाए

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य सचिव आरके तिवारी की अध्यक्षता में सांसद आदर्श ग्राम योजना के क्रियान्वयन के लिए गठित अधिकार प्राप्त समिति की बैठक को संबोधित करते हुए सीएस ने कहा कि सांसद आदर्श ग्राम योजना एक महत्वपूर्ण योजना है जिसका अनुश्रवण भारत सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। अतः सभी विभाग सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत चयनित ग्रामों में अपनी विभागीय योजनाओं व बजट को इन ग्रामों के विकास कार्यो में प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि जो परियोजनायें पूर्ण होती जाए। उन्हें तत्काल पोर्टल पर अपडेट भी कर दिया जाये। उन्होंने सभी परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के भी निर्देश दिये। इससे पूर्व बैठक में बताया गया कि सांसद आदर्श ग्राम योजना दो फेज में लागू की गयी है जिसमें प्रथम फेज 2014-19 में प्रत्येक सांसद को वर्ष 2019 तक 3 चयनित ग्रामों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अभिसरण द्वारा संतृप्त करते हुए आदर्श ग्राम बनाया जाना है। द्वितीय चरण में प्रत्येक सांसद द्वारा वर्ष 2019 से 2024 तक, प्रत्येक वर्ष में एक ग्राम, इस प्रकार कुल 5 ग्रामों को आदर्श ग्राम बनाया जाना है। प्रदेश में लोकसभा के 80 सांसद तथा राज्यसभा के 31 सांसद है जिनमें से अधिकांश सांसदगणों द्वारा ग्रामों का चयन किया जा चुका है। अवशेष ग्रामों के चयन के लिए सांसदगणों से अनुरोध किया गया है। योजना में करीब 32 विभागों की योजनाओं के पांचों चरणों में 761 कार्य लम्बित है।

रक्षा करारों में कांग्रेस का सिद्धांत मिशन नहीं बल्कि कमीशन होता था

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि रक्षा सौदों में उसका सिद्धांत मिशन नहीं कमीशन हुआ करता था जबकि उनकी पार्टी राष्ट्रवाद की प्रतीक है। करगिल विजय दिवस की 22वीं वर्षगांठ के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने देश की सुरक्षा के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जमकर सराहना की और कहा कि इनसे देश की सुरक्षा को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा, कांग्रेस का सिद्धांत था नो डिसीजन इज द बेस्ट डिसीजन (फैसला नहीं

लेना ही सर्वश्रेष्ठ फैसला है)...कोई निर्णय मत लो...और जब सौदेबाजी करनी है तो देयर शेल नॉट बी मिशन, देयर शुड बी कमीशन (मिशन नहीं होना चाहिए बल्कि कमीशन होना चाहिए)...यही लेकर वह आगे चलते थे। नड्डा ने कहा, अच्छा नहीं लगता कि रक्षा के बारे में ऐसी बात करें लेकिन इसी तरीके से इन लोगों ने सरकार चलाई। उन्होंने कहा कि

● भाजपा राष्ट्रवाद की प्रतीक है : नड्डा

कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में भारतीय सेना के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया रूक गई थी जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में इसमें बहुत तेजी आई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों पर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एयर और सर्जिकल स्ट्राइक कर भारत ने दिखा दिया है कि भारत मतलब सिर्फ व्यवसाय, व्यवसाय और व्यवसाय। उन्होंने कहा, मोदी जी के आने के बाद 36 राफेल फाइटर एयरक्राफ्ट का बेड़ा भारत में मौजूद है। 28 अपाचे हेलीकॉप्टर, 15 चिनूक चॉपर्स, 145 अल्ट्रा लाइट होवित्जर तोपें, 100 वज्र आर्टिलरी गन हमारे यहां मौजूद हैं। आज भारत बुलेट प्रूफ जैकेट का निर्यात कर रहा है।

नड्डा ने दावा किया कि पहले दुश्मन के खिलाफ जवाबी हमला करने के लिए सेना को सरकार की अनुमति का इंतजार करना पड़ता था लेकिन अब मोदी सरकार में उसे खुली छूट दी गई है। पहले कोई आतंकी भारत में आकर ढाई वर्ष तक उत्पात मचाता रहता था। आज किसी आतंकवादी की उम्र भारत में आने के बाद एक से डेढ़ सप्ताह की है। फौज वही है, लेकिन नेतृत्व ठीक न हो तो आतंकी ढाई साल तक उत्पात मचाता है और नेतृत्व ठीक हो तो ढाई सप्ताह में शांत कर दिया जाता है।

मानव तस्करी में सजा काट चुकी बांग्लादेशी महिला को स्वदेश भेजा जाएगा

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

मानव तस्करी के जुर्म में सजा काटने के बाद इंदौर के जिला जेल से रिहा हुई 37 वर्षीय एक बांग्लादेशी महिला को उसके मुल्क भेजने की तैयारी की जा रही है क्योंकि उसके पास भारत में रहने की मंजूरी का कोई भी वैध दस्तावेज नहीं है। पुलिस की एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एनआईईटीटी में आधुनिक शैक्षणिक प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की शुरुआत

कोच्चि। नौसेना शैक्षिक प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईटीटी) के स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह में एक आधुनिक शैक्षणिक प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की शुरुआत की गई है। इस साल 25 अप्रैल को राष्ट्र की सेवा में 50 वर्ष पूरे किए।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा गुवाहाटी में युद्ध स्मारक पर कारगिल विजय दिवस समारोह के दौरान पुष्प अर्पित करते हुए

केरल में जीका वायरस से कुल संक्रमितों की संख्या 51 हुई

तिरुवनंतपुरम। केरल में तीन और लोगों के जीका वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही राज्य में जीका वायरस से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है। यह जानकारी राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि तिरुवनंतपुरम के रहने वाले क्रमश: 53 , 21 और 30 वर्षीय व्यक्तियों के जीका वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इनके नमूनों की जांच यहां के चिकित्सा महाविद्यालय स्थित विषाणुरोग विज्ञान प्रयोगशाला में हुई। अब तक, हमने जीका वायरस से संक्रमण के 51 पुष्ट मामले दर्ज किए हैं जिनमें से इस समय पांच मरीजों का इलाज चल रहा है।

आंध्र प्रदेश में 1,627 नए मामले सामने आए

अमरावती। आंध्र प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के।,627 नए मामले सामने आए जिसके बाद मामलों की कुल संख्या बढ़कर 19,56,392 हो गई। स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा गया कि सोमवार सुबह नौ बजे तक पिछले 24 घंटे में इस महामारी से 17 और मरीजों की मौत हो गई तथा 2,017 लोग ठीक हुए। बुलेटिन के अनुसार महामारी से अब तक 13,273 मरीजों की मौत हो चुकी है और 19,21,371 लोग ठीक हो चुके हैं।

तेलंगाना में जिलेटिन की एक हजार छड़ें और तीन हजार डेटोनेटर बरामद

हैदराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में पुलिस ने एक इमारत से डेटोनेटर और जिलेटिन की छड़ें सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पेड्डेमुल स्थित इमारत से पुलिस को करीब तीन हजार डेटोनेटर, जिलेटिन की।,160 छड़ें और 800 मीटर बिजली की तार मिली है। इससे एक दिन पहले 19 वर्षीय चरवाहा अपने घर में रहस्यमई विस्फोट में घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि चरवाहे का हैदराबाद के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सहभागी शासन का प्रभावी उदाहरण बना हुआ है माईगव : प्रधानमंत्री

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि नागरिकों को सरकार से जुड़ने और सुशासन के लिए अपना योगदान देने का अवसर प्रदान करने का मंच माईगव सहभागी शासन का प्रभावी उदाहरण बना हुआ है और यह

युवाओं को आवाज दे रहा है। प्रधानमंत्री ने यह बात माईगव मंच के सात साल पूरे होने के अवसर पर कही। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने इस मंच की शुरुआत की थी। एक ट्वीट में माईगव इंडिया ने कहा, हमारे सात साल के सफर को अतुलनीय बनाने के लिए माईगव के सभी साथियों को धन्यवाद। माईगव डॉट इन पर अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिए आप सभी का बहुत धन्यवाद। इसके साथ मंच की ओर से एक वीडियो भी साझा किया गया, जिसमें उसकी उपलब्धियों का ब्योरा दिया गया है।

बाढ़ प्रभावितों को जल्द मिलेगी राहत : पवार

● उपमुख्यमंत्री ने सांगली के बाढ़ प्रभावित गांवो का दौरा किया

भाषा। पुणे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सांगली जिले के बाढ़ प्रभावित कई गांवों का सोमवार को दौरा करने और कुछ इलाकों में नाव से बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचने के बाद कहा कि महाराष्ट्र में बाढ़ से प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने के संबंध में अगले दो दिन में फैसला किया जाएगा। पवार ने बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत की और उन्हें पुनर्वास और राज्य सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। राज्य के जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल, राहत एवं पुनर्वास मंत्री विजय वाडेट्टीवार और राज्य मंत्री विश्वजीत कदम बाढ़ प्रभावित जिले के भीलवाड़ी और अन्य इलाकों के दौरे में पवार के साथ थे। पवार के पास वित्त विभाग का भी प्रभार है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, महा विकास आघाड़ी के नेतृत्व वाली

सरकार बाढ़ से प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करेगी। मैंने, कैबिनेट मंत्री जयंत पाटिल, विजय वडेट्टीवार और राज्य मंत्री विश्वजीत कदम ने सांगली जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। अगले दो दिनों में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में (राहत) के बारे में अंतिम फैसला लिया जाएगा। बाढ़ प्रभावित भीलवाड़ी और जिले के अन्य क्षेत्रों में पवार के दौरे के दौरान राज्य के जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल, राहत एवं पुनर्वास मंत्री विजय वडेट्टीवार और राज्य मंत्री विश्वजीत कदम भी उनके साथ थे। भीलवाड़ी में बाढ़ प्रभावित लोगों तक ए सभी नाव के जरिए पहुंचे। पवार ने बाद में पत्रकारों को बताया कि पश्चिम महाराष्ट्र क्षेत्र में अप्रत्याशित बारिश के कारण बाढ़ आई है। उन्होंने कहा, जब 22 जुलाई के बाद भारी बारिश शुरू हुई तो कृष्णा नदी के बेसिन में बांधों में पर्याप्त भंडारण क्षमता थी, लेकिन बांधों के निकटवर्ती क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। उन्होंने कहा कि कोयना बांध में इससे पहले कभी इतना अधिक जलभंडारण नहीं हुआ था। उन्होंने बताया, कोयना बांध में एक दिन में लगभग 16.5 टीएमसी पानी प्राप्त हुआ, जिसकी भंडारण क्षमता 100 टीएमसी है। कोयना के पास नवजा नाम की एक जगह है, जहां 32 इंच बारिश हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कृष्णा बेसिन के बांधों में सामूहिक जल संग्रहण इस बार 84 प्रतिशत है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 50 प्रतिशत था। उन्होंने कहा, जहां तक कृष्णा और भीमा नदियों के बेसिन में बांधों में जल संग्रहण का संबंध है तो वर्तमान सामूहिक जल संग्रहण पिछले वर्ष के 37 प्रतिशत के मुकाबले 71 प्रतिशत है। बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन अब तक पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा, पानी घटने के बाद ही फसलों और खेतों को हुए नुकसान की असली तस्वीर सामने आएगी।

ओबीसी आरक्षण पर निर्णय लेने के कगार पर सरकार : सॉलिसिटर जनरल

भाषा। चेन्नई

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय को बताया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीटों के अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) के तहत ओबीसी के लिए आरक्षण लागू करने के बारे में निर्णय लेने के कगार पर है। जब द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की अवमानना याचिका आज आगे की सुनवाई के लिए आई तो मेहता ने मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति की पहली पीठ को बताया कि प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु में गैर-केंद्रीय मेडिकल कॉलेजों में अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) के तहत राज्य द्वारा छोड़ी गई मेडिकल सीटों में आरक्षण को लागू करने के बारे में निर्णय लेने के कगार पर है। उन्होंने निर्णय के बारे में बताने के लिए और एक सप्ताह का समय मांगा। पीठ ने दलीलें सुनने के बाद मामले की सुनवाई तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

क्विक न्यूज

अदालत ने पीडीपी नेता वहीद पारा के खिलाफ आतंकवाद संबंधी आरोप तय किए

श्रीनगर। एक विशेष एनआईए अदालत ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के करीबी सहयोगी वहीद-उर-रहमान पारा के खिलाफ आतंक के आरोप तय किए हैं। पुलिस के आरोप पत्र में दावा किया गया है कि पारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों से जुड़ा था और वर्ष 2007 से एक पत्रकार और राजनेता के रूप में उसकी 13 साल की यात्रा छल और पाखंड की कहानी थी। अदालत ने इस महीने की शुरुआत में आरोप तय करने को लेकर बचाव एवं अभियोजन की दलीलें सुनी थीं और उसने पारा के खिलाफ आरोप तय करने की अनुमति दी। पारा पर आतंकवादियों से साठगांठ कर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप है, जिसके एवज में उसे आतंकी हमलों को अंजाम देने में सहायता करनी थी। आठ पन्नों के आदेश में कहा गया कि, प्रथम दृष्टया आरोपी के खिलाफ गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत अपराध के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

सत्यजीत रे जयंती शताब्दी वर्ष : फिल्म पर उनके नोट्स महज एक क्लिक की दूरी पर

कोलकाता। ऑस्कर पुरस्कार विजेता, महान दिवंगत फिल्मकार सत्यजीत रे की सर्वकालिक संगीत मय बाल फिल्म गोपी गायन बाघा बायन के दृश्यों, कड़ियों और विशेष प्रभाव पर उनकी टिप्पणी अब कंप्यूटर के महज एक क्लिक की दूरी पर मौजूद है। दरअसल रे की जयंती के शताब्दी वर्ष पर लाखों-करोड़ों प्रशंसकों के लिए वेबसाइट एक्सप्लोररे डॉट ओआरजी ने उनके नोट्स को अपलोड किया है। यह पहल सेंटर फॉर न्यू मीडिया और फिल्मकार मृणाल सेन के बेटे कुणाल सेन की ओर से रे के निर्देशक बेटे संदीप रे और फिल्मा निर्माता पियाली फिल्म्स के सहयोग से की गई है। वेबसाइट ने, रे की नोटबुक्स को अपलोड किया है जिसे वह 1969 में बनी फिल्म के लिए अपना खेरोर खाता कहते थे। अमेरिका के इलिनॉयस में सॉफ्टवेयर कंपनी चला रहे सेन ने कहा, वीडियो कांफ्रेंस के जरिए अनगिनत बैठकों और ई-मेल के आदान प्रदान के बाद अंतत: बेवसाइट बनकर तैयार हो गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन आज भारत आएंगे, व्यापक मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को भारत पहुंच रहे हैं और इस दौरान उनका अफगानिस्तान में तेजी से बदलती सुरक्षा स्थिति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और कोविड-19 प्रतिक्रिया प्रयास को मजबूत करने के तरीकों समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा उनके व्यापक एजेंडे में शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्री का पदभार संभालने के बाद ब्लिंकन की यह पहली भारत यात्रा होगी और जनवरी में सत्ता में आने के बाद बाइडन प्रशासन के किसी उच्च पदस्थ अधिकारी की यह तीसरी भारत यात्रा होगी।

पुरातात्विक स्थलों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए निजी भागीदारी जरूरी : समिति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने देशभर में संग्रहालयों और पुरातात्विक स्थलोंस्मारकों के विकास और संरक्षण के लिए संस्कृति मंत्रालय के समक्ष निधि की कमी की समस्या के मद्देनजर कहा कि वह महसूस करती है कि सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित और भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी जरूरी है। संग्रहालयों और पुरातात्विक स्थलों का विकास और संरक्षण - चुनौतियां और अवसर विषय पर परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी संसद की स्थाई समिति की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। यह रिपोर्ट सोमवार को संसद के दोनों सदनों में पेश की गई। समिति महसूस करती है कि मंत्रालय को निजी क्षेत्र की भागीदारी लेना अनिवार्य है ताकि हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखने का काम हो सके।

बंगाल में छात्रों का प्रदर्शन

● उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के नतीजों से असंतुष्ट हैं छात्र

भाषा। कोलकाता

राज्य बोर्ड के उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के नतीजों के 22 जुलाई को प्रकाशन के बाद दूसरी बार सोमवार को पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में असंतुष्ट छात्रों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया। इन छात्रों की मांग है कि उन्हें उत्तीर्ण घोषित किया जाए और उनके अंक बढ़ाए जाएं क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण इस साल कोई परीक्षा नहीं हुई और मूल्यांकन पिछले नतीजों पर आधारित है। शहर के नकताला स्थित आनंद आश्रम विद्यालय और श्यामबाजार एवी स्कूल के समक्ष कई छात्रों ने अपने अंक बढ़ाए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जबकि दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती और विष्णुपुर तथा मुर्शिदाबाद के डोमकल में छात्रों ने खुद को उत्तीर्ण घोषित किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। डोमकल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्रों के एक वर्ग ने जिस जगह से अंक पत्रों का वितरण किया जा रहा था, उस कार्यालय कक्ष में रखे फर्नीचर में तोड़फोड़ की और आरोप लगाया कि उन्हें अनुचित तरीके से अनुत्तीर्ण किया गया क्योंकि कोई परीक्षा नहीं कराई गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह नाराज छात्रों को संभाला। विष्णुपुर और नकताला में प्रदर्शनकारी छात्रों ने रास्ता जाम कर दिया जिससे यातायात बाधित हुआ। बाद में पुलिस के समझाने पर उन्होंने सड़क को खाली कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि कुछ स्कूलों में छात्रों ने अभिभावकों के साथ प्रधानाध्यापक का घेराव किया। नकताला के एक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा, हमने पश्चिम बंगाल उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद को आज की घटना के बारे में रिपोर्ट भेज दी है। विद्यालय शिक्षा विभाग के सूत्रों ने कहा कि जिन जिलों में प्रदर्शन हुए हैं वहां के जिला विद्यालय निरीक्षकों से कहा गया है कि वे संबंधित संस्थानों का दौरा कर यथाशीघ्र इस बारे में रिपोर्ट भेजें।

अगरतला के होटल में प्रशांत किशोर की आई-पैक टीम से पुलिस ने की पूछताछ

भाषा। अगरतला

पिछले हफ्ते से अगरतला के एक होटल में डेरा डाले हुए चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की इंडियन पॉलिटिकल ऐक्शन कमेटी (आई-पैक) की एक टीम ने स्थानीय पुलिस ने पूछताछ की है। आई-पैक की यह टीम राज्य की राजनीतिक स्थिति और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए संभावित समर्थन आधार का आकलन कर रही है। टीएमसी की त्रिपुरा इकाई ने इसे लोकतंत्र पर हमलौ करार दिया है और कहा कि पुलिस ने उन्हें उनके होटल में बंद कर दिया था।

पुरी में नल से पेयजल मिशन का उद्घाटन

पुरी। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पुरी में नल से पेयजल मिशन का उद्घाटन किया, जिसके साथ ही यह पूरे सप्ताह 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति के लक्ष्य को प्राप्त करने वाला पहला शहर बना।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कारगिल विजय दिवस की 22 वीं वर्षगांठ के दौरान देहरादून में पुष्पाजंलि देते हुए

धामी ने दूसरे विश्वयुद्ध के शहीदों की विधवाओं और पूर्व सैनिकों की पेंशन बढ़ाई

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को दूसरे विश्वयुद्ध के शहीदों की विधवाओं और पूर्व सैनिकों की पेंशन आठ हजार रूपए से बढ़ाकर दस हजार रूपए प्रतिमाह करने की घोषणा की। यहां गांधी पार्क में शौर्य दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद मुख्यमंत्री धामी ने यह घोषणा करते हुए कहा कि इसका फायदा लगभग 800 परिवारों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने कारगिल युद्ध में विपरीत परिस्थितियों में वीरता का परिचय देते हुए घुसपैठियों को सीमा पार खदेड़ा और उनका बलिदान राष्ट्र हमेशा याद रखेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध में बड़ी संख्या में उत्तराखण्ड के सपूतों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दी।

अमृतसर में लाकडाउन के बाद स्कूल खुलने पर पूरे प्रोटोकाल के साथ छात्रों को पढ़ाती एक अध्यापिका

भारत के वैज्ञानिक कोविड पर शोध में सहयोग करेंगे

रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका का देंगे साथ

भाषा। नई दिल्ली

भारत, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के वैज्ञानिक कोविड-19 के खिलाफ दवा विकसित करने के लिए साथ मिलकर शोध करेंगे। सोमवार को एक आधिकारिक बयान के कहा गया कि कोविड-19 के खिलाफ प्रभावी दवा की तलाश के इस संयुक्त प्रयास में जैवसूचना विभाग, कार्बनिक रसायन, चिकित्सा रसायन, औषधि परीक्षण, परजीवी विज्ञान से जुड़े विशेषज्ञों का जुड़ना अतिमहत्वपूर्ण रहेगा।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने एक बयान में कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के प्रयासों, ज्ञान और अनुभव के सम्मिश्रण से ब्रिक्स देशों में स्वास्थ्य प्रणाली और स्वास्थ्य देखभाल दोनों सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंच सकेंगे। इसमें कहा गया, भारत, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के वैज्ञानिक सार्स-सीओवी-2 के आरएनए की प्रतिकृतियों को उत्प्रेरित करने वाले एंजाइम, मुख्य प्रोटीएज (प्रोटीन के विखंडन को प्रेरित करने वाला एंजाइम) और आरएनए प्रतिकृतियों के खिलाफ सीसा धातु के यौगिकों के पुनर्निमाण, उनके सत्यापन और संश्लेषण के लिए एक साथ मिलकर काम करेंगे। बयान के मुताबिक, ऐसा करने से मेजबान कोशिकाओं में संक्रमण के दौरान वायरस की परिपक्वता और प्रसार दोनों को बाधित किया जा सकता है और इससे बेहतर उत्पादन विधियों के साथ नई कोविड -19 दवाओं के उत्पादन में मदद मिल सकती है।

आंखों देखा साक्ष्य बेहतर, जब तक कि उन पर संदेह न हों : सुप्रीम कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि आंखों देखा साक्ष्य बेहतर साक्ष्य होता है, जब तक कि उन पर संदेह करने के कारण नहीं हों। अदालत ने हत्या के लिए चार लोगों को मिली आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा और न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी की पीठ ने कहा कि जिन मामलों में चिकित्सीय साक्ष्य और मौखिक साक्ष्य के बीच काफी विरोधाभास होता है, उनमें आंखों देखे साक्ष्य पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। पीठ ने कहा, आंखों देखा साक्ष्य बेहतर साक्ष्य माना जाता है, जब तक कि उन पर संदेह करने के कारण नहीं हों। जिन मामलों में चिकित्सीय साक्ष्य और मौखिक

साक्ष्य में विरोधाभास होता है और चिकित्सीय साक्ष्य सभी प्रत्यक्ष साक्ष्यों को असंभव बनाते हों और सभी प्रत्यक्ष साक्ष्यों के सच होने की संभावना से इंकार करते हों, वहां आंखों देखे साक्ष्य पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा दोषियों को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली अपील पर फैसला देते हुए की। गुजरात उच्च न्यायालय ने चार लोगों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 34 (साझा मंशा), 120 बी (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत आजीवन कारावास की सजा और बंबई पुलिस कानून की धारा 135 (एक) के तहत 15 दिन कारावास की सजा से बरी कर दिया था, जिसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। अक्टूबर 2015 में मोटरसाइकिल से जाते वक्त एक व्यक्ति पर हमला किया गया था, जिसकी मौत हो गई, जबकि मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा व्यक्ति इस मामले में अभियोजन पक्ष का गवाह है। दोषियों ने उस व्यक्ति पर लोहे की छड़, स्टील की छड़ और डंडे से हमला किया था। उन लोगों को इस आधार पर बरी कर दिया गया था कि अभियोजन पक्ष के दूसरे गवाह और दसवें गवाह के साक्ष्य चिकित्सीय साक्ष्यों से मेल नहीं खाते।

मसूर दाल पर मूल सीमा शुल्क समाप्त

सरकार के फैसले से घरेलू उपभोक्ताओं को मिली राहत

भाषा । नई दिल्ली

सरकार ने घरेलू आपूर्ति को बढ़ाने और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के मकसद से सोमवार को मसूर दाल के आयात पर मूल सीमा शुल्क घटाकर शून्य कर दिया और दाल पर कृषि बुनियादी ढांचा विकास उपकर को आधा कर 10 प्रतिशत कर दिया। मूल सीमा शुल्क और उपकर में कमी के साथ, मसूर दाल पर प्रभावी आयात शुल्क 30 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत हो जाएगा। घटा हुआ सीमा शुल्क और उपकर मंगलवार से लागू हो जाएगा।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इस संबंध में अधिसूचना संसद के दोनों सदनों में पेश की। वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा कि उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए, सरकार ने मसूर दाल पर सीमा शुल्क 30 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। (मूल सीमा शुल्क 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य किया गया है) और कृषि अवसंरचना विकास उपकर 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे मसूर दाल के खुदरा मूल्य में कमी आएगी।

अधिसूचनाओं के अनुसार अमेरिका के अलावा अन्य देशों में पैदा हुए या निर्यात की जाने वाली दाल (मसूर दाल) पर मूल सीमा शुल्क 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। साथ ही अमेरिका से आने वाली या निर्यात की जाने वाली मसूर की दाल पर मूल सीमा शुल्क 30 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है।

इसके अलावा मसूर पर कृषि अवसंरचना विकास उपकर (एआईडीसी) को वर्तमान दर 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मसूर दाल का खुदरा मूल्य इस साल एक अप्रैल के 70 रुपए प्रति किलोग्राम से 21 प्रतिशत बढ़कर अब 85 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है।

सोमवार को धारवाड़ में अधिकतम बिक्री मूल्य 129 रुपए प्रति किलोग्राम था जबकि वारंगल और राजकोट में न्यूनतम बिक्री मूल्य 71 रुपए किलो था। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में रबी फसल, मसूर का घरेलू उत्पादन, फसल वर्ष 2020-21 (जुलाई-जून) में पिछले वर्ष के 11 लाख टन से बढ़कर लगभग 13 लाख टन हो गया।

फसल वर्ष 2020-21 के दौरान भारत का कुल दलहन उत्पादन दो करोड़ 55.8 लाख टन रहा, जो पिछले पांच वर्षों के औसत उत्पादन दो करोड़ 19.3 लाख टन से 36.4 लाख टन अधिक है। हालांकि भारत दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, लेकिन यह घरेलू बाजार में दलहन की कमी को पूरा करने के लिए उनका आयात करता है। जून में सरकार ने जमाखोरी को रोकने और कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए अक्टूबर के अंत तक थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, आयातकों और मिल मालिकों के पास मूंग को छोड़कर सभी दालों पर स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी थी।

हालांकि हाल ही में सरकार ने दालों के आयातकों को स्टॉक रखने की सीमा से छूट दी थी। सरकार ने मिल मालिकों और थोक विक्रेताओं के लिए भी स्टॉक स्टॉक रखने की सीमा से ढील दी। अब स्टॉक रखने की सीमा केवल तुअर, उड़द, मूंग और मसूर दाल पर 31 अक्टूबर तक लागू है।

भारतीय अनाज एवं दलहन संघ (आईजीपीए) के उपाध्यक्ष, बिमल कोठारी ने कहा कि सरकार को आयात शुल्क कम नहीं करना चाहिए क्योंकि दाल की कीमतों में नरमी नहीं आने वाली है।

बोइंग को विमानों के जरूरी कलपुर्जों की आपूर्ति करेगी आजाद इंजीनियरिंग

हैदराबाद। एरोस्पेस उद्योग में इस्तेमाल किए जाने वाला जरूरी रोटेटिंग कलपुर्जे बनाने वाली हैदराबाद की कंपनी आजाद इंजीनियरिंग ने विमान विनिर्माता बोइंग के साथ महत्वपूर्ण कलपुर्जों के निर्माण और आपूर्ति के लिए एक अनुबंध किया है।

कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की प्रौद्योगिकी में सुधार, गुणवत्ता एवं औद्योगिक सुरक्षा के निरंतर चलन ने उसे दुनियाभर के ग्राहकों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार बनाया है।

आजाद इंजीनियरिंग के प्रबंध निदेशक राकेश चोपदार ने कहा, "बोइंग के साथ काम करना हमारे लिए गर्व की बात है। यह अनुबंध गुणवत्ता, सटीकता, और सहयोग की संस्कृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। निश्चित रूप से आजाद इंजीनियरिंग और बोइंग के बीच सहयोग तेलंगाना में बढ़ते एरोस्पेस तंत्र में एक मील का पत्थर है।

सेंसेक्स 124 अंक टूटा, निफ्टी 15,850 अंक से नीचे आया

भाषा । मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में नुकसान तथा वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच सोमवार को सेंसेक्स 124 अंक फिसल गया। चीन ने प्रौद्योगिकी कंपनियों के खिलाफ नियामकीय अंकुश बढ़ाए हैं जिससे वैश्विक बाजारों में गिरावट आई। इसके अलावा बाजार भागीदारों को इस सप्ताह होने वाली फेडरल रिजर्व की बैठक का भी इंतजार है।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 123.53 अंक या 0.23 प्रतिशत के नुकसान से 52,852.27 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में दो कारोबारी सत्रों के बाद गिरावट आई है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 31.60 अंक या 0.20 प्रतिशत टूटकर 15,824.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई का शेयर सबसे अधिक 1.36 प्रतिशत नीचे आया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी तथा इंडसइंड बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे।

वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, टाइटन, और टाटा स्टील के शेयर 2.46 प्रतिशत चढ़ गए। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में एक प्रतिशत का लाभ रहा। बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ करीब 32 प्रतिशत बढ़कर 1,641.92 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के इक्विटी शोध (बुनियादी) प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि एशियाई बाजारों के नकारात्मक रुख के बीच भारतीय बाजारों की शुरुआत नुकसान के साथ हुई। हालांकि, दोपहर के कारोबार में बाजार सकारात्मक और नकारात्मक दायरे में घूमता रहा। बाजार के निवेशक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख को लेकर चिंतित हैं। एफपीआई ने जुलाई में अबतक भारतीय शेयरों से 5,689 करोड़ रुपए की निकासी की है।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बाजार लाभ-हानि के बीच झूलता रहा। वैश्विक बाजारों में भी कमजोरी का रुख रहा।

मध्य प्रदेश में मानसून की सक्रियता ने सोयाबीन में नई जान फूंकी

भाषा । इंदौर

देश के सबसे बड़े सोयाबीन उत्पादक मध्य प्रदेश में मानसून की लम्बी खेंच के बाद पिछले एक हफ्ते से जारी बारिश के चलते किसानों के चेहरे खिल गए हैं और इसने तिलहन फसल में नई जान फूंक दी है। इंदौर जिले के सोयाबीन उत्पादक किसान अरुण पटेल ने सोमवार को कहा कि मैंने 70 एकड़ में पिछले महीने सोयाबीन बोई थी। बुआई के बाद लगभग एक महीने तक कम बारिश होने से फसल को थोड़ा नुकसान पहुंचा। लेकिन पिछले एक हफ्ते से जारी बारिश ने इस नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर दी है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में सोयाबीन की बुआई अंतिम दौर में है और अगस्त के पहले हफ्ते तक इसकी बुआई पूरी हो जाएगी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में सोयाबीन का सामान्य रकबा 112.88 लाख हेक्टेयर है और आमतौर पर मध्य प्रदेश में 55.86 लाख हेक्टेयर में इस तिलहन फसल की खेती होती है। बहरहाल, खेती-किसानी के जानकारों का कहना है कि सोयाबीन के मानक बीजों की कमी और इनकी महंगाई के साथ ही कई किसानों का रुझान अन्य खरीफ फसलों की ओर होने से इस बार मध्य प्रदेश में सोयाबीन के रकबे में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की जा सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन खरीफ सत्रों के दौरान राज्य में सोयाबीन की फसल को भारी बारिश और कीटों के प्रकोप से काफी नुकसान हुआ था।

दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर लंबा असर रहेगा

रिपोर्ट

भाषा । नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का भारतीय अर्थव्यवस्था पर ज्यादा समय तक प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है और एक बार फिर निर्यात पुनरूद्धार का आधार बनेगा। मूडीज एनालिटिक्स ने सोमवार को यह कहा।

एपीएसी आर्थिक परिदृश्य: डेल्टा बाधा शीर्षक से जारी रिपोर्ट में मूडीज एनालिटिक्स ने कहा कि सामाजिक दूरी का चालू तिमाही पर असर हो रहा है लेकिन साल के अंत तक आर्थिक पुनरूद्धार फिर से शुरू हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 का डेल्टा किस्म अब एशिया-प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारकों में से एक है, लेकिन इस क्षेत्र में आवाजाही को लेकर प्रतिबंधों का जो असर है, वह पिछले साल की दूसरी तिमाही में आर्थिक नरमी जितनी गंभीर नहीं होगा। भारत में अर्थव्यवस्था में निर्यात की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है। जिंसों के ऊंचे दाम से निर्यात का मूल्य बढ़ा है। यह एक यह एक ऐसा कारक है जिसने कोविड-19 की पहली विनाशकारी लहर के बाद भारत को फिर से पटरी पर लाने में मदद की।

रिपोर्ट में कहा गया है, दूसरी लहर जब अब समाप्त होने की ओर बढ़ रहा है, उसका अर्थव्यवस्था पर ज्यादा समय तक नुकसान देखने को मिल सकता है। इसका कारण महामारी से छोटे कारोबारियों का बुरी तरह प्रभावित होना है।

वहीं निर्यात पुनरूद्धार का एक बार फिर आधार होगा। वित्तीय जानकारी और विश्लेषण से जुड़ी मूडीज एनालिटिक्स ने टीकाकरण के संदर्भ में लिखा है कि भारत टीकाकरण अभियान को गति देने को लेकर जूझता दिख रहा है। उसने कहा कि वैश्विक आर्थिक पुनरूद्धार ठोस गति से जारी है, लेकिन एशिया के कुछ देशों में यह अल्प अवधि में प्रतिबिंबित होता नहीं दिखता। विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में।

इसका कारण कोविड-19 का डेल्टा संस्करण का पूरे क्षेत्र में फैलना और उसकी रोकथाम के लिए सामाजिक दूरी से जुड़ी पाबंदियां हैं। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार इस साल वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 5 से 5.5 प्रतिशत रहेगी।

यह 3 प्रतिशत की संभावित वृद्धि दर से ज्यादा है। इसका कारण पिछले साल की महामारी से जुड़ी नरमी के बाद से पुनरूद्धार बरकरार है।

आर्थिक वृद्धि के अनुमान का कुछ पुनर्मूल्यांकन हो सकता है: कुमार मंगलम बिड़ला

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि कोविड-19 की घातक दूसरी लहर की वजह से मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर का कुछ पुनर्मूल्यांकन हो सकता है, लेकिन देश के लिए दीर्घकालिक संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं। बिड़ला ने समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में साथ ही कहा कि अच्छी बात यह है कि पहली लहर की तुलना में महामारी की दूसरी लहर के दौरान उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान कम गंभीर थे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा टीकाकरण के जोर पकड़ने के साथ आवागमन के स्तर और संबंधित आर्थिक गतिविधियां को तेजी से सामान्य करने में मदद मिलेगी। जहां सरकार मार्च के बाद से वित्त वर्ष में लगभग 11 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के अपने अनुमान पर अडिग है।

ई-कॉमर्स नियमों में प्रस्तावित संशोधन उपभोक्ताओं को हतोत्साहित करेंगे: आईएएमएआई

भाषा । नई दिल्ली

उद्योग निकाय आईएएमएआई ने सोमवार को कहा कि उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम 2020 में प्रस्तावित संशोधन उद्योग की वृद्धि के लिए बाधक होंगे और कई तरह की अस्पष्टताओं के कारण उपभोक्ताओं के लिए इसका नकारात्मक असर हो सकता है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) ने संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को ई-कॉमर्स की परिभाषा के दायरे से बाहर रखने, फ्लैश बिक्री की अवधारणा को स्पष्ट करने और उपभोक्ताओं के अधिकारों तथा हितों की रक्षा के लिए नियमों को सुव्यवस्थित करने का सुझाव दिया, क्योंकि वर्तमान रूप में वे प्रतिस्पर्धा कानून, विधिक मेट्रोलॉजी कानून, मध्यस्थ कानून आदि के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। संघ ने एक बयान में कहा कि हालांकि वह उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए सरकार की पहल और नियामक हस्तक्षेप का समर्थन करता है, लेकिन नियमों में प्रस्तावित संशोधन ई-कॉमर्स व्यवसाय के लिहाज से कई चिंताओं और अस्पष्टताओं को जन्म देते हैं। सरकार द्वारा 21 जून को जारी ई-कॉमर्स नियमों के मसौदे में ई-कॉमर्स मंचों पर धोखाधड़ी वाली तेज बिक्री (फ्लैश सेल) और माल एवं सेवाओं की गलत बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। मुख्य अनुपालन अधिकारी-शिकायत निवारण अधिकारी की नियुक्ति उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 के तहत प्रस्तावित प्रमुख संशोधनों में से एक है।

25 साल से अधिक पुराने कोयला बिजलीघरों को बंद करने से होगी 37,750 करोड़ की बचत

अध्ययन

भाषा । नई दिल्ली

प्राथमिकता के आधार पर 25 साल से अधिक पुराने कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को बंद करने से कुल 37,750 करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) ने एक अध्ययन में यह कहा है। इसके अलावा सीईईडब्ल्यू के एक अन्य अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि भारत में बिजली वितरण कंपनियों या डिस्कॉम मौजूदा प्रणाली के बजाय दक्षता के आधार पर कोयला बिजली प्रेषण को प्राथमिकता देकर हर साल 9,000 करोड़ रुपए (1.23 अरब अमेरिकी डॉलर) तक बचा सकती हैं। मौजूदा व्यवस्था में परिवर्तनशील लागतों के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है। सोमवार को जारी अध्ययन के अनुसार इस पहल से सार्वजनिक क्षेत्र की वितरण कंपनियों को काफी राहत मिलेगी, जिसे वित्त वर्ष 2018-19 में 61,360 (8.4 अरब डॉलर) का घाटा हुआ था। यह रिपोर्ट 1,94,000 मेगावॉट क्षमता (करीब 2,05,000 मेगावॉट की कुल स्थापित क्षमता में से) की भारतीय कोयला संपत्ति के कोविड-19 महामारी के पूर्व 30 महीनों के प्रदर्शन पर आधारित है।

अध्ययन में आगे पाया गया कि इस समय दक्षता-आधारित प्रेषण को प्राथमिकता देने से कोयला बेड़े की कुशलता में 1.9 प्रतिशत सुधार हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप 4.2 करोड़ टन वार्षिक कोयला बचत और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। सीईईडब्ल्यू ने अपने अध्ययन में देश के 30,000 मेगावॉट क्षमता के कोयला आधारित बिजलीघरों को तेजी से बंद करने की भी सिफारिश की है। प्रस्तावित संयंत्र राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी), 2018 में परिचालन से हटाए जाने के लिए पहचाने गए बिजलीघरों के साथ मेल खाते हैं। इसके अलावा, 20,000 मेगावॉट क्षमता के संयंत्रों को अस्थाई रूप से सेवा से हटाने की सिफारिश की गई है, जो एनईपी सूची में शामिल नहीं हैं। अध्ययन के अनुसार कि नियोजित नवीकरणीय और कोयला क्षमता को ध्यान में रखते हुए, इन नए संयंत्रों को हटाने से आपूर्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इसमें कहा गया है कि वास्तव में, इन अकुशल संयंत्रों में प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों को लगाने से बचने से 10,000 करोड़ रुपए (1.37 अरब डालर) की एकमुश्त बचत होगी। इसके अलावा, अध्ययन में एक एकीकृत बिजली बाजार की वकालत की गई है जो पूरे देश को एक ही प्रेषण क्षेत्र के रूप में माने। सीईईडब्ल्यू का अध्ययन केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के बाजार आधारित आर्थिक प्रेषण (एमबीईडी) व्यवस्था अपनाने के प्रस्ताव को मजबूती प्रदान करता है।

असम में चाय विनिर्माता छोटे चाय उत्पादकों को न्यूनतम तय मूल्य देने को तैयार

गुवाहाटी। असम क्रीत पत्ती चाय विनिर्माता संघ ने कहा है कि वह छोटे चाय उत्पादकों को हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम तय मूल्य देने को तैयार है लेकिन साथ ही वह चाय बोर्ड द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार अच्छी गुणवत्ता वाली चाय पत्ती ही खरीदेगा। संघ ने कहा कि इस फैसले का मकसद उत्पादकों को उचित कीमत देने के साथ ही अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

असम क्रीत पत्ती चाय विनिर्माता संघ के अध्यक्ष चंद कुमार गोहेन ने पीटीआई-भाषा को बताया कि रविवार को डिब्रूगढ़ में एक बैठक में आम सहमति से यह निर्णय किया गया और निर्णय 27 जुलाई से प्रभावी होगा।

उन्होंने कहा कि सभी सदस्य कारखानों से अनुरोध किया गया है कि वे अच्छी गुणवत्ता वाली पत्तियों को ही स्वीकार करने के चाय बोर्ड के मानदंडों का पालन करें, जो वजन के हिसाब से 65 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए।

वेदांता का शुद्ध लाभ चार गुना बढ़ा

भाषा । नई दिल्ली

वेदांता लि. का जून में समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ चार गुना होकर 4,280 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आय बढ़ने की वजह से कंपनी का मुनाफा भी बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 1,033 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया थाा।

बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 29,151 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 16,998 करोड़ रुपए रही थी।

तिमाही के दौरान कंपनी का खर्च 14,965 करोड़ रुपए से बढ़कर 21,847 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वेदांता के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुनील दुग्गल ने कहा, हम एक और अच्छे प्रदर्शन वाली तिमाही की घोषणा से खुश हैं। हमारे सभी कारोबार क्षेत्रों का प्रदर्शन अच्छा रहा। दुग्गल ने कहा कि अनिश्चित बाजार परिस्थितियों के बावजूद हमने सबसे ऊंचा तिमाही 10,032 करोड़ रुपए का ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर मूल्यह्रास और परिशोधन पूर्व आय) दर्ज किया। सालाना आधार पर इसमें 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान अपने कॉर्बन उत्सर्जन को कम करने तथा अंशधारकों के लिए अधिकतम मूल्यवर्धन पर है। जून तक कंपनी पर शुद्ध रूप से 20,261 करोड़ रुपए का कर्ज था।

कोटक महिंद्रा बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 32 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में करीब 32 प्रतिशत बढ़कर 1,641.92 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 1,244.45 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 8,062.81 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले 2020-21 की समान अवधि में 7,685.40 करोड़ रुपए थी। संपत्ति के मोर्चे पर बात की जाए, तो कुल ऋण पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) तिमाही के दौरान बढ़कर 3.56 प्रतिशत पर पहुंच गईं, जो जून, 2020 में 2.70 प्रतिशत पर थीं। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए 0.87 प्रतिशत से बढ़कर 1.28 प्रतिशत हो गया। डूबे कर्ज और अन्य आकस्मिक खर्च के लिए बैंक का प्रावधान मामूली घटकर 934.77 रुपए रह गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 962.01 करोड़ रुपए था।

मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी क्षणिक आरबीआई के यथास्थिति बनाए रखने की उम्मीद: रिपोर्ट

मुंबई। बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा है कि बीते दो महीनों से खुदरा मुद्रास्फीति का बढ़कर छह प्रतिशत से अधिक होना एक क्षणिक उभार है और उम्मीद जताई कि आरबीआई इसे नजरअंदाज करेगा तथा आगामी नीति समीक्षा में आम सहमित से यथास्थिति को कायम रखेगा।

वाल स्ट्रीट स्थित ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि हालांकि आरबीआई अपने मुद्रास्फीति के लक्ष्य में संशोधन कर सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति छह अप्रैल को मौद्रिक नीति की समीक्षा की घोषणा करेगी।

बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज इंडिया हाउस के अर्थशास्त्रियों की एक रिपोर्ट के मुताबिक एमपीसी छह अगस्त की नीति समीक्षा में मुद्रास्फीति में क्षणिक उभार को देखते हुए यथास्थिति को कायम रखेगा। इसके आगे सामान्ईकरण का रास्ता वृद्धिदर मुद्रास्फीति और महामारी के रुझानों रुख पर निर्भर करेगा।

पेज 1 का शेष

हिंसा में असम के छह...

जोरमथांगा ने असम पुलिस पर लाठीचार्ज करने और आंसू गैस के गोले छोड़ने के आरोप लगाए जबकि असम की पुलिस ने दावा किया कि मिजोरम से बड़ी संख्या में ''उपद्रवियों'' ने पथराव किया और असम सरकार के अधिकारियों पर हमला किया। मिजोरम के पुलिस महानिरीक्षक (उत्तरी रेंज) लालबियाकथांगा खियांगते ने कहा कि विवादित क्षेत्र में ऐटलांग नदी के पास कम से कम आठ झोपड़ियों में रविवार की रात साढ़े 11 बजे आग लगा दी गई। उन्होंने बताया कि इन झोपड़ियों में कोई नहीं था। उन्होंने बताया कि ये झोपड़ी असम के नजदीकी सीमावर्ती गांव वायरेंगटे के किसानों की है।

असम के स्थानीय लोगों ने आरोप लगाए कि अपराधी लाठी, डंडे, लोहे की छड़ और राइफल लिए हुए थे और उन्होंने ललितपुर में असम पुलिस के कर्मियों पर हमला किया और कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिसमें उपायुक्त कार्यालय के वाहन भी शामिल थे। जोरमथांगा ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें असम के पुलिसकर्मियों और डंडे लिए हुए युवकों के समूह के बीच संघर्ष हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय, केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय, सरमा और असम के कछार जिले के अधिकारियों को टैग करते हुए लिखा, ''अमित शाह जी...कृपया मामले को देखें। इसे तुरंत रोकने की जरूरत है।''जोरमथांगा ने एक अन्य ट्वीट में कछार से मिजोरम लौट रहे एक ''निर्दोष दंपति'' पर कथित हमले की बात भी कही। उन्होंने पूछा, ''इन हिंसक कृत्यों को आप कैसे उचित ठहरा सकते हैं?'' असम पुलिस ने मिजोरम के मुख्यमंत्री के आरोपों का प्रतिवाद करते हुए कहा कि मिजोरम के लोगों ने इसके कर्मियों पर हमला किया और पथराव किया। इसने ट्वीट किया, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मिजोरम से काफी संख्या में बदमाशों ने पथराव किया और असम सरकार के अधिकारियों पर हमले किए, जो ललितपुर में असम की जमीन को अतिक्रमण से बचाने के लिए ठहरे हुए हैं।'' असम पुलिस ने भी कहा, ''हम तोड़फोड़ की इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हैं और असम की सीमा की रक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं।'' असम के मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, ''माननीय मुख्यमंत्री जोरमथांगा जी कोलासिब (मिजोरम) के पुलिस अधीक्षक हमसे अपनी चौकियों से हट जाने के लिए कह रहे हैं, अन्यथा उनके नागरिक न तो सुनेंगे, न ही हिंसा रोकेंगे।'' एक वीडियो ट्वीट करते हुए उन्होंने कहा, ''इस तरह की परिस्थितियों में हम सरकार कैसे चलाएंगे? उम्मीद है अमित शाह, प्रधानमंत्री कार्यालय जल्द से जल्द हस्तक्षेप करेंगे।'' सरमा ने कहा कि उन्होंने मिजोरम के मुख्यमंत्री से बात की है और कहा कि असम पुलिस सीमा पर यथास्थिति तथा शांति बनाए रखेगी। उन्होंने कहा, ''मैंने तुरंत माननीय मुख्यमंत्री जोरमथांगा जी से बात की। मैंने कहा है कि असम सीमा पर यथास्थिति तथा शांति बनाए रखेगा। मैंने आइजोल का दौरा करने और जरूरत पड़ने पर इन मुद्दों पर चर्चा करने की इच्छा जताई है।'' बहरहाल जोरमथांगा ने फिर ट्वीट किया, ''प्रिय हिमंत जी, माननीय अमित शाह जी द्वारा मुख्यमंत्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण बैठक के बाद आश्चर्यजनक रूप से असम पुलिस की दो कंपनियां नागरिकों के साथ पहुंचीं और मिजोरम के अंदर आज वेयरेंगटे ऑटो रिक्शा स्टैंड पर मौजूद नागरिकों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। उन्होंने सीआरपीएफ कर्मियों/मिजोरम पुलिस से भी संघर्ष किया।''

कर्नाटक के मुख्यमंत्री...

इस कदम को प्रभावशाली नेता के साथ नरमी भरा बरताव माना जा रहा था जिसने 2013 में भाजपा छोड़ा था। सूत्रों के मुताबिक कर्नाटक की 121 विधानसभा क्षेत्रों में लिंगायतों का वर्चस्व है और भाजपा को यहां 65 सीटें मिली थीं, पार्टी येदियुरप्पा की पारी का सम्मानजनक समापन चाहती थी। उनके छोटे बेटे विजयेंद्र दिल्ली में अपने पिता की ओर से केंद्रीय नेताओं से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री द्वारा 26 जुलाई को इस्तीफा देने के बदले में उनके परिवार के राजनीतिक हितों की सुरक्षा के लिए भाजपा ने सहमति जताई थी। राजभवन में अपना त्यागपत्र सौंपने के बाद भावुक दिख रहे येदियुरप्पा ने कहा ' दुख या नाराजगी से नहीं बल्कि खुशी से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार प्रकट करना चाहता हूं कि उन्होंने 75 से ज्यादा उम्र होने के बाद भी मुझे पद पर रहने दिया। मैंभविष्य में पार्टी को आगे बढ़ाने की गतिविधियों में शामिल रहूंगा।'

पेगासस विवाद पर विपक्ष...

झा के आरोपों को खारिज करते सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि उन्होंने कई मौकों पर विपक्षी सदस्यों से संपर्क साधा। उन्होंने कहा, ''प्रमुख विपक्षी पार्टी के नेता से तो मैं लगभग रोज मुलाकात करता हूं...विपक्षी दलों में किसी मुद्दे पर अपनी ही सहमति नहीं है।'' गोयल ने कहा कि पिछले दिनों उन्होंने सभी प्रमुख विपक्षी नेताओं को चाय पर चर्चा के लिए बुलाया था लेकिन दो प्रमुख दलों ने आने से मना कर दिया और इसके लिए अपने तर्क दिए। उन्होंने विपक्षी सदस्यों से फिर से आग्रह किया कि वह सभी के साथ आज फिर से चाय पर चर्चा करना चाहेंगे ताकि टकराव के मुद्दों पर चर्चा की जा सके और आगे का रास्ता निकाला जा सके। संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने मनोज झा के आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि आज ही सुबह उन्होंने और नेता सदन गोयल ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने का समय मांगा था, लेकिन उन्होंने कहा कि अन्य विपक्षी दलों से चर्चा के बाद वह इस बारे में अवगत कराएंगे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम के तिरूची शिवा ने नियमों का हवाला देते कहा कि सदन में एक परंपरा रही है कि जब प्रधानमंत्री या नेता प्रतिपक्ष बोलते हैं तो व्यवधान नहीं पैदा किया जाता लेकिन आज जब नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे तो मंत्री ने व्यवधान डालने की कोशिश की और उनका माइक भी बंद कर दिया गया। इसके बाद पीठासीन अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने सभी को बोलने की अनुमति दे दी है अब सदन को विधेयक पर चर्चा करनी चाहिए। इसके बाद जैसे ही लोखंडवाला ने बोलना आरंभ किया, विपक्षी सदस्यों ने एक बार फिर हंगामा शुरू कर दिया। लिहाजा उन्होंने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई, हालांकि इससे पहले सरकार ने सदन में शोर-शराबे के बीच दो विधेयक भी पारित कराये। मॉनसून सत्र के पहले सप्ताह में भी इन मुद्दों को लेकर सदन की कार्यवाही बाधित रही। सोमवार को सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे आरंभ हुई तो विपक्षी दलों के सदस्यों का हंगामा जारी रहा।

बीएसएफ के पूर्व डीजी...

वर्ष 2017-2018 के दौरान विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के साथ हुए झगड़े के दौरान सीबीआई निदेशक आलोक वर्मा के खेमे में राजेश्वर सिंह के नाम पर भी विचार किया गया था। टैप की गई सूची में सिंह की पत्नी और दो बहनों के फोन भी शामिल हैं। केजरीवाल के मुख्य सलाहकार जैन प्रमुख फाइलों को देख रहे थे और आप विधायकों द्वारा दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर हमले के मामले में गवाह थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक के रूप में काम करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी वीके जैन को भी चिन्हित किया गया है। इसके अलावा, लीक हुए रिकॉर्ड में पीएमओ और नीति आयोग के कम से कम एक-एक अधिकारी का विवरण है। हालांकि, रिपोर्ट में इनके नाम नहीं हैं। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन सचिव राकेश तिवारी द्वारा उपयोग किए गए दो फोन नंबरों को एनएसओ समूह के एक अज्ञात ग्राहक द्वारा 2018 में निगरानी के लिए संभावित उम्मीदवारों के रूप में चुना गया था।

ममता ने किया जांच...

साथ ही यह भी जांच करेंगे कि वे दूसरों को कैसे चुप करा रहे हैं। बनर्जी का दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। जांच आयोग अधिनियम के तहत केंद्र और राज्य दोनों जांच शुरू कर सकते हैं। अधिनियम के अनुसार हालांकि, अगर केंद्र सरकार ने इस तरह की जांच का आदेश दिया है, "कोई भी राज्य सरकार, केंद्र सरकार की मंजूरी के साथ छोड़ कर, एक ही मामले की जांच के लिए एक और आयोग का गठन नहीं करेगी, जब तक कि केंद्र सरकार द्वारा गठित आयोग काम कर रहा हो। इसमें यह भी कहा गया है कि यदि किसी राज्य सरकार ने जांच का आदेश दिया है, "केंद्र सरकार उसी मामले की जांच के लिए दूसरे आयोग को तब तक नियुक्त नहीं करेगी जब तक कि राज्य सरकार द्वारा नियुक्त आयोग काम कर रहा हो, जब तक कि केंद्र सरकार की यह राय न हो कि जांच का दायरा दो या दो से अधिक राज्यों तक बढ़ाया जाना चाहिए।

अनुभवी शरत ने जगाई उम्मीदें

तीरंदाजी, बैडमिंटन, टेनिस, मुक्केबाजी व तैराकी में मिली हार

भारतीय खिलाड़ियों ने तीसरे दिन अपने प्रदर्शन से किया निराश

भाषा। टोक्यो

टोक्यो ओलंपिक में पहले दिन के पदक को छोड़कर भारतीय खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और सोमवार को निशानेबाजी, तीरंदाजी , बैडमिंटन, मुक्केबाजी में पराजय ही मिली जबकि टेबल टेनिस में पिछले मैच में उम्मीदें जगाने वाली मनिका बत्रा भी हारकर बाहर हो गई। अपना चौथा ओलंपिक खेल रहे टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल ने पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया और भारत की उम्मीदें अब उन्हीं पर टिकी है चूंकि महिला एकल में मनिका और सुतिर्था मुखर्जी सीधे गेम में हारकर बाहर हो गई। शरत कमल ने 49 मिनट तक चले मैच में पुर्तगाल के 20वीं वरीयता प्राप्त टियागो अपोलोनिया पर 4-2 (2-11, 11-8, 11-5, 9-11, 11-6, 11-9) से जीत दर्ज की। मनिका ने इससे पहले अपने से अधिक रैंकिंग की खिलाड़ियों को हराया था लेकिन तीसरे दौर में आस्ट्रिया की विश्व में 16वें नंबर की सोफिया पोलकानोवा के नियंत्रित और दमदार खेल का उनके पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने केवल 22 मिनट में 0-4 (8-11, 2-11, 5-11, 7-11) से यह मैच गंवाया। महिला एकल के दूसरे दौर में सुतिर्था पुर्तगाल की फू यू से एकतरफा मुकाबले में 0-4 (3-11, 3-11, 5-11, 5-11) से हार गई। यह मैच केवल 20 मिनट तक चला। निशानेबाजी में भारतीयों की झोली फिर खाली रही जब अंगद वीर सिंह बाजवा पुरुष स्कीट स्पर्धा में 18वें जबकि मैराज अहमद खान 25वें स्थान पर रहे। अंगद ने पांच सीरिज में संभावित 125 में से 120 अंक बनाए जबकि मैराज केवल 117 अंक ही बना पाए। स्कीट में चोटी के छह निशानेबाज फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करते हैं। भारत की पदक

सुमित नागल

उम्मीदें अब मिश्रित टीम स्पर्धा पर टिकी होंगी जिसमें 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में सौरभ चौधरी और मनु भाकर उतरेंगे जिन्होंने हाल ही के कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है। अभिषेक वर्मा और यशस्विनी सिंह देसवाल भी इसमें भारतीय चुनौती पेश करेंगे।

दिव्यांश सिंह पंवार और इलावेनिल वालारिवन दस मीटर मिश्रित राइफल टीम स्पर्धा में उतरेंगे। इस वर्ग में दीपक कुमार और अंजुम मुद्गिल भी भारतीय चुनौती पेश करेंगे। तलवारबाजी में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला भवानी देवी ने आत्मविश्वास भरी शुरुआत करके आसानी से पहला मैच जीता लेकिन दूसरे मैच में चौथी वरीयता प्राप्त मैनन ब्रूनेट से हारकर वह बाहर हो गई। भवानी देवी को महिलाओं की व्यक्तिगत साबरे के दूसरे मैच में रियो ओलंपिक के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली ब्रूनेट से 7-15 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इससे पहले ट्यूनीशिया की नादिया बेन अजीजी को 15-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था। तैराकी में

भवानी देवी

साजन प्रकाश पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। पिछले महीने इटली में एक मिनट 56.38 सेकेंड के समय के साथ निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक का ए क्वालीफाइंग स्तर हासिल करने वाले साजन एक मिनट 57.22 सेकेंड के समय के साथ 38 तैराकों के बीच 24वें स्थान पर रहे। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। साजन गुरुवार को 100 मीटर बटरफ्लाई में चुनौती पेश करेंगे। मुक्केबाजी में ओलंपिक में पदार्पण करने वाले आशीष चौधरी (75 किग्रा) को चीन के एरबीके तुओहेता के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में लचर शुरुआत का खामियाजा भुगतना पड़ा और 0-5 से हार के साथ ही उनका सफर खत्म हो गया। तीरंदाजी में अतनु दास, प्रवीण जाधव और तरुणदीप राय की भारतीय पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम से हारकर बाहर हो गई। भारतीय तिकड़ी ने कजाखस्तान को 6-2 से हराकर दिन की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन क्वार्टर फाइनल में उनका सामना नंबर एक कोरिया से था जिससे उसे 0-6 से करारी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले मिश्रित युगल में दीपिका कुमारी और जाधव की जोड़ी भी कोरियाई टीम से हारकर क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। टेनिस में सुमित नागल पुरुष एकल के दूसरे दौर में रूस ओलंपिक समिति (आरओसी) के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव के खिलाफ सीधे सेटों में शिकस्त के साथ टोक्यो ओलंपिक से बाहर हो गए जिससे टेनिस में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। बैडमिंटन में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को पुरुष युगल के ग्रुप ए में सोमवार को यहां मार्कस फर्नाल्डी गिडियोन और केविन संजय सुकामुल्जो की इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में शिकस्त का सामना करना पड़ा।

दुनिया की 10वें नंबर की सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी ने 32 मिनट में 21-13, 21-12 से शिकस्त दी। सात्विक और चिराग ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में बेन लेन और सीन वेंडी की ब्रिटेन की जोड़ी से भिड़ेंगे।

महिला हाकी टीम की लगातार दूसरी हार

दुनिया में तीसरे नंबर की जर्मनी ने 2-0 गोल से हराया

भाषा। टोक्यो

आसान मौके नहीं भुनाने का खामियाजा भारतीय महिला हाकी टीम को टोक्यो ओलंपिक में लगातार दूसरी हार के साथ भुगतना पड़ा जब सोमवार को रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता जर्मनी ने उसे 2-0 से पछाड़ा। पहले मैच में दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड से 1- 5 से हारने के बाद भारतीयों ने बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन पूल ए के मैच में रियो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता जर्मनी को हराने के लिए यह काफी नहीं था। भारतीयों ने कई आसान मौके गंवाए जिनमें तीसरे क्वार्टर में गुरजीत कौर ने एक पेनल्टी स्ट्रोक भी गंवाया।

जर्मनी के लिए कप्तान निकी लौरेंज ने 12वें और अन्ना श्रोडेर ने 35 वें मिनट में गोल दागा। जर्मनी की लगातार दूसरी जीत है जिसने पहले मैच में ब्रिटेन को 2-1 से हराया था। भारत को अब बुधवार को ब्रिटेन से खेलना है। जर्मनी ने मैच में आक्रामक शुरूआत की और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। भारतीय टीम धीरे धीरे मैच में लौटी। जर्मनी को नौवें मिनट में गोल करने का मौका मिला लेकिन फ्रांसिस्का हाउके के शॉट को भारतीय गोलकीपर सविता ने बचा लिया। तीन मिनट बाद ही हालांकि कप्तान लौरेंज ने पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर जर्मनी को बढत दिला दी। जर्मनी को 21वें मिनट में फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे भारतीय डिफेंडरों ने बचा लिया। इस बीच भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। वंदना कटारिया ने कई अच्छे मूव बनाए लेकिन फॉरवर्ड पंक्ति उन्हें अंजाम तक नहीं ले जा सकी। तीसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में वंदना ने भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। कप्तान रानी का शॉट जर्मन डिफेंडर के शरीर से टकराया। रेफरल पर भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला लेकिन गुरजीत गोल नहीं कर सकी। तीन मिनट बाद जर्मनी के लिए श्रोडर ने दूसरा गोल दाग दिया। भारतीयों ने आक्रमण जारी रखा लेकिन जर्मनी के रक्षा कवच को भेद नहीं सके।

भारत की नजरें पुरुष हाकी में स्पेन के खिलाफ वापसी पर

टोक्यो। ऑस्ट्रेलिया से बुरी तरह शिकस्त का सामना करने वाली भारतीय पुरुष हाकी टीम मंगलवार को यहां ओलंपिक के अपने तीसरे पूल ए मैच में अपने से कम रैंकिंग वाली टीम स्पेन के खिलाफ लय और टूटे हुए मनोबल को फिर से हासिल करने की कोशिश करेगी। अपने अभियान के शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 से जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम को दूसरे मैच में दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया से 1-7 के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इस बड़ी पराजय ने भारतीय टीम की हर कमजोरी को उजागर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पहले क्वार्टर के बाद भारतीय रक्षापंक्ति में मनमाने तरीके से सेंध लगाते हुए गोलों की बौछार कर दी और टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अप्रैल 2019 में ऑस्ट्रेलिया के ग्राहम रीड के कोच बनने के बाद से यह भारत की सबसे बड़ी हार भी थी। भारत की कमजोर रक्षापंक्ति पर ऑस्ट्रेलिया ने मैच की शुरुआत से ही दबाव डालकर पहले हाफ में चार और दूसरे हाफ में तीन गोल किए। न्यूजीलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी तरह से बेरंग नजर आई। इन खेलों से पहले कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने के बाद भारतीयों को वापसी करने के बारे में अच्छी तरह से पता है। मुख्य कोच ग्राहम रीड विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज स्पेन के खिलाफ दमदार वापसी की उम्मीद करेंगे।

चानू का स्वदेश लौटने पर गर्मजोशी से स्वागत

भाषा। नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू सोमवार को स्वदेश लौटी तो हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान हालांकि हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी भी मच गई और कोविड-19 से बचाव के लिए लागू किए सामाजिक दूरी के नियमों की पूरी तरह अनदेखी की गई। चानू सुरक्षाकर्मियों के बीच इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बाहर निकली, जहां उनके चेहरे पर मास्क और फेस शील्ड लगा था। उन्होंने यहां पहुंचने के बाद ट्वीट किया कि इतने प्यार और समर्थन के बीच यहां वापस आकर खुशी हो रही है। बहुत - बहुत धन्यवाद। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का भारत माता की जय के नारों से स्वागत किया गया और भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारियों सहित अन्य लोगों ने उनका अभिनंदन किया। हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही वहां इंतजार कर रहे रहे मीडियाकर्मियों ने उन्हें घेर लिया, जिस दौरान धक्का-मुक्की भी हुई। सुरक्षाकर्मियों ने हालांकि उनके आस-पास घेरा बनाकर रास्ता बनाया। मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 49 किग्रा वर्ग में कुल 202 किग्रा (87 किग्रा, 115 किग्रा) भार उठाकर शनिवार को रजत पदक हासिल किया था। इससे पहले भारोत्तोलन में 2000 सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी के कांस्य पदक जीता था। इस शानदार प्रदर्शन से उन्होंने 2016 के खेलों की निराशा को दूर किया जहां वह एक भी वैध भार उठाने में विफल रही थी। चानू पूर्व विश्व चैंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भी रह चुकी हैं।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ मीराबाई चानू। साथ में कानून मंत्री कीरेन रिजीजू

चानू को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियुक्त करने की घोषणा

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को घोषणा की कि टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू को राज्य पुलिस विभाग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उन्हें एक करोड़ रुपए का इनाम भी देगी। सिंह ने कहा कि 49 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतने वाली इस ओलंपियन के पास अब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेल) का पद होगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर सरकार ने जल्द ही राज्य में विश्व स्तरीय भारोत्तोलन अकादमी स्थापित करने का फैसला किया है।

सिंह ने कहा कि जुडोका एल सुशीला देवी को भी कांस्टेबल के पद से उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया जाएगा।

जापान की 13 साल 330 दिन की मोमिजी निशिया स्केटबोर्डिंग में ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे युवा एथलीट बनीं

13 साल की बच्चियों ने स्केटबोर्डिंग में जीते स्वर्ण और रजत

टोक्यो। स्केटबोर्डिंग में हैरतंगेज करतब दिखाकर 13 साल की दो बच्चियों ने तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीत लिए जबकि कांस्य पदक जीतने वाली भी 16 वर्ष की प्रतियोगी थी। आम तौर पर जिस उम्र में बच्चे खिलौनो या वीडियो गेम से खेलते हैं, इन लड़कियों ने कड़ी मेहनत और लगन से तमाम चुनौतियों का सामना करके पुरूषों के इस खेल पर दबदबे को तोड़ा। जापान की मोमिजी निशिया ने पहला ओलंपिक खेलते हुए पीला तमगा अपने नाम किया। अब तक पुरूषों के दबदबे वाले इस खेल में लड़कियों के इस यादगार प्रदर्शन ने खेल का भविष्य उज्जवल कर दिया है। रजत पदक ब्राजील की रेसा लील को मिला जो 13 वर्ष की ही है। वहीं कांस्य पदक जापान की फुना नाकायामा को मिला। 20 प्रतियोगियों के महिला वर्ग में ब्राजील की लेतिसिया बुफोनी भी थी जिनके पिता ने उन्हें खेल से रोकने के लिए उनका स्केटबोर्ड दो हिस्सों में तोड़ दिया था। कनाडा की एनी गुगलिया जब स्केटिंग सीख रही थी तो पहले दो साल कोई और लड़की उनके साथ नहीं थी।

58 की उम्र में कांस्य जीता

टोक्यो। कुवैत के 58 साल के अब्दुल्ला अलरशीदी ने टोक्यो ओलंपिक निशानेबाजी में कांस्य पदक जीतकर दुनिया को दिखा दिया कि उनके लिए उम्र महज एक आंकड़ा है। सात बार के ओलंपियन ने सोमवार को पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यही नहीं पदक जीतने के बाद उन्होंने 2024 में पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पर निशाना लगाने का भी वादा किया जब वह 60 पार हो चुके होंगे।

सोच्चि। भारत के विदित गुजराती ने वासिफ दुरारबेली को 1.5- 0.5 से हराकर फिडे शतरंज विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नानक राम तेजवानी पुत्र श्री नन्द लाल व श्री विवेक तेजवानी पुत्र श्री नानक राम तेजवानी एक आवासीय ग्राउंड फ्लोर छत रहित प्रॉपर्टी संख्या 4583/11, क्षेत्रफल 55 वर्ग गज यानी 46 वर्ग मीटर, वार्ड न० XII, रोशनारा रोड, सब्जी मंडी दिल्ली 110007 में स्थित है, पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 22.01.2019 के क्रमांक 725 के द्वारा मालिक हैं। उपरोक्त एलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड द्वारा बंधक प्रस्तावित है। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित दस्तावेज मूल विक्रय विलेख दिनांक 25.01.2001 पंजीकृत क्रमांक संख्या 2529 कहीं खो गए हैं। जिसकी एनसीआर ल० रे० न० 507034/2021 दिनांक 24.07.2021 दिल्ली पुलिस में दर्ज की गई है।
यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार या हित है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमें इस नोटिस की तारीख से 10 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा कि किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।
राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
मोबाईल:+91-8076188328

PUBLIC NOTICE
My clients Mr. Manohar Lal Batra and Mrs. Krishna Rani Batra W/o Mr. Manohar Lal Batra are resident and joint owner of property no. A-41 Block-A Shankar Garden, New Delhi-110018. My clients are old age senior citizen and said property is self acquired of my clients. My clients are highly disappointed and afraid due to very bad behaviour of grandson Shri Lakshay Batra S/o Ravi Batra and his wife Tanya Oberoi Batra and inlaws.
My clients Mr. Manohar Lal Batra & Mrs. Krishna Rani Batra are disowning to Grandson Lakshay Batra and his wife Tanya Oberoi Batra from his/her self acquired property no. A-41 Block-A, Shankar Garden, New Delhi-110018 and all his/her other movable & immovable property from immediate effect. They shall have no legal rights over any property of my clients in any manner whatsoever.
Manvendra Kr. Tripathi (Advocate) 315, M C Setalvad Block, Supreme Court of India New Delhi-01

शिप्रा सृष्टि अपार्टमेंट ओनर्स असोसीएशन, निम्नलिखित सेवाए देने वाली संस्थाओं से उद्धरण आमंत्रित करता है:
१. सभी फ़ैसिलिटी एवं मैनजमेंट सर्विस उपलब्ध करवाने वाली संस्थाओ से शिप्रा सृष्टि,१५, अहिंसा खंड-१,इंदिरपुरम, ग़ाज़ियाबाद-२०१०१४ के रख रखाव और फ़ैसिलिटी मैनजमेंट सम्बंधित सभी सेवाओं हेतु
२. अकाउंटिंग संस्थाओ द्वारा शिप्रा सृष्टि के बहि खाता के रख रखाव हेतु
३. बाग़वानी सम्बंधित सेवाओं हेतु
४. सॉसाययटी की इंटर्काम सेवाओं के रख रखाव हेतु।
सम्बंधित संस्थाएँ अपनी उद्धरण aoa.srishti@gmail.com पर दिनांक ३१ जुलाई २०२१ साँय ४ बजे तक भेजना सुनिश्चत करें
साइट विज़िट हेतु प्रार्थना के लिए अनुराग श्रीवास्तव, सेक्रेटरी, 9717597954 से सम्पर्क करें।

पदक तालिका

क्रम	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	जापान	8	2	3	13
2	अमेरिका	7	3	4	14
3	चीन	6	5	7	18
4	रूस	4	5	3	12
5	ब्रिटेन	3	3	1	7
6	द. कोरिया	3	0	4	7
7	ऑस्ट्रेलिया	2	1	3	6
8	कोसोवो	2	0	0	2
9	इटली	1	4	4	9
10	फ्रांस	1	2	2	5
33	भारत	0	1	0	1
33	बेल्जियम	0	1	0	1
33	कोलंबिया	0	1	0	1
33	डेनमार्क	0	1	0	1
33	बुल्गारिया	0	1	0	1
33	रोमानिया	0	1	0	1
33	जोर्डन	0	1	0	1

नीदरलैंड का टेनिस खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव

भाषा। टोक्यो

नीदरलैंड के टेनिस खिलाड़ी जीन जुलियन रोजर कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण ओलंपिक से बाहर हो गए हैं। आयोजकों ने सोमवार को खेलों से जुड़े 16 नए मामलों की घोषणा की। रोजर का परीक्षण पॉजिटिव आने के बाद उन्हें और उनके युगल जोड़ीदार वेस्ली कूल्हॉफ को सोमवार को न्यूजीलैंड के मार्कस डेनियल और माइकल वीनस के खिलाफ होने वाले दूसरे दौर के मैच से हटना पड़ा।

नीदरलैंड की टीम में इस तरह से पॉजिटिव मामलों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। इससे पहले टोक्यो आयोजकों ने बताया कि ओलंपिक खेलों में सोमवार को कोविड-19 के 16 नए मामले दर्ज किए गए जिसमें तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस तरह से खेलों से जुड़े कुल मामलों की संख्या 148 हो गई है।

भारतः आज के कार्यक्रम

निशानेबाजी: 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम क्वलीफिकेशन चरण एक, भारतीय समयानुसार सुबह पांच बजकर 30 मिनट से (सौरभ चौधरी और मनु भाकर , यशस्विनी देसवाल और अभिषेक वर्मा)। 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम क्वलीफिकेशन चरण एक, भारतीय समयानुसार सुबह नौ बजकर 45 मिनट से (इलावेनिल वालारिवन और दिव्यांश सिंह पंवार , अंजुम मुद्गिल और दीपक कुमार)।
टेबल टेनिस: अचंता शरत कमल बनाम मा लोंग (चीन), पुरुष एकल तीसरा दौर, भारतीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 30 मिनट से।
मुक्केबाजी: लवलीना बोरगोहेन बनाम एपेट्ज नेदिन, महिला वेल्टरवेट राउंड आफ 16, भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 57 मिनट से।
बैडमिंटन: सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बनाम बेन लेन और सीन वेंडी (ब्रिटेन), पुरुष युगल ग्रुप ए मैच, भारतीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 30 मिनट से।
हाकी: भारत बनाम स्पेन, पुरुष पूल ए मैच, भारतीय समयानुसार सुबह छह बजकर 30 मिनट से।
सेलिंग: नेत्रा कुमानन, महिला लेजर रेडियल, भारतीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 35 मिनट से। विष्णु सरवनन, पुरुष लेजर, भारतीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 45 मिनट से। केसी गणपति और वरूण ठक्कर, पुरुष स्किफ 49ईआर, सुबह 11 बजकर 20 मिनट से

भारतीय ग्रैंडमास्टर सरीन रेपिड में दूसरे स्थान पर

भाषा। बील (स्विट्जरलैंड)

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन यहां बील अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के रेपिड वर्ग में चार जीत और दो ड्रा के साथ दूसरे स्थान पर रहे। 17 साल के सरीन (ईएलओ रेटिंग 2620) ने ग्रैंडमास्टर गाटा कामस्की (ईएलओ 2658) को बराबरी पर रोककर अमेरिकी खिलाड़ी के पांच मैच के विजय अभियान को थामा। सरीन ने रविवार देर रात संपन्न सात दौर की रेपिड स्पर्धा में संभावित 14 में से 10 अंक जुटाए।

भारतीय ग्रैंडमास्टर ने रूस के किरिल एलेक्सेंको, इस्राइल के अनुभवी ग्रैंडमास्टर बोरिस गेलफेंड, विन्सेंट केमर और मैक्सिम लगार्डे को हराया। उन्होंने एलेन पिचोट और कामस्की को बराबरी पर रोका जबकि स्विट्जरलैंड के ग्रैंडमास्टर नोएल स्टुडर के खिलाफ उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा।

PUBLIC NOTICE
This Notice hereby is given to Public at large that Shri P.V.S. Iyer S/o. Late Sh. P. R. Bharata (B-401,Aashiana) is reported to have lost his Original Share Certificate issued by Aashiana CGHS Ltd., Plot No.5, Mayur Vihar extn, Phase I, Delhi-110091. An application for issuance of a Duplicate Share Certificate has been filed on July 19,2021 Any person or persons having objections against issuance of duplicate Share Certificate to Shri P.V. S. Iyer may file objections in writting within one month from Publication of this Public Notice in the office of AASHIANA CGHS Ltd. failing which the Duplicate Share Certificate will be issued after fulfilling other procedures and obligations as advised by the Managing Committee of AASHIANA CGHS Ltd.
For Aashiana CGHS Ltd.
President

PUBLIC NOTICE
I Dalvinder Singh inform General Public that I have lost Property Paper - Builder Buyer Agreement receipts etc. of my property number EHF-350-I-FF-025, Ivory block, Sector 65, Gurugram, Haryana, issued by EMAAR INDIA LIMITED. if anyone finds it, please contact: 9910693951

PUBLIC NOTICE
I, RAJRANI W/o SHUBASH NAGPAL R/o B3/T1, B BLOCK, DILSHAD GARDEN, DELHI-110095, I have lost original document of general power of attorney for flat B3/T1, B Block, Dilshad Garden, Delhi during shopping in the market, serial no 70073. Doc. no. 24285 book no 4. Vol no. 6565 page no 71 to 72 register on 02.05.2000. An FIR to this effect lodged in P.S. Crime Branch Delhi. LR no. 513345/2021 so no. 430./2014 date.
Because original documents for GPA is not available for this flat, so it is hereby informed to all concern through this notice that the transfer application of Flat B3/T1, B Block, Dilshad Garden is being presented to DDA, if any person/concern have any objection, Kindly inform DDA within 15 days of publication of this notice.

PUBLIC NOTICE
This is to bring to the notice of the general public that one ID Card of Mr Babul Singh issued by ICICI Bank ltd. having ID card no. 2134028 has been found missing and/or lost on Haider Pur. Anyone, who finds the said ID card, is requested to return the said ID card to the Manager Debt Services & Management Group, ICICI Bank Limited, SD Tower Rohini Sector 8 New Delhi 110085.
Therefore, all the customers of ICICI Bank Limited are hereby notified not to make any payment to any unauthorised person holding the said ID card no 2134028.
Please take further notice that anybody making payment to any person holding the said ID card shall do so at his/her own costs, risk and peril and ICICI Bank shall not be bound and/or responsible for any payment.
For ICICI Bank Limited
Date: 26.07.2021 SD Tower Rohini
Place: New Delhi Sector 8 New Delhi 110085

PUBLIC NOTICE
My client, Smt. Savita W/o Sh. Rakesh Nagar R/o Flat No. 161, Block-B, Sector-Omnicron-I, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. who is registered owner of property bearing address Flat No. 158G, Ground Floor, Sector-Omnicorn-1, Greater Noida, U.P. vide Registered Transfer Deed dated 01.01.2021 registration No.13, Sub Registrar-Sadar, Greater Noida executed by Rajni Sharma & Minor daughter K. Manshikha Sharma, legal heirs of Late Dinesh Chand Sharma. My client has lost the property chain documents, i.e. Original Lease deed dated 14.06.2013, registration no. 14584, Allotment Letter and Possession Letter issued by GNIDA and also filed a complaint in this regard dated 04.02.2021 with Police Station in Charge, Badalpur, Greater Noida. Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notified to the undersigned/Adv. Vishal Mehan, E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092 along with documentary evidence under address through registered A/D within 15 days from the date of publication of this notice failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived. Vishal Mehan (Advocate)
E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092
Mobile No. 9811215181

पीओके का विधानसभा चुनाव संपन्न

पीटीआई ने जमाया 25 सीटों पर कब्जा, विपक्ष का धांधली का आरोप

भाषा। इस्लामाबाद

प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पहली बार सरकार बनाएगी। पीटीआई ने पीओके विधानसभा की 45 सीटों के लिए हुए चुनाव में 25 सीटें जीती हैं। हालांकि चुनाव में हिंसा हुई है और विपक्ष ने धांधली के आरोप लगाए हैं।

सरकारी रेडियो पाकिस्तान ने चुनाव आयोग द्वारा घोषित अनौपचारिक नतीजों के हवाले से खबर दी है, पीटीआई ने 25 सीटें जीती हैं, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) 11 सीटें जीत कर दूसरे स्थान पर है और फिलहाल सत्ता पर काबिज पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को सिर्फ छह सीटें मिली हैं।

पीटीआई को सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत मिल गया है और उसे किसी अन्य पार्टी के समर्थन की जरूरत नहीं है। यह पहली बार है कि वह पीओके में सरकार बनाएगी। परंपरागत रूप से, देश की सत्ताधारी पार्टी ही पीओके में चुनाव जीतती आई है। मुस्लिम कांफ्रेंस (एमसी) और जम्मू कश्मीर पीपुल्स पार्टी (जेकेपीपी) को एक-एक सीट पर कामयाबी मिली है। भारत ने इससे पहले गिलगित-बाल्तिस्तान में चुनाव कराने के पाकिस्तान के फैसले का विरोध किया था और कहा था कि सेना के जरिए कब्जाए गए क्षेत्र की स्थिति को बदलने का कोई कानूनी आधार नहीं है।पीओके विधानसभा में कुल 53 सदस्य हैं लेकिन इनमें से केवल 45 सीटों पर सीधे निर्वाचन किया जाता है। इनमें पांच सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हैं और तीन विज्ञान विशेषज्ञों के लिए हैं। सीधे चुने जाने वाले 45 सदस्यों में से 33 सीटें पीओके के निवासियों के लिए हैं और 12 सीटें शरणार्थियों के लिए हैं, जो बीते वर्षों में कश्मीर से यहां आए थे और पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में बस गए है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि पीटीआई की "चुनावों में शानदार जीत प्रधानमंत्री इमरान खान में आम आदमी के भरोसे की अभिव्यक्ति है। उन्होंने सोमवार को एक ट्वीट में कहा कि विपक्षी दलों को अपने नेतृत्व और राजनीति दोनों पर पुनर्विचार करना चाहिए। पाकिस्तान के विपक्षी नेताओं - पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ज़रदारी और पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज़ ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने धांधली के जरिए चुनाव जीता और उन्होंने रविवार को हुए चुनाव के नतीजों को खारिज कर दिया। भुट्टो ने दावा किया कि चुनाव आयोग चुनावी नियमों का उल्लंघन करने पर पीटीआई के खिलाफ कार्वाई करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा, "पीटीआई ने हिंसा

और धांधली का सहारा लिया"। इसके बावजूद पीपीपी 11 सीटों के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी है , जिसे पिछली बार तीन सीटें मिली थीं। उन्होंने पार्टी के जीतने वाले उम्मीदवारों की सूची भी साझा की।

पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज़ ने कहा कि उन्होंने परिणामों को स्वीकार नहीं किया है और न ही कभी स्वीकार करेंगी। "मैंने 2018 के नतीजों को न तो स्वीकार किया है और न ही इस नकली सरकार को माना है। हालांकि, उन्होंने चुनावों में "पीटीआई द्वारा हिंसा और धांधली" के बावजूद "अच्छी लड़ाई लड़ने" के लिए पीएमएल-एन के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की। पीपीपी की उपाध्यक्ष सीनेटर शेरी रहमान ने कहा, चुनाव में व्यवस्थित धांधली का सबूत है। उन्होंने कहा कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने मतदान के दौरान पीपीपी कार्यकर्ता पर हमला किया, जबकि पुलिस ने उनकी पार्टी के एक शिविर को उखाड़ फेंका। रहमान ने कहा कि "कई मतदान केंद्रों की मतदाता सूचियों में साफ फर्क है। पीएमएल-एन की प्रवक्ता मरयम औरंगजेब ने एक बयान में दावा किया कि चुनाव में धांधली करने के लिए पीटीआई के गुंडों ने गुजरांवाला के अलीपुर छत्ता इलाके में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला किया। हालांकि, क्षेत्र के चुनाव आयोग ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त अब्दुल राशिद सुलेहरिया ने मीडिया को बताया कि वह चुनाव प्रक्रिया से संतुष्ट हैं।

पीटीआई के बैरिस्टर सुल्तान महमूद चौधरी क्षेत्र के प्रधानमंत्री की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। वह अपनी सीट जीत गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन नेता राजा फारूक हैदर ने अपनी सीट बचा ली है। एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री और मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सरदार अतीक अहमद खान भी जीत गए हैं। पीओके में सरकार प्रमुख को प्रधानमंत्री कहा जाता है। पीओके के विभिन्न जिलों की 33 सीटों पर कुल 587 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा जबकि पाकिस्तान में बसे जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों की 12 सीटें पर 121 प्रत्याशी मैदान में थे। इससे पहले रविवार को कोटली जिले के चारहोई इलाके में एक मतदान केंद्र पर पीपीपी के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में पीटीआई के कम से कम दो कार्यकर्ताओं की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अज्ञात लोगों ने दो कार्यकर्ताओं की गोली मारकर हत्या कर दी। सेना ने एक बयान में बताया कि क्षेत्र के लासवा इलाके में एक घुमावदार पहाड़ी सड़क मार्ग पर नीचे एक खड्ड में वाहन के गिर जाने से उसमें सवार कम से कम चार सैनिकों की मौत हो गई, जबकि तीन सैनिक और पेशे से ड्राइवर एक आम नागरिक घायल हो गए। ए सभी चुनाव के दौरान शांति बनाए रखने में मदद के लिए तैनात सैनिकों में शामिल थे। सेना के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, एक अन्य घटना में झेलम घाटी जिले में एक मतदान केंद्र पर जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं के हमले में पांच पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। जियो न्यूज के मुताबिक, पीएमएल-एन के उम्मीदवार चौधरी मोहम्मद इस्माईल गुर्जर ने रविवार को धमकी दी कि अगर स्थानीय प्रशासन उनकी चिंताओं को दूर करने में नाकाम रहता है, तो वह भारत की मदद मांगेंगे।

ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति ने पीएम को किया बर्खास्त

ट्यूनिश। ट्यूनीशिया में कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुए हालात और आर्थिक स्थिति खराब होने के विरोध में देश में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया और संसद की गतिविधियों पर रोक लगा दी।ट्यूनीशिया राष्ट्रपति कैस सईद ने संसद के सदस्यों को प्राप्त सभी अधिकारों को भी समाप्त कर दिया और कहा कि वह देश में शांति के लिए शीघ्र ही नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा करेंगे। देशभर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद आपात सुरक्षा बैठक बुलाई गई थी और उसके बाद राष्ट्रपति ने यह घोषणा की है। हजारों की संख्या में लोग कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी पाबंदियों को तोड़ते हुए भीषण गर्मी में सड़कों पर उतर आए और उन्होंने बाहर निकलो के नारे लगाए। साथ ही लोगों ने संसद को भंग करने और जल्द चुनाव कराने की मांग की।

मलेशिया में संसद सत्र के दौरान सदन को संबोधित करते हुए मलेशिया के प्रधानमंत्री मुहीदीन यासीन

चीन जिम्मेदार वैश्विक ताकत बने

बीजिंग। अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने चीन से मतभेदों को परे रखने और पर्यावरण तथा महामारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जिम्मेदार ताकत के रूप में अमेरिका के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया है। अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेर्मन ने चीन के उप विदेश मंत्री शी फेंग की प्रतिक्रिया पर यह टिप्पणी की। फेंग ने शेर्मन के साथ सोमवार को एक बैठक में कहा कि चीन साझा आधार पर मतभेदों को दूर करना चाहता है। जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडेन के पदभार संभालने के बाद से अमेरिका मानवाधिकारों से लेकर क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं तक के मुद्दों पर चीन की आलोचना करने से पीछे नहीं हटा है। चीन ने बार-बार कहा है कि चीन को आगे बढ़ने से रोकते हुए अमेरिका सहयोग की उम्मीद नहीं कर सकता। शेर्मन ने आरोपों का खंडन किया। अमेरिका ने कहा कुछ ऐसी चीजें हैं मतभेदों से हटकर काम करना वैश्विक ताकतों की जिम्मेदारी है।

चीन ने अमेरिका पर संबंधों में गतिरोध का लगाया आरोप

एपी। तियानजिन (चीन)

अमेरिका और चीन के बीच सोमवार को तियानजिन में आमने-सामने की उच्च स्तरीय वार्ता में चीन ने अमेरिका पर द्विपक्षीय संबंधों में गतिरोध पैदा करने का आरोप लगाया और उससे अपनी गुमराह मानसिकता और खतरनाक नीति बदलने की अपील की।आधिकारिक बयान में बताया गया कि चीन के उप विदेश मंत्री शी फेंग ने देश की यात्रा पर आईं अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन के साथ वार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर चीन के विकास को रोकने और दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। विदेश मंत्रालय ने शी के हवाले से कहा कि दोनों देशों के संबंधों में गंभीर समस्याओं का मूल कारण यह है कि कुछ अमेरिकी चीन को काल्पनिक शत्रु के रूप में चित्रित करते हैं।आधिकारिक संवाद समिति शिंहुआ ने बताया कि शी फेंग ने अमेरिका से अपनी अत्यधिक पथभ्रष्ट मानसिकता और खतरनाक नीति बदलने की अपील की। शेरमन ने अमेरिका एवं चीन के संबंधों के प्रभारी शी और चीन के विदेश मंत्री वांग ई के साथ तियानजिन शहर के रिजॉर्ट में बंद कमरे में अलग-अलग बैठकें की। छह महीने पहले जो बाइडन के अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वह चीन की यात्रा करने वाली सबसे ऊंचे रैंक की अमेरिकी अधिकारी हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में दोनों देशों के बीच संबंध बहुत खराब हो गए थे और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, मानवाधिकार तथा अन्य मामलों पर दोनों के बीच तनाव की स्थिति है।

शी ने कहा कि चीन मतभेदों को दूर करके साझा आधार तलाशना चाहता है। बाइडन प्रशासन ने कहा है कि वह कुछ क्षेत्रों में सहयोग करेगा लेकिन मानवाधिकार जैसे कुछ क्षेत्रों में चीन का विरोध करेगा। उसने संबंधों को सहयोगात्मक, प्रतिस्पर्धात्मक और प्रतिकूल बताया।

वांग ने शनिवार को एक साक्षात्कार में अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वह स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझता है और अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल करता है। उन्होंने चीन के फीनिक्स टेलीविजन से कहा था, चीन किसी भी ऐसे देश को कभी स्वीकार नहीं करेगा जो स्वयं के दूसरों से श्रेष्ठ होने का दावा करता हो। उन्होंने कहा था, अगर अमेरिका ने अन्य देशों के साथ समानता का व्यवहार करना नहीं सीखा है, तो चीन और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह अमेरिका को यह सीखने में मदद करे।

स्कॉटलैंड के पर्वतारोही की मौत

इस्लामाबाद। दुनिया के दूसरे सबसे ऊंचे पर्वत के2 की चोटी पर चढ़ने का प्रयास करते समय स्कॉटलैंड के एक जानेमाने पर्वतारोही की हिमस्खलन से मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान के एक पर्वतारोही अधिकारी ने दी। पाकिस्तान के अल्पाइन क्लब के सचिव कर्रार हैदरी ने कहा कि 68 वर्षीय रिक एलन की तीन दिन पहले तब हिमस्खलन में मौत हो गई थी। वह एक ऐसी दिशा से शिखर पर पहुंचने की कोशिश कर रहे थे, जिसे इससे पहले पर्वतारोहण के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया था। हैदरी ने कहा कि एलन के दो सहयोगी हिमस्खलन से बच गए और बाद में उन्हें वहां से निकाला गया।उनके अभियान का उद्देश्य ब्रिटेन स्थित परमार्थ संगठन पार्टनर्स रिलीफ एंड डेवलपमेंट के लिए धन जुटाना था, जिसके बोर्ड के एलन सदस्य थे। बच्चों के कल्याण के लिए काम करने वाले द चैरिटी ने अपने फेसबुक पेज पर एलन की मृत्यु की पुष्टि की।

रूसी पीएम ने जापान के दावे वालों द्वीपों का किया दौरा

एपी। मास्को

रूस के प्रधानमंत्री ने सोमवार को जापान द्वारा दावा किए गए प्रशांत द्वीपों का दौरा किया और कहा कि सरकार वहां एक विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है।

प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तीन इस सप्ताह रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र और साइबेरिया का दौरा कर रहे हैं, और कुरील द्वीप सोमवार को उनका पहला पड़ाव है। मिशुस्तीन ने चार सबसे दक्षिणी कुरील द्वीपों में से एक, इटुरुप पर एक अस्पताल और एक मछली संयंत्र का दौरा किया, और संयंत्र श्रमिकों से कहा कि सरकार द्वीपों पर एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने पर विचार कर रही है, जिसमें व्यवसाय और निवेश अधिकांश करों और सीमा शुल्कों से मुक्त होंगे।

मिशुस्तीन ने कहा, "रूसी अधिकारी वर्तमान में जिन उपायों पर विचार कर रहे हैं, वे निवेशकों के लिए एक अच्छा साधन हो सकते हैं, जिनमें पश्चिम के लोग और जापान भी शामिल हो सकते हैं, अगर वे रुचि रखते हैं, तो यहां रोजगार पैदा कर सकते हैं"। उन्होंने कहा कि इससे इन द्वीपों पर आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। उन्होंने कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ इन उपायों पर चर्चा करेंगे। शुक्रवार को, पुतिन ने मिशुस्तीन को सुदूर पूर्व की अपनी यात्रा के दौरान कुरील द्वीप समूह पर "विशेष ध्यान देने" के लिए कहा है। गौरतलब है कि जापान उन द्वीपों पर अपने क्षेत्रीय अधिकारों का दावा करता है जिन्हें वह उत्तरी क्षेत्र कहता है। सोवियत संघ ने उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में अपने कब्जे में ले लिया था और तब से इनको लेकर विवाद बरकरार है। समझौते पर बातचीत करने के लिए दशकों से चल रहे राजनयिक प्रयासों का अब तक कोई स्पष्ट परिणाम नहीं निकल सका है।

लंदन में बारिश के कारण घरों और स्टेशन में भरा पानी

लंदन। लंदन में पिछले दो सप्ताह में दूसरी बार आई बेमौसम मूसलाधार बारिश के कारण घरों, सड़कों एवं कई सबवे स्टेशन पर पानी भर गया। मौसम विभाग कार्यालय ने बताया कि रविवार दोपहर को मध्य लंदन में छह सेंटीमीटर (16 इंच) बारिश हुई। सोमवार को मौसम शुष्क रहा, लेकिन पर्यावरण एजेंसी ने बताया कि दक्षिणपूर्व इंग्लैंड के लिए बाढ़ की चार चेतावनियां जारी की गई हैं। लंदन के दो अस्पतालों ने मरीजों को बाढ़ की वजह से बाधा उत्पन्न होने के चलते आपातकालीन विभाग में नहीं आने को कहा। लंदन परिवहन विभाग ने बताया कि बाढ़ के कारण आठ स्टेशनों को बंद करना पड़ा। दक्षिण लंदन के निवासी एडी इलियट ने कहा, मैं लंदन में पैदा हुआ और यहीं पला-बढ़ा, लेकिन मैंने यहां पहले कभी ऐसा नहीं देखा। सड़क यातायात बुरी तरह बाधित हुआ है।

रूसी प्रधान मंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने जापान द्वारा दावा किए गए विवादित प्रशांत द्वीपों पर गिड्रोस्ट्रोई के मछली प्रसंस्करण संयंत्र का दौरा किया

वाइपाहू में लगे एक कोविड वैक्सीनेशन कैंप का निरीक्षण करतीं अमेरिका की प्रथम महिला जिल बिडेन

अफगानिस्तान में मृतकों में महिलाओं व बच्चों की संख्या बढ़ीः यूएन

एपी। काबुल

अफगानिस्तान में 2021 के पहले छह माह में किसी अन्य वर्ष के पहले छह महीने की तुलना में ज्यादा संख्या में महिलाएं एवं बच्चे मारे गए एवं जख्मी हुए। यह जानकारी सोमवार को संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में दी गई। संयुक्त राष्ट्र ने 2009 से व्यवस्थागत रूप से संख्या का रिकॉर्ड रखना शुरू किया था।रिपोर्ट के मुताबिक युद्धग्रस्त देश में वर्ष के पहले छह महीने में अफगानिस्तान में हिंसा के दौरान मारे गए एवं जख्मी हुए नागरिकों की संख्या में पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव की विशेष प्रतिनिधि देबोरा लायन ने कहा, मैं तालिबान और अफगानिस्तान के नेताओं से आग्रह करती हूं कि संघर्ष की भयावहता और नागरिकों पर पड़ने वाले इसके खतरनाक असर पर ध्यान दें। लायन ने रिपोर्ट के साथ जारी बयान में कहा, रिपोर्ट स्पष्ट चेतावनी देती है कि अगर हिंसा पर लगाम नहीं कसी गई तो इस वर्ष काफी संख्या में अफगान नागरिक मारे जाएंगे और जख्मी होंगे। तालिबान ने हाल के समय में काफी भूभाग पर कब्जा कर लिया है, कई पड़ोसी देशों के साथ लगती सीमाओं पर भी उसने प्रभुत्व कायम कर लिया है और कई प्रांतीय राजधानियों पर उसके कब्जा करने का खतरा बना हुआ है। अमेरिका और नाटो सैनिकों के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से तालिबान का खतरा बढ़ा है।अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने बताया कि 2021 में अब तक 1659 आम नागरिक मारे गए हैं और 3254 आम नागरिक घायल हुए हैं। इसने कहा कि पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में यह 47 फीसदी ज्यादा है।रिपोर्ट के मुताबिक 2021 के पहले छह महीने में इन सभी हताहतों में लगभग आधे महिलाएं एवं बच्चे थे। मारे गए लोगों में 32 फीसदी बच्चे हैं जिनकी संख्या 468 है और 1214 बच्चे घायल हुए हैं। मृतकों में 14 फीसदी महिलाएं हैं।

सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय आवागमन फिर शुरू करेगाः मंत्री

सिंगापुर। सिंगापुर उन देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय आवागमन शुरू करेगा, जिन्होंने व्यापार, यात्रा और कामकाज के लिहाज से कोविड-19 पर अच्छी तरह लगाम लगाने के प्रयास किए हैं। एक वरिष्ठ मंत्री ने सोमवार को संसद को बताया। व्यापार एवं उद्योग मंत्री और कोविड-19 बहुमंत्रालय कार्यबल के सह-अध्यक्ष गैन किम योंग ने कहा कि सिंगापुर छोटी और खुली अर्थव्यवस्था वाला देश है, लिहाजा इसे दुनिया के लिए बंद नहीं किया जा सकता। चैनल न्यूज एशिया ने गैन के हवाले से कहा, हमारी अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों के लिए सिंगापुर में लोगों के आने और यहां जाने वाले लोगों के संबंध में स्थिर प्रवाह की आवश्यकता होती है - फिर चाहे वे श्रमिक हों या आगंतुक। उन्होंने कहा, यह एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे हमें एक व्यापार, यात्रा और प्रतिभा केंद्र के रूप में सिंगापुर की स्थिति को फिर से स्थापित करने में मदद मिलेगी।

इराक में अमेरिकी लड़ाकू मिशन खत्म करने की हो सकती है घोषणा

संवाददाता। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और इराकी प्रधानमंत्री मुस्तफा अल काज़मि सोमवार को यह घोषणा कर सकते हैं कि इस साल के आखिर तक इराक में अमेरिकी सेना की लड़ाकू भूमिका खत्म हो जाएगी। बाइडन प्रशासन के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी सैन्य मिशन का मकसद इस्लामिक स्टेट (आईएस) को हराने में इराक की मदद करना था और साल के अंत तक उसकी भूमिका को इराकी सेना को सलाह और प्रशिक्षण देने में तब्दील कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि व्हाइट हाउस में सोमवार दोपहर को दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद इसकी घोषणा एक विज्ञप्ति में की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि इराकी बलों ने अपने जौहर दिखाए हैं और साबित किया है कि वह अपने मुल्क की रक्षा करने में सक्षम हैं। अधिकारी ने कहा कि फिर भी बाइडन प्रशासन का मानना है कि आईएस से अब भी काफी खतरा है।

आईएस अब 2017 जितना ताकतवर नहीं है, लेकिन उसने दिखाया है कि वह ऐसे हमले कर सकता है जिसमें ज्यादा तादाद में लोग हताहत हों। पिछले हफ्ते, उसने बगदाद के एक बाजार में सड़क किनारे किए गए बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी जिसमें 30 लोगों की मौत हुई थी।

अमेरिका और इराक अप्रैल में इस बात पर सहमत हो गए थे कि इराक में अमेरिका की भूमिका सैनिकों को सलाह देने और प्रशिक्षित करने की हो तथा वे लड़ाकू भूमिक में न रहे। हालांकि इसकी कोई तारीख तय नहीं हो पाई थी। बहरहाल, यह घोषणा ऐसे समय में हो रही है जब इराक में 10 अक्टूबर को चुनाव होने हैं जिसके कुछ महीने ही बचे हैं।अल-काज़मि ने अमेरिका की यात्रा पर रवाना होने से पहले साफ किया था कि उनका मानना है कि वक्त आ गया है कि अमेरिका अपना लड़ाकू मिशन खत्म करे।

टॉक टाइम

वीर दास

एंटरटेनर, कॉमेडियन और अभिनेता एक नए प्रोजेक्ट द मोस्ट एपिक मैक्स शो के साथ वापस आ गए हैं। मुसबा हाशमी ने उनसे शो के कॉन्सेप्ट के बारे में बात की कि लॉकडाऊन के दौरान उन्हें किस चीज ने टिकाए रखा और उससे क्या हासिल हुआ

छोटी-छोटी बातों में खुशी तलाशना जरूरी

■ मोस्ट एपिक मैक्स शो किस विषय के बारे में है ?

मेरा शो जीवन की छोटी-छोटी साधारण चीजों के बारे में है जो आपको अंदर से महाकाव्य का एहसास कराती हैं, जिसका अर्थ है कि आपको महाकाव्य महसूस करने के लिए महाकाव्यात्मक चीजें करने की आवश्यकता नहीं है। मुझे लगता है कि यह एक कठिन वर्ष रहा है और दुनिया में हर कोई अपने बारे में अच्छा महसूस करने और उन छोटी-छोटी चीजों का जश्न मनाने का हकदार है जो उन्हें खुशी देती हैं। मैं अज्ञान तथा सीखने के लिए तैयार जगह से आ रहा हूं मगर बड़े पैमाने पर और शानदार ढंग से विफल होने के लिए भी तैयार हूं।

■ शो का कॉन्सेप्ट मजेदार है। क्या शूटिंग के दौरान आपको किन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ा? कोई मजेदार वाकया जो आप हमें बताना चाहेंगे ?

हमने महामारी के दौरान शो की शूटिंग की, जब लॉकडाउन हट गया था। अचानक, जो तामझाम आमतौर पर इस्तेमाल किया जा सकता था वह अचानक चला गया। सीमित कर्मी-दल, मेरे चारों ओर पीपीई किट पहने लोग, सभी अपने समक्ष बिखरे सभी पत्तों के साथ कुछ मजेदार रचने की कोशिश कर रहे हैं। यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मेरे चारों ओर एक शानदार टीम थी जिसने सभी का मनोबल ऊंचा रखा। मुझे लगता है कि मज़ा वास्तव में सीमित संसाधनों व रचनात्मक तरीके से आया है जब हमने जरूरत पड़ने पर सुधार किया था।

■ प्रत्येक एपिसोड में आप नया काम हाथ में लेते हैं, चाहे वह दो मिनट से भी कम समय में मैगी बनाना हो या सही माफीनामा लिखना हो। कौन सा एपिसोड आपके लिए सबसे खास रहा ?

मुझे नहीं लगता कि कोई एक खास एपिसोड है जो दूसरे की तुलना में शूटिंग करते हुए अधिक मजेदार था। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे अंदर मौजूद खाने के शौकीन ने आइसक्रीम एपिसोड का सबसे ज्यादा आनंद लिया। मैंने खुद हैरान था कि यह कैसे निकला। मेरे पास विकल्प के रूप में मेरा मास्टरशेफ आवेदन फॉर्म है।

> हमने महामारी के दौरान शो की शूटिंग की, जब लॉकडाउन हट गया था। अचानक, जो तामझाम आमतौर पर इस्तेमाल किया जा सकता था वह अचानक चला गया। सीमित कर्मी-दल, मेरे चारों ओर पीपीई किट पहने लोग, सभी अपने समक्ष बिखरे सभी पत्तों के साथ कुछ मजेदार रचने की कोशिश कर रहे हैं। यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मेरे चारों ओर एक शानदार टीम थी जिसने सभी का मनोबल ऊंचा रखा। मुझे लगता है कि मज़ा वास्तव में सीमित संसाधनों व रचनात्मक तरीके से आया है जब हमने जरूरत पड़ने पर सुधार किया था।

■ आने वाले एपिसोड से दर्शक क्या उम्मीद कर सकते हैं?

जैसे-जैसे शो आगे बढ़ेगा, मैं अपनी रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए -नवीन तकनीकों और सरल समाधानों के साथ- चुनौतियों का सामना करना जारी रखूंगा। प्रत्येक चुनौती या तो पूरी तरह से 'महाकाव्य' या पूर्ण 'असफल' है। किसी भी तरह से, सारे एपिसोड स्नैपचैटर्स के लिए मजेदार सीखने वाला तजुर्बा रचते हैं!

■ लॉकडाऊन के दौरान आपको शारीरिक व मानसिक रूप से सक्रिय या फिट रहने में कैसे मदद मिली?

हम सभी ने लॉकडाऊन के दौरान मानसिक व शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए संघर्ष किया है। मेरा जीवन दुनिया की यात्रा करने और हर रात हजारों लोगों के बीच में रहने से लेकर अपने सामने के दरवाजे से यात्रा न करने और अपनी पत्नी का मनोरंजन करने की कोशिश करने में बीत गया, जिसमें मैं भी असफल रहा।

रचनात्मक होने की कोशिश करना और यह जानना कि अंधेरे के बाद सवेरा होगा, मुझे आगे बढ़ाता रहा। विश्वास नहीं खोना, और सिर्फ नया करने की कोशिश करना, उस दिन के लिए खुद को तैयार करना जब मैं अपना सूटकेस फिर से पैक सकूंगा और जो पिछली बार से बेहतर हो सकता है जब मैंने इसे अनपैक किया था। इसी सबने मुझे टिकाए रखा।

■ लॉकडाउन से आपका सबसे बड़ा हासिल क्या है?

समय! उन कुछ चीजों को दुबारा देखने, पुनर्विचार करने और रीचार्ज करने का समय, जिनके बारे में मैंने केवल सोचा था, लेकिन उन्हे करने के लिए समय और प्रेरणा कभी नहीं थी। इस चुनौतीपूर्ण दौर से सबसे बड़ी सीख यह हासिल हुई है कि छोटी-छोटी चीजों में खुशी तलाशना जरूरी है। यह परिणाम नहीं बल्कि यात्रा है जो मायने रखती है। आप या तो लीक से हटकर कुछ सकते हैं या असफल हो सकते हैं, इस प्रकार, दोनों तरह से सीखते हैं।

पंजाबी सनसनी

रियलिटी शो बिग बॉस 14 से प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री अर्शी खान शोक-ई द्वारा गाए गए आगामी पंजाबी गीत बुक लिखदा में नजर आएंगी।

अर्शी बता रही हैं कि मैं गाने में काम करने को लेकर उत्साहित हूं, आजकल लोग न केवल यहां, बल्कि विदेशों में भी पंजाबी गानों का आनंद लेते हैं। इसके बाद जल्द ही और गाने आने वाले हैं। मैं एक्शन में वापस आ गयी हूं। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक इमेज मेकओवर किया है।

इसके बारे में बात करते हुए अर्शी कहती हैं कि मैंने हमेशा एक स्टाइलिश औरा के साथ एक साधारण लुक का आनंद लिया है। लेकिन अब तालाबंदी ने मुझे अपने लुक के साथ प्रयोग करने में मदद की है और मैं वास्तव में इसका मजा ले रही हूं। मैं एक राजकुमारी जैसा महसूस करती हूं। और निश्चित रूप से मेरे दर्शक गाने में मुझे नए रूप में देखेंगे। किताब लिखदा का संगीत जी प्रो द्वारा दिया गया है और गीत हनी काकोवालिया के हैं। यह गाना 5 अगस्त को रिलीज होने वाला है।

बिग बी, प्रभास की नई फिल्म लॉन्च

अभिनेता अमिताभ बच्चन, प्रभास और दीपिका पादुकोण की आगामी फिल्म की शुरुआत शनिवार को मुहूर्त पूजा और क्लैप के साथ हुई। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को फिलहाल के नाम का वर्किंग टाइटल दिया गया है। शनिवार को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर फिल्म का मुहूर्त होने के कारण अमिताभ हैदराबाद पहुंचे। मुहूर्त शॉट के लिए, प्रभास ने अमिताभ बच्चन पर क्लैपबोर्ड बजाया, जिसके हिस्से पहले शेड्यूल में शूट किए जाएंगे। फिल्म की निर्माण टीम के अनुसार, नाग अश्विन पहले शूटिंग शेड्यूल में अमिताभ व कुछ अन्य अभिनेताओं के साथ कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग करेंगे, जो शनिवार से यहां रामोजी फिल्म सिटी में शुरू होगी। जबकि प्रभास बाद में टीम से जुड़ेंगे।

विकास बहल के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा

दयाना इरप्पा, जो अपनी पहली हिंदी वेब सीरीज सनफ्लावर में नजर आई हैं, शालिनी सक्सेना से बातचीत में बता रही हैं कि उन्हें यह प्रोजेक्ट कैसे हासिल हुआ

❖ आप सनफ्लावर - वेब सीरीज़ का हिस्सा कैसे बनीं?

यह मेरा पहला हिंदी उपक्रम था इसलिए मैं इसे लेकर काफी उत्साहित थी। किसी भी अन्य अभिनेता की तरह, मैंने एक- दो राऊंड ऑडिशन के दिए और अंततः यह भूमिका निभाने का मौका हासिल हुआ।

❖ विकास बहल के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

अद्भुत अनुभव रहा। विकास एक बेहतरीन मेंटर हैं। वह आपको इंप्रोवाइज करने के अवसर देते हैं और एक अभिनेता के लिए प्रदर्शन करना बहुत सहज और आसान बनाते हैं। बहुत कुछ है जो मैंने उनसे सीखा है। मैं भविष्य में भी उनके साथ जुड़ने की उम्मीद करती हूं।

❖ यहां आपकी कैसी भूमिका है ? इस विधा को प्रस्तुत करना कितना रोमांचक रहा ?

मैं जस्टिना की भूमिका में हूं। किरदार से पता चलता है कि कैसे हर महिला निर्भीक हो सकती है। वह अपने मन की बात कहती है और उसे बहुत महत्व देती है। वह आत्मविश्वासी और स्वतंत्र है। इस चरित्र के साथ पहचान बनाना आसान था, मेरी सचमुच में उसी तरह की मान्यताएं हैं। तो, जीवन के प्रति चरित्र का दृष्टिकोण मेरे अपने दृष्टिकोण जैसा ही है। मुझे इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर और इस भूमिका को निभाने में बहुत मजा आया। मैं कहूंगी कि यह अब तक की मेरी पसंदीदा भूमिकाओं में से एक है।

❖ आपने मॉडल के रूप में शुरुआत की थी, अभिनय की शुरूआत कैसे हुई?

जब मुझे मणिरत्नम के कार्यालय से फोन आया, तो मैंने उनकी हिट फिल्म, चेका चिवंता वनम के लिए काम किया। उसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मुझे खुशी है कि मैंने फिल्मों की ओर रुख किया और मैं विभिन्न भाषाओं के फिल्म इंडस्ट्री के बारे में जानना चाहती हूं। मैं निश्चित रूप से और ज्यादा बॉलीवुड परियोजनाओं का हिस्सा बनना चाहता हूं और विभिन्न भूमिकाओं के लिए तत्पर हूं जो मैं निभा सकती हूं।

❖ आपने बहुत सारे विज्ञापन अभियान किए हैं, इसकी सबसे अच्छी खूबी क्या है ?

इसकी सबसे अच्छी खूबी यह है कि आपको बहुत सारे अनुभवी लोगों से मिलने का मौका मिलता है और प्रत्येक अभियान से वापस पाने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है। इतने सारे विज्ञापन अभियानों का हिस्सा बनकर मैंने बहुत कुछ सीखा है।

❖ क्या आप अभी भी मॉडलिंग कर रही हैं ?

हां, मुझे अभी भी मॉडलिंग में मजा आता है लेकिन मैंने खुद को संपादकीय व डिजाइनर अभियानों तक सीमित कर लिया है। इसकी शुरुआत मॉडलिंग से हुई थी, इसलिए मैं इससे खुद को कभी अलग नहीं कर सकती।

❖ कई अभिनेता क्षेत्रीय फिल्में भी कर रहे हैं। यहाँ प्रेरक शक्ति क्या है ?

ईमानदारी से कहूं, कि मेरे लिए प्रेरक शक्ति विषय-सामग्री है। जब तक मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिल रही है, जिसमें अच्छा कंटेंट है, मैं वह करूंगी, चाहे वो क्षेत्रीय सिनेमा हो या बॉलीवुड। साथ ही मुझे लगता है कि ओटीटी क्षेत्रीय सिनेमा के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म रहा है। मेरे लिए माध्यम वास्तव में मायने नहीं रखता। वो सब मायने रखता है जो सामग्री और मेरी भूमिका है।

❖ अगली योजना ?

मैं कुछ प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हूं लेकिन मैं अभी उनके बारे में बात नहीं कर सकती हूं।

आसान नहीं असुर की भूमिका निभाना : सिद्धार्थ

सोनी सब पर हीरो-गायब मोड ऑन में 2500 साल पुराने असुर की भूमिका निभाने वाले **सिद्धार्थ निगम** से **शालिनी सक्सेना** ने इस भूमिका और भावी चुनौतियों को लेकर विस्तार से बात की।

■ जब आपको 2500 साल पुराने असुर की भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया गया तो आपकी क्या प्रतिक्रिया थी?

जब मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया तो मुझे यह नहीं बताया गया कि मुझे कौन सा किरदार ऑफर किया जा रहा है। मुझे केवल संक्षिप्त जानकारी दी गई थी। उन्होंने मुझे बताया कि उनके पास पहले से ही उनका मुख्य नेतृत्व था। और अब वे एक ऐसे व्यक्ति की तलाश में थे जो इस सुपर हीरो से अधिक शक्तिशाली हो - कोई ऐसा व्यक्ति जो नायक को सुपरहीरो बना सके। मुझे भी दिलचस्पी थी। मुझे लगा कि यह शो अनोखा है। मैंने हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट करने की कोशिश की है जहां मैं अतीत में किए गए कामों से अलग हो सकूं। जब मुझे इस भूमिका की पेशकश की गई, तो मैं उत्साहित था। हालांकि, जब मुझे बताया गया कि मैं एक असुर बनूंगा, तो मैं थोड़ा अचंभित हो गया लेकिन मुझे बताया गया कि मैं अपने मानव रूप में रहूंगा; बस इतना कि मेरे पास अलौकिक शक्तियां होंगी। सबसे अच्छी बात यह थी कि मुझे अपने भाई के साथ इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा।

■ आप प्रोजेक्ट में कैसे आए?

मैं भाग्यशाली था कि मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए ऑडिशन नहीं देना पड़ा। पेनिनसुला पिक्चर्स के निर्माता, अलिंद श्रीवास्तव ने मुझे इस भूमिका की पेशकश की। उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि मैं इस शो का हिस्सा बनूं और शिवाय का रोल करूं। मैं सहमत हूं और मैं यहां हूं।

■ शिवाय का किरदार निभाने में क्या चुनौतियां आती हैं?

काफी कुछ थे। पहले तो शिवाय की आवाज थोड़ी भारी है। मैं वीर नंदा (हीरो) के विपरीत हूं जो स्ट्रीट-स्मार्ट है। मैं सर्वशक्तिमान और शक्तिशाली हूं। फिर नज़र है। मेरे पास टैटू हैं और शुरू में इसे तैयार होने में दो घंटे तक का समय लगेगा। अब, निश्चित रूप से, इसमें इतना समय नहीं लगता है। साथ ही, डायलॉग डिलीवरी अलग है; वह अत्यंत बुद्धिमान है। वह जो कुछ भी कहते हैं उसका गहरा अर्थ होता है। इसे कैसे व्यक्त किया जाना है, इसका अभ्यास किया जाना था।

■ क्या आप अपने भाई से झगड़ते हैं - ऑफ-स्क्रीन?

ऑनस्क्रीन, मैं स्पष्ट रूप से उसे एक सुपरहीरो में बदलने की कोशिश कर रहा हूं, इसलिए फाइट सीक्वेंस हैं। ऑफ-स्क्रीन, कभी-कभी हमारे बीच मतभेद होते हैं और मौखिक झगड़े होते हैं, जैसा कि सामान्य है। हम कभी-कभी डब्लू-डब्लू-ई जैसी स्थिति में आ जाते हैं। लेकिन हम भाई हैं और एक दूसरे का सम्मान करते हैं। अच्छी बात यह है कि हमारे बीच कोई अहंकार संघर्ष नहीं है।

■ आप अभिनय में कैसे आए?

मैं कभी भी अभिनेता नहीं बनना चाहता था। एक जिमनास्ट के रूप में मेरी पृष्ठभूमि किसी भी मनोरंजक गतिविधियों के लिए बहुत कम समय छोड़ती है। अगर मैं समाचार पर समाप्त हो गया, तो मेरे लिए इतना ही काफी था। मैं छात्रावास में था; मेरे पास मोबाइल नहीं था; हमें दिन में आठ घंटे अभ्यास करना था। इससे किसी और चीज के लिए बहुत कम समय बचा। ऐसा कभी नहीं हुआ कि मैं अभिनय खत्म कर दूं। 58वें नेशनल स्कूल गेम्स, पुणे में मेरे पास पैरेलल बार में गोल्ड और हाई बार में सिल्वर है और एक गेम के दौरान मुझे देखा गया और बोर्नविटा विज्ञापन के ऑडिशन के लिए संपर्क किया गया। इसी तरह मैं इंडस्ट्री में आया। यह नियति थी।

■ क्या विज्ञापन करना कठिन था?

ये कठिन था। मेरी कोई एक्टिंग बैकग्राउंड नहीं थी। मैंने कभी कोई क्लास नहीं ली। कैमरे का सामना करना, जाने-माने अभिनेताओं का सामना करना और संवादों को याद रखना और उन्हें भावना के साथ देना मेरे लिए बहुत ही अलग था। इससे मैं घबरा गया। लेकिन मैंने ठान लिया था कि चूंकि मुझे एक भूमिका निभाने की पेशकश की गई थी, इसलिए मैं इसे अपनी पूरी क्षमता से करूंगा। इसलिए, मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की।

■ आपने एक दो फिल्में की हैं। बॉलीवुड में प्रयास क्यों नहीं किया?

मुझे यकीन है कि बॉलीवुड से वाकई कुछ बड़ा होगा। मैं ऐसी भूमिकाएं भी देख रहा हूं जो मैं वेब सीरीज में निभा सकूं। जब से मैं इस उद्योग में आया हूं, मैंने हमेशा अलग-अलग भूमिकाएं की हैं। मैं केवल एक ही चीज जानता हूं, चाहे स्क्रीन कितनी भी बड़ी या छोटी हो, मेरा काम अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।

■ आपने कुछ संगीत वीडियो किए हैं। अनुभव कैसा रहा?

संगीत वीडियो करना सीरियल से बहुत अलग है। संगीत वीडियो दो प्रकार के होते हैं। एक जहां कोई गाना होता है और एक लड़का या लड़की होती है और वे नाचते हैं। फिर ऐसे वीडियो हैं जो एक कहानी बताते हैं। मैंने जो किया है वह दूसरी श्रेणी में आता है। मुझे ऐसे संगीत वीडियो करना अच्छा लगता है क्योंकि उन्हें दो-तीन दिनों के भीतर शूट किया जाता है; यह एक स्ट्रेस-बस्टर है। संगीत सुनना और उसका प्रदर्शन करना बहुत ही सुकून देने वाला होता है।